RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 10 अंक 156
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 26 मार्च, 2020
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

# पायनियर

लॉकडाउन के बीच गुड़ी पड़वा, विडंबना: सोनाली
विविध-12

www.dailypioneer.com

# लॉकडाउन में जरूरी सामान की आपूर्ति पर सरकार का जोर

● केंद्र सरकार ने आम जनता को खाद्य, दूध, दवाएं आदि आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में पूरी ताकत झोंकी

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**घातक** रूप ले चुके कोरोना वायरस की कड़ी को तोड़ने के लिए मंगलवार की रात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तीन सप्ताह के लॉकडाउन का ऐलान किया लेकिन इसके बाद देशभर में लोग जरूरी सामान की खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ पड़े। इससे प्रधानमंत्री की मेलजोल से बचने (सोशल डिस्टेंसिंग) को बढ़ावा देने की कोशिशों को तगड़ा धक्का लगा। इससे सबक लेते हुए अगले ही दिन बुधवार को केंद्र सरकार ने आम जनता को खाद्य, दूध, दवाएं आदि आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराने में पूरी ताकत झोक दी।

बुधवार को दिन में स्थिति कुछ संभलती नजर आई। मुल्क भर में किराना स्टोर, सब्जी मंडी, दूध बूथ, केमिस्ट की दुकानें, एटीएम, बैंक, पेट्रोल पंप और एलपीजी सिलेंडर की आपूर्ति अधिकांश राज्यों में खुली हुई थी और आपूर्ति में कोई कमी नहीं दिखी। देश के कुछ हिस्सों में आवश्यक वस्तुओं की खरीदारी के लिए मची होड़ की (शेष पेज 9)

मथुरा में बुधवार को एक सब्जी मंडी में खरीदारी करने में जुटे लोग

## प्रदेश में कोरोना के 38 रोगी

विदेश से आए लोगों के लिए हेल्पलाइन नं 18001805145

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**उत्तर** प्रदेश में बुधवार को कोरोना वायरस के तीन और मामले सामने आए हैं। इन्हें मिलाकर प्रदेश में अभी तक 38 लोगों में संक्रमण की पुष्टि हुई है। इनमें से 11 लोगों को इलाज के बाद अस्पतालों से छुट्टी मिल चुकी है। साथ ही सरकार ने आज विदेशों से आए लोगों के इलाज लिए हेल्पलाइन नंबर 18001805145 जारी किया है। प्रमुख सचिव (चिकित्सा एवं स्वास्थ्य) अमित मोहन प्रसाद ने यहां संवाददाताओं से कहा, बुधवार को और तीन लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई है। इनमें से दो गौतमबुद्धनगर और एक पीलीभीत का है। उन्होंने बताया, अभी तक 11 लोग इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी पा चुके हैं। इनमें से सात आगरा के, दो गाजियाबाद के और एक-एक लखनऊ एवं नोएडा के हैं। शेष लोगों की हालत (शेष पेज 9)

## 606 हुए कोरोना के मरीज, 10 की मौत

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**देश** में कोरोना पीड़ित मरीजों की कुल संख्या 606 हो गई है। इनमें से 519 लोग भारतीय हैं और 43 लोग विदेशी हैं। खास यह कि इस दौरान 43 मरीज ठीक भी हुए हैं जिन्हें अस्पतालों से डिस्चार्ज कर दिया गया है। विभिन्न राज्यों में कोरोना से मरने वालों की संख्या 10 हो गई है। दिल्ली में जिस दूसरे व्यक्ति की मौत हुई थी, उसकी रिपोर्ट निगेटिव आई है। कोरोना वायरस के कारण उत्पन्न हालात की समीक्षा के लिए केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. हर्षवर्धन की अध्यक्षता में मंत्री समूह की बुधवार को हुई बैठक के बाद केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक कोरोना के 606 मामलों की पुष्टि हो चुकी है। मंत्रालय के अधिकारी ने बताया कि स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए देशव्यापी लॉकडाउन के बीच वायरस के परीक्षण और चिकित्सा सुविधाओं को व्यापक तौर पर प्रभावी बनाने के उपाय सुनिश्चित किए गए हैं। इसके तहत चिकित्साकर्मियों के लिए एन 95 मास्क सहित अन्य जरूरी सुरक्षा उपकरणों की आपूर्ति को भी सुनिश्चित किया जा रहा है। साथ ही इस वायरस के (शेष पेज 9)

# महंगा पड़ेगा डॉक्टरों और नर्सों से बुरा बर्ताव: मोदी

● वाराणसी के लोगों से संवाद करते प्रधानमंत्री ने दी चेतावनी, अपनी जान जोखिम में डाल देश सेवा करने वालों को बताया ईश्वर का रूप

● सोशल डिस्टेंसिंग पर दिया जोर, कहा-महाभारत की लड़ाई 18 दिन चली थी-21 दिन में जीतेंगे कोरोना के खिलाफ युद्ध

● नौ गरीब परिवारों की रोज मदद करने का किया आग्रह-बोले यही होगा सच्चा और पक्का नवरात्र

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**प्रधानमंत्री** नरेंद्र मोदी ने कोरोना महामारी से उपजी गंभीर संकट की घड़ी में अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की सेवा कर रहे डॉक्टरों के साथ बदसलूकी की खबरों पर दुख जताते हुए चेतावनी दी कि ऐसा करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि कुछ स्थानों पर डॉक्टरों, नर्सों, एयरलान कर्मियों से बुरा बर्ताव

वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए वाराणसी के लोगों से संवाद करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

करने की खबरें मिली हैं जिन्हें सुनकर उनके हृद्य को गहरी चोट पहुंची है। ये छिटपुट घटनाएं हो सकती हैं लेकिन उनके लिए बहुत गंभीर मामला है। उन्हें कल जैसे ही पता लगा तत्काल गृह विभाग और राज्यों के डीजीपी को कहा कि ऐसे लोगों से सख्ती के साथ निबटें। देश की सेवा करने वाले इन लोगों का सार्वजनिक सम्मान होना चाहिए और इनके साथ खराब व्यवहार करना महंगा पड़ेगा।

पूरे देश में 21 दिनों के लॉकडाउन का ऐलान करने के अगले दिन बुधवार को अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी के लोगों से वीडियो कांफ्रेंसिग से संवाद करते प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना महामारी पर उनके पूछे सवालों के जवाब दिए। काशी की एक सामाजिक कार्यकर्ता ने डॉक्टरों, नर्सों आदि के साथ बदसलूकी को लेकर जब चिंता जताई तब प्रधानमंत्री ने कहा कि इन घटनाओं से वे स्वयं भी चिंतित हैं। उन्होंने (शेष पेज 9)

## मई तक 13 लाख हो सकते हैं भारत में कोरोना के मरीज!

**एजेंसी।** नई दिल्ली

● वैज्ञानिकों की अंतरराष्ट्रीय टीम ने अपनी रिपोर्ट में आने वाले संकट के प्रति किया आगाह

**वैज्ञानिकों** की एक अंतरराष्ट्रीय टीम ने चेतावनी दी है कि भारत में मई महीने के मध्य तक कोरोना वायरस से संक्रमित पुष्ट मामलों की संख्या एक लाख से लेकर 13 लाख तक हो सकती है। शोधार्थियों की एक टीम द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट सीओवी-आईएनडी-19 में कहा गया है कि महामारी के शुरुआती चरण में अमेरिका और इटली के मुकाबले भारत पॉजीटिव मामलों को नियंत्रित करने में काफी हद तक सफल रहा है। लेकिन, इस आकलन में एक जरूरी चीज छूट गई है और वह है- इस वायरस से सचमुच में प्रभावित मामलों की संख्या। इस टीम में अमेरिका के जॉन हॉपकिंस विश्वविद्यालय की देबश्री रॉय भी शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने कहा कि यह बात जांच के दायरे, जांच के नतीजों की सटीकता और उन लोगों की जांच पर निर्भर करती है जिनमें इस वायरस के संक्रमण के कोई (शेष पेज 9)

## द्वितीय ब्रह्मचारिणी

दधाना करपद्माभ्यामक्षमालाकमण्डलू। देवी प्रसीदतु मयि ब्रह्मचारिण्यनुत्तमा

**नवरात्र** के दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी की पूजा की जाती है। ब्रह्म का अर्थ है तपस्या और चारिणी यानी आचरण करने वाली। इस प्रकार ब्रह्मचारिणी का अर्थ हुआ तप का आचरण करने वाली। इन्होंने भगवान शंकर को पति रूप में पाने को घोर तपस्या की थी, इस कारण इन्हें ब्रह्मचारिणी नाम से जाना जाता है।

## बाजार

| | | | |
|---|---|---|---|
| सेंसेक्स | 28,535 | ↑ | 1862 |
| निफ्टी | 8,317 | ↑ | 517 |
| सोना | 40,779 | | /10g |
| चांदी | 38,715 | | /kg |

## क्विक न्यूज

### मच्छर के काटने से नहीं फैलता कोरोना वायरस

**नई दिल्ली।** केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कुछ मिथकों को दूर करते हुए कहा कि इसका संक्रमण मच्छर के काटने से नहीं फैलता है। इस धारणा पर कि हर किसी को खुद को इस वायरस से बचाने के लिए मास्क पहनना चाहिए, स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि ऐसे लोगों को मास्क पहनना चाहिए जिनमें बुखार, खांसी और जुकाम जैसे लक्षण हैं या वे स्वास्थ्य कर्मी हैं या पृथक इकाइयों की देखभाल करने का काम कर रहे है। मंत्रालय ने कहा कि ऐसे लोग भी कोविड-19 संक्रमण फैला सकते है जो इससे संक्रमित हैं लेकिन उनमें बीमारी के कोई भी लक्षण नहीं है।

कोरोना वायरस पर प्रभावी नियन्त्रण के लिए कवायद तेज

# योगी सरकार का एक्शन प्लान

● निजी मेडिकल कालेजों में स्थापित होंगे आइसोलेटेड वार्ड

● रैन बसेरा, धर्मशालाओं में रह रहे लोगों के लिए होगी कुक्ड फूड की व्यवस्था

● कालाबाजारी व जमाखोरी करने वालों के विरुद्ध होगी कड़ी कार्रवाई

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**मुख्यमंत्री** योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर उच्च अधिकारियों के साथ बैठक करके कोरोना पर नियंत्रण के लिए एक्शन प्लान बनाया है जिसमें योगी ने कई निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस एक्शन प्लान का सुपरविजन मुख्य सचिव करेंगें। इस एक्शन प्लान के तहत कृषि उत्पादन आयुक्त, औद्योगिक विकास आयुक्त, प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, प्रमुख सचिव चिकित्सा शिक्षा, प्रमुख (शेष पेज 9)

### सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति भूखा-प्यासा न रहे: योगी

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने लॉक डाउन में जनता के सहयोग के लिए सभी के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कोरोना वायरस के प्रकोप के बावजूद डॉक्टरों सहित स्वास्थ्य, सफाई, पुलिस, बिजली व प्रशासन से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा की जा रही जनसेवा के लिए इन सभी का हार्दिक अभिनन्दन किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि (शेष पेज 9)

### प्रदेश में अगले आदेशों तक पान मसाले पर प्रतिबंध

**लखनऊ।** प्रदेश में कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए किए गए लाकडाउन के बीच एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अगले आदेशों तक पान मसाला की बिक्री, उत्पादन और वितरण पर बैन लगा दिया गया है। अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बुधवार को इस बात की जानकारी देते हुए कहा कि खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 30 /2 के तहत यह फैसला लिया गया है। इस संबंध में आयुक्त खाद्य एवं सुरक्षा की तरफ से आदेश जारी कर दिया गया है।

## प्रिंस चार्ल्स कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

**भाषा।** लंदन

**ब्रिटेन** के प्रिंस चार्ल्स नोवेल कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए हैं। उनके कार्यालय ने इस बात की पुष्टि की है। क्लेरेंस हाउस कार्यालय ने कहा कि महारानी एलिजाबेथ के सबसे बड़े बेटे प्रिंस चार्ल्स(71) में हल्के लक्षण दिखाए दिए हैं और उनकी तबीयत ठीक है। टेलीग्राफ की खबर के अनुसार चार्ल्स की पत्नी कैमिला (72) की कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट नेगेटिव आई है। दोनों स्कॉटलैंड में अलग थलग रह रहे हैं। खबर में कहा गया है, एबरडीनशर में नेशनल हेल्थ सर्विस ने उनकी जांच की। यूरोप में इस वायरस के 2,26,340 मामले सामने आ चुके है जबकि इससे 12,719 लोगों की मौत हुई। एशिया में इसके 99,805 मामले

● ब्रिटेन में फंसे लोगों की वीजा अवधि दो माह बढ़ी

दर्ज किए गए और 3,593 लोगों की मौत हो चुकी है। दूसरी ओर ब्रिटेन की भारतीय मूल की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कोरोना वायरस के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से ब्रिटेन में फंसे भारत सहित कई देशों के नागरिकों के लिए वीजा की अवधि करीब दो महीने बढ़ाने का आदेश जारी किया है।

## एनपीआर, जनगणना का पहला चरण स्थगित

**पायनियर समाचार सेवा।** नई दिल्ली

**पूरे** देश में 21 दिनों के लॉकडाउन के चलते राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर (एनपीआर) को अद्यतन बनाने और 2021 की जनगणना के पहले चरण को स्थगित कर दिया गया है। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। दोनों प्रक्रियाएं एक अप्रैल से 30 सितंबर के बीच पूरी की जानी थी। गृह मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि जनगणना को दो चरणों में पूरा किया जाना था। इनमें पहले चरण के तहत अप्रैल से सितंबर के दौरान मकान सूचीकरण और मकानों की गणना तथा नौ से 28 फरवरी के दौरान आबादी की गणना शामिल है। असम को छोड़कर सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 2021 की जनगणना के पहले चरण के साथ ही एनपीआर को अद्यतन किया जाना भी प्रस्तावित था।

# टेंट से निकल कर अस्थाई मंदिर में विराजे रामलला

● उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पूजा-अर्चना के बाद की मूर्ति स्थापना

**पायनियर समाचार सेवा।** अयोध्या

**हिन्दू** नववर्ष के प्रथम दिन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भोर में अस्थायी मंदिर में बने रामलला की मूर्ति स्थापित की। भाईयों संग रामलला के इस मूर्ति स्थापना कार्यक्रम में श्रीराम जन्मभूमि पीठ क्षेत्र के महासचिव चम्पत राय, ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र, राजा विमलेन्द्र मोहन प्रताप मिश्र, महंत दिनेन्द्र दास, पदेन ट्रस्टी जिलाधिकारी अनुज झा मौजूद रहे।

रामलला की मूर्ति स्थापना के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि करोड़ो रामभक्तों का सपना पूरा हुआ। इसी के साथ राम मंदिर निर्माण की प्रक्रिया भी शुरू हो गयी। गौरतलब है कि 6 दिसम्बर 1992 के बाद से रामलला का निवास टेन्ट से बना मंदिर था। पिछले 3 दिनों से अस्थायी मंदिर में बने मूर्ति स्थापना के लिए पूजन अर्चन का कार्यक्रम चल रहा था। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद श्रीरामलला चैत्र नवरात्रि प्रतिपदा तिथि के प्रथम दिन अपने भाइयों भरत, लक्ष्मण, शत्रुघ्न और भक्त हनुमान के साथ ब्रह्म मुहूर्त भोर में 4 बजे यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्य नाथ की गोद में अपने टेंट के मंदिर से अस्थाई बुलेट प्रूफ एसी मंदिर में विराजमान हुए। अयोध्या में भगवान श्री राम के जन्म स्थान को लेकर के विवाद 500 वर्षों से चल रहा था जो 9 नवंबर 2019 को सुप्रीम कोर्ट के फैसला के बाद समाप्त हुआ और 3 महीने के अंदर केंद्र सरकार ने श्रीराम जन्म भूमि तर्थ क्षेत्र ट्रस्ट का गठन कर जन्म स्थान और 67 एकड़ अधिग्रहित भूमि ट्रस्ट को सौंप दी।

अयोध्या में अस्थायी मंदिर में रामलला की मूर्ति की स्थापना के बाद पूजा करते उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

कोरोना वायरस के चलते ट्रस्ट के पदाधिकारियों ने संक्षेप में दो दिवसीय पूजन अर्चन के बाद रामलला को उनके अस्थाई मंदिर में विराजमान कर दिया और अब भव्य राम जन्मभूमि मंदिर निर्माण के रास्ते में पहला कदम प्रारंभ हो गया। ऐसा माना जा रहा है कि जब देश की स्थिति सामान्य होगी तुरंत जमीन का समतलीकरण और श्री राम जन्मभूमि पर भव्य मंदिर निर्माण के शुभारंभ की तिथि ट्रस्ट द्वारा निश्चित करके निर्माण प्रारंभ कर दिया जाएगा। लगभग 4 बजे योगी आदित्य नाथ ने टेंट के मंदिर से रामलला को अपनी गोद में लेकर अस्थाई मंदिर तक आए और विधिवत पूजन अर्चन के बाद लगभग 5 बजे राम लगा को स्थापित कर दिया गया। रामलला को स्थापित करने के बाद आरती पूजन की गई और सुबह 7 वजह से अस्थाई मंदिर में श्रीरामलला का दर्शन श्रद्धालुओं के लिए (शेष पेज 9)

## काबुल में गुरुद्वारे पर आतंकी हमला, 25 श्रद्धालुओं की मौत

**भाषा।** काबुल/नई दिल्ली

● इस्लामिक स्टेट ने ली हमले की जिम्मेदारी

**अफगानिस्तान** की राजधानी काबुल के बीचोंबीच स्थित एक गुरुद्वारे पर भारी हथियारों से लैस आत्मघाती हमलावरों ने बुधवार को हमला कर दिया जिसमें कम से कम 25 व्यक्तियों की मौत हो गई और आठ अन्य घायल हो गए। यह अशांत देश में अल्पसंख्यकों पर अब तक हुए सबसे घातक हमलों में से एक है।

अफगानिस्तान में पूर्व में सिखों को निशाना बनाने वाले आतंकी समूह इस्लामिक स्टेट (आईएस) ने शोर बाजार इलाके स्थित गुरुद्वारे पर हुए इस हमले की जिम्मेदारी ली है। इस बीच, नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अफगानिस्तान की राजधानी काबुल स्थित गुरूद्वारे पर हुए आतंकी हमले पर गहरा दुख प्रकट करते हुए इस हमले में मारे गए लोगों के परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट की। गुरुद्वारे पर यह हमला सुबह 07:45 बजे (स्थानीय समयानुसार) पर हुआ जब गुरुद्वारे के भीतर करीब 150 श्रद्धालु थे।

टोलन्यूज ने गृह मंत्रालय के हवाले से कहा, काबुल स्थित सिख उपासना स्थल पर किए गए इस हमले में कम से कम 25 लोग मारे गए और आठ अन्य घायल हो गए। उसने एक ट्वीट में कहा, काबुल के पीडी-1 स्थित सिख उपासना क्षेत्र धर्मशाला पर हमला करने वाले सभी चार आत्मघाती हमलावर लगभग छह घंटे चली मुठभेड़ के बाद मारे गए। अफगान विशेष बलों ने इसकी पुष्टि की है।

# यूपी पुलिस में शिफ्ट ड्यूटी व जोन-सेक्टर योजना लागू

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**कोरोना** वायरस की महामारी चलने वाली लंबी लड़ाई में पुलिस कहीं कमजोर न पड़ जाए इसे देखते हुए डीजीपी ने प्रदेश पुलिस महकमे शिफ्ट ड्यूटी व जोन-सेक्टर योजना लागू करने के निर्देश दिए हैं। डीजीपी ने कहा है कि इसी व्यवस्था के तहत पुलिस बल को व्यवस्थापित किया जाए व गश्त आदि निरंतर रूप से संचालित हो और पुलिस कर्मियों की उपलब्धता में भी कोई कमी न रहे।

सभी जोनल एडीजी, परिक्षेत्रीय आईजी, डीआईजी लखनऊ व नोएडा के पुलिस कमिश्नर व सभी जिलों के पुलिस कप्तानों को जारी निर्देशों में डीजीपी ने कहा है कि जनपद में जोनल-सेक्टर स्कीम के अनुसार सुरक्षा योजना तैयार की जाय जिसमें सम्पूर्ण जनपद को जोन-सेक्टर में विभाजित करते हुए प्रत्येक जोन-सेक्टर में एक मजिस्ट्रेट की नियुक्ति जिलाधिकारी स्तर से की जाये तथा उनके साथ समकक्ष पुलिस अधिकारी व पर्याप्त पुलिस बल नियुक्त किया जाय। जोनल-सेक्टर की टीम अपने-अपने क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बनाये रखने हेतु उत्तरदायी होगी तथा संबंधित थाने के थानाध्यक्ष-प्रभारी निरीक्षक सेक्टर एवं जोनल टीम को अपेक्षित सहयोग प्रदान करेंगे। सेक्टर एवं जोनल टीम का समन्वय एकीकृत जिला नियंत्रण कक्ष से रहेगा। संबंधित जोनल-सेक्टर टीम अपने अभिदिष्ट क्षेत्र में भ्रमणशील रहेगी ताकि आवश्यकतानुसार किसी भी कानून-व्यवस्था संबंधी घटना की सूचना प्राप्त होने पर तत्काल मौकों पर पहुँचकर स्थिति को नियंत्रित किया जा सके। सेक्टर की टीम अपने जोनल टीम को यथाआवश्यक समय-समय पर रिपोर्ट देगी तथा जोनल टीम सेक्टर टीम को अपेक्षित सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करेगी। जोनल टीम सभी महत्वपूर्ण सूचनाओं से जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को तुरन्त अवगत करायेगी। उक्त के अतिरिक्त जनपद में आवश्यकतानुसार स्टेटिक मजिस्ट्रेट एवं पुलिस पिकेट की भी तैनाती की जाय ताकि उनके द्वारा अविलम्ब किसी भी विषम परिस्थिति को नियंत्रित किया जा सके एवं स्थानीय लोक व्यवस्था पर सर्तक निगरानी एवं आवश्यकतानुरूप यथोचित विधिक कार्रवाई की जा सके। तत्काल प्रभाव से पुलिस की प्रभावी एवं व्यापक गश्त प्रारम्भ कर दी जाय। यह सुनिश्चित किया जाय कि पुलिस की गश्त-पेट्रोलिंग मात्र मुख्य मार्गों तक सीमित न रहकर अपितु शहरों व कस्बों के अन्दर की गलियों, मोहल्लों एवं सुदूर ग्राम में भी भ्रमणशील रहें। लोगों को सार्वजनिक स्थानों, पार्कों पर प्रात: सायंकालीन टहलने एवं एकत्रित होने से रोका जाये। दो व्यक्तियों से ज्यादा कहीं भी एकत्र न होने दिया जाए। जनपद के प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सुनिश्चित करेंगे कि थाने व पुलिस पेट्रोलिंग के सभी वाहनों पर लाउडस्पीकर लॉक डाउन की अवधि में लगाये रखे जायेंगें तथा उनके माध्यम से निरन्तर कोरोना संक्रमण के प्रति सावधानियों एवं हर दशा में घर के अन्दर रहने व सोशल डिस्टेन्सिंग के सिद्धान्त का कड़ाई से पालन करने हेतु घोषणा व अपील की जाये। पुलिस पेट्रोल-गस्त पार्टी यह सुनिश्चित करे कि आवश्यक वस्तुओं की खरीददारी करते समय अनावश्यक भीड-भाड़ न हो।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को अपने सरकारी आवास पर कोरोना वायरस को लेकर उच्च अधिकारियों के साथ की बैठक

# कोरोना से उपचार में विधायक अपनी निधि से दे सकेंगे धनराशि

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

### ● बीते एक महीने के दौरान विदेश व अन्य राज्यों से आए लोगों का हो रहा है सर्विलांस: अवस्थी

**प्रदेश** में कोरोना वायरस के संक्रमण से निपटने के लिए किए गए लाकडाउन के बीच एक महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए अपर मुख्य सचिव सूचना एवं गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बुधवार को बताया कि कोरोना से लड़ाई में सहयोग करने के लिए विधायक अपनी विधायक निधि से धनराशि दे सकते हैं। इसके लिए नियमों में बदलाव किया जाएगा। विधायक निधि के इस्तेमाल को लेकर नये बदलाव के बाद कोरोना के इलाज को लेकर उपकरणों आदि की खरीद के लिए विधायक अपनी निधि दे सकेंगे। कोरोना वायरस के मद्देनजर सांसद निधि से मेडिकल उपकरणों की खरीद के लिए भारत सरकार की ओर से मंजूरी मिलने के बाद अब राज्य सरकार ने विधायकों को अपनी निधि का इस्तेमाल इस तरह करने की इजाजत दे दी है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में अभी तक कोरोना वायरस से कुल 38 लोग संक्रमित हुए हैं। इनमें से 27 का इलाज जारी है। इन सभी की हालत स्थिर है। जो विदेश से एक महीने के भीतर लौटे हैं उन्हें चिन्हित करने का काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार के प्रयासों से लोगों में भी जागरूकता देखने को मिली है। लखनऊ तथा अन्य जगहों पर सड़कों पर चॉक लगाकर सामाजिक दूरी सुनिश्चित करने का भी काम किया गया है। लोग इसका पालन कर रहे हैं। वहीं मुख्यमंत्री के निर्देश पर वर्तमान स्थिति के मद्देनजर हर जिले में डिस्ट्रिल कंट्रोल रूम बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने लॉडाउन के मद्देनजर सड़कों के खाली होने पर नगर विकास विभाग और पंचायती राज विभाग को सफाई अभियान चलाने के भी निर्देश दिए हैं।

# सभी जिले 14 अप्रैल तक पूर्णतया बंद रहेंगे

### ● आदेश का अनुपालन सुनिश्चित कराने को लेकर सभी जिलाधिकारियों सहित अन्य को आदेश जारी

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**विश्व** स्वास्थ्य संगठन की तरफ से कोरोना वायरस के संक्रमण को महामारी घोषित किए जाने के बाद देश में वायरस के चलते उत्पन्न संकट से निजात पाने के लिए राज्य सरकार ने सूबे के सभी जिलों को 14 अप्रैल पूर्णतया बंद घोषित कर दिया है। यह आदेश प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन की तरफ से इसे एपिडेमिक डिजीज एक्ट 1857 के साथ ही उत्तर प्रदेश महामारी कोविड.19 विनियमावली 2020 के तहत जारी किया गया है।

14 अप्रैल 2020 तक प्रदेश को पूर्णतया बंद रखने के साथ ही राज्य सरकार की तरफ से कुछ आवश्यक सेवाओं को जनहित में जारी रखने का निर्णय लिया गया है। इस बाबत सभी जिलों के जिलाधिकारी, पुलिस आयुक्त, नगर आयुक्त, पुलिस अधीक्षक, अपर जिला अधिकारी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी सहित सभी अधिकारियों को निर्देशों का प्रत्येक दशा में कठोरता पूर्वक अनुपालन एवं क्रियान्वयन सुनिश्चित कराने को कहा गया है।

**यह सेवाएं जारी रहेंगी:** आवश्यक सेवाओं में चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा शिक्षा, गृह एवं गोपन, कारागार प्रशासन एवं सुधार, कार्मिक विभाग, जिला प्रशासन, उर्जा, नगर विकास, खाद्य और रसद, आपदा एवं राहत, सूचना जनसंपर्क एवं सूचना प्रौद्योगिकी, अग्निशमन, सिविल डिफेंस, आपातकालीन सेवाएं, टेलीफोन, इंटरनेट, डाटा सेंटर, नेटवर्क सर्विसेज, आईटी सर्विसेज, डाक सेवाएं, बैंक, बीमा कंपनियां, ई.कॉमर्स, प्रिंट, इलेक्ट्रॉनिक मीडिया, सोशल मीडिया, पेट्रोल पंप, एलपीजी गैस एजेंसी, दवा की दुकान, चिकित्सा उपकरण सामग्री एवं दवाइयों की निर्माण इकाइयां, आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन, खाद्य सामग्री, कृषि उत्पाद, पशु चिकित्सा एवं पशु पक्षी मत्स्य आहार से संबंधित इकाइयां, सामग्री आपूर्ति वाले वाहन प्रतिबंध से मुक्त रहेंगे। आकस्मिक स्थिति में अस्पताल जाने हेतु निजी वाहन का प्रयोग किया जा सकेगा।

**इन सेवाओं पर रहेगा प्रतिबन्ध:** सभी सरकारी कार्यालयों में आम जनता का प्रवेश प्रतिबंध रहेगा आवश्यक सेवाओं वाले विभागों के अधिकारी कर्मचारी को छोड़कर अन्य सरकारी अधिकारी कर्मचारी की स्थिति घर से कार्य करने की रहेगी। फील्ड ड्यूटी के लिए अपर मुख्य सचिव सचिव, जिला कलेक्टर, संबंधित जिला स्तरीय अधिकारी आदेश के देने के लिए स्वतंत्र होंगे। इस दौरान किसी भी सरकारी कार्मिकों विशेष या अपरिहार्य स्थिति के अलावा कोई अवकाश या मुख्यालय छोड़ने की अनुमति नहीं होगी। जिनकी स्थिति घर से कार्य करने की है उन्हें कार्यालय समय के दौरान घर से बाहर निकलने की अनुमति नहीं होगी।

# कोरोना से बचाव में लगे चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों को मिलेगी पूरी सुरक्षा

### ● अपर मुख्य सचिव गृह ने डीजीपी सहित पुलिस प्रशासन के सभी अधिकारियों को जारी किए निर्देश

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**अपर** मुख्य सचिव अवनीश कुमार अवस्थी ने कोरोना वायरस से बचाव में लगे चिकित्सकों व स्वास्थ्य कर्मियों को पूरी सुरक्षा प्रदान किए जाने के पुलिस-प्रशासन के अधिकारियों को निर्देश दिए हैं। शासन को इस संबंध में शिकायतें मिल रही थीं कि कुछ स्थानों पर चिकित्सा कर्मियों को धमकाया जा रहा है जिसके बाद ही उन्होंने सख्त निर्देश जारी किए। अपर मुख्य सचिव गृह की ओर से सूबे के पुलिस महानिदेशक, सभी मंडलायुक्त लखनऊ व गौतम बुद्ध नगर के पुलिस कमिश्नर, सभी अपर पुलिस महानिदेशक, सभी पुलिस महानिरीक्षक, उपमहानिरीक्षक, जिलाधिकारी एवं पुलिस कप्तानों को इस संबंध में परिपत्र जारी किया गया है। जिसमें कहा गया है कि शासन के संज्ञान में आया है कि कतिपय स्थानों पर कोरोना का इलाज करने वाले चिकित्सकों-स्वास्थ्य कर्मियों को उनकी कालोनी में रहने वाले व्यक्तियों द्वारा उनको अपना घर छोड़कर दूसरे स्थान पर जाने तथा किराये में रहने वाले चिकित्सकों-स्वास्थ्य कर्मियों पर मकान खाली करने का दबाव बनाया जा रहा है। अत: इस इस संबंध में निर्देश दिए जाते हैं कि ऐसी घटनाओं का त्वरित संज्ञान लेकर उन्हें सख्ती से रोका जाये तथा उन्हें सुरक्षा प्रदान की जाए । अगर समझाने पर भी लोग नहीं मानें तो उनके खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाए । साथ ही डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ की सुरक्षा का भी पूरा ध्यान रखा जाए। लॉकडाउन का पालन करवाने में लगे पुलिसकर्मियों को भी निर्देश दिए गए हैं कि वे डॉक्टरों और नर्सिंग स्टाफ के साथ अच्छे से पेश आएं ।

# कोरोना संदिग्धों की निगरानी करेंगे दस हजार ग्राम प्रधान

### ● मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से किया गया फोन

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**कोरोना** वायरस को लेकर पूरे देश में लॉकडाउन घोषित होने के बाद योगी आदित्यनाथ सरकार ने जहां आम जनता को आवश्यक वस्तुओं की घर-घर सप्लाई कर रही है वहीं मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के जरिए दस हजार ग्राम प्रधानों से संपर्क किया गया है। इसमें उनसे अपील की गई है कि अपने क्षेत्र में संदिग्ध लोगों की निगरानी करते हुए उनका घरों में रहना सुनिश्चित करें। अवनीश अवस्थी ने बताया कि मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के जरिए 10000 से अधिक ग्राम प्रधानों को फोन किए गए हैं। उनसे बाहर से आने वाले लोगों के बारे में सूचना ली गई है। हालांकि विभिन्न माध्यमों से इसकी सूची पहले से उपलब्ध है। फिर भी ग्राम प्रधानों से कहा गया है कि अगर किसी के संदिग्ध होने का पता चलता है तो तत्काल इसकी जानकारी जिला स्तरीय स्वाथ्य अधिकारियों को दी जाए, जिससे उचकी उचित जांच हो सके। अगर किसी को कोरंटाइन के लिए कहा गया है तो वह सुनिश्चित करें कि ऐसे लोग 14 से 28 दिन के पीरियड का पालन करें और खुद को अलग रखें। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर किसी भी प्रकार की शिकायत दर्ज करायी जा सकती है। उन्होंने बताया कि कृषि उत्पादन आयुक्त की अध्यक्षता में गठित कमेटी आवश्यक वस्तुओं की होम डिलीवरी सुनिश्चित करने का काम कर रही है। इसके लिए सभी जिलाधिकारियों को निर्देश जारी किये जा चुके हैं। इसमें कहा गया है कि जो किसान डोरस्टेप डिलीवरी कर रहे हैं उनको रोका न जाए और उनको व्यवस्थित रूप से पंजीकृत करके हर मोहल्ले में डोरस्टेप आपूर्ति की कार्रवाई ई-रिक्शा, ठेला, ऑटो, पिक-अप वाहन, ठेलिया जो भी साधन उपलब्ध हों उनकी व्यवस्था की जाए। कमिटी के निर्देश दिए हैं कि स्थानीय मंडियों में खाद्य सामग्री की बल्क सप्लाई की चेन को रोका न जाए बल्कि इसे सुगम बनाया जाए।

## 12000 से अधिक वाहनों से हो रही डोरस्टेप डिलीवरी

नगर निगम के लाइसेंसी हॉकर से भी रिहायशी इलाकों में वितरण कराने के निर्देश दिए गए हैं। अवस्थी ने बताया कि इसके अलावा क यूनिटी किचन को चालू करने के लिए होटल, रेस्टोरेंट, धर्माथ संस्थाएं, संगठन आदि का सहयोग लिया जा रहा है और उनकी मदद से गरीबों को भोजन वितरित कराया जा रहा है। पूरे प्रदेश में बुधवार अपराह्न तीन बजे तक 5419 मोबाइल वैन, ई रिक्शा ट्रैक्टर या मोटर गाड़ियों से डोरस्टेप डिलीवरी कराई गई है। इसके अलावा 6704 ठेला गाड़ी हमें मिल गई है। इस तरह 12123 गाड़ियों के जरिए डोरस्टेप डिलीवरी कराने की व्यवस्था की गई है। इस बात का पूरा ध्यान रखा जा रहा है कि सामान उचित दर पर ही लोगों को मुहैया हों। सामानों के पैकेट पर कीमत लिखने का भी काम किया गया है।

**प्रदेश में गुरुवार को कुछ मरीज हो सकते हैं डिस्चार्ज**

प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन प्रकाश ने बताया कि कोरोना वायरस के संक्रमित मरीजों की संख्या 38 पहुंच चुकी है। इसमें से 11 पूरी तरह ठीक होकर घर जा चुके हैं। वहीं 25 मरीजों की हालत ठीक है। इनमें से तीन-चार मरीजों का इलाज निगरानी का समय पूरा होने वाला है। अगर रिपोर्ट सही आयी तो कल इन लोगों को डिस्चार्ज कर दिया जाएगा। आइसोलनेश बेड की संख्या 10000 से 15000 हजार करने की प्रक्रिया के बीच अब तक 6000 से ज्यादा बेड चिह्नित किये जा चुके हैं। वहीं कोरंटाइन के लिहाज से भी 6000 से ज्यादा बेड चिन्हित हैं। उन्होंने कहा कि विदशों से आने वाले लोगों की पूरी सूची जनपदों से साझा की जा रही है। वहां उनको सर्विलांस पर रखा जा रहा है। ये काम बेहद महवपूर्ण है। इसी तरह दूसरे राज्यों से आने वालों को भी 15 दिनों तक घर पर रहने की सलाह दी गई है। मु यमंत्री हेल्पलाइन के जरिए प्रधानों को लगातार फोन करके समझाया जा रहा है। अपील की जा रही है कि अगर किसी भी व्यक्ति में कोरोनो वायरस के कोई लक्षण नजर आते हैं तो मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 के साथ स्वास्थ्य विभाग की हेल्पलाइन 18001805145 पर सूचित करें। टीम तुरन्त पहुंचेगी और उचित इलाज करेगी। राज्य में ओपीडी सेवाएं जरूर बंद हैं, लेकिन आकस्मिक और आवश्यक सेवाओं के लिए एंबुलेंस पूरी तरह से सक्रिय हैं। कोविड-19 के उपचार के लिए त्रिस्तरीय व्यवस्था की गई है। इनमें पहले स्तर पर एक-दो सीचएसी को कोविड अस्साल में परिवर्तित किया गया है। दूसरे स्तर पर जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज हैं और तीसरे स्तर पर विशिष्ट मेडिकल कॉलेज, एसजीपीजीआई जैसे संस्थान हैं।

# प्रमुख सचिव की समीक्षा बैठक में सीएमओ ने मांगे ग्लब्स, मास्क व सैनिटाइजर

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

### ● बाजार में उपलब्धता की कमी पर खरीद के लिए सभी सीएमओ ने खड़े किए अपने हाथ

**प्रदेश** में कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिए योगी सरकार द्वारा की जा रही तमाम कोशिशों के बीच बुधवार को प्रमुख सचिव स्वास्थ्य द्वारा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक के दौरान सभी सीएमओ ने सहायक सामग्री को लेकर अपने हाथ खड़े कर दिए। समीक्षा बैठक के दौरान सभी सीएमओ की तरफ से बताया गया कि बाजार में इनकी उपलब्धता न होने से वह हॉस्पिटलों को पर्याप्त मात्रा में सप्लाई सुनिश्चित नहीं कर पा रहे हैं। वीडियो कांफ्रेंसिंग के दौरान प्रमुख सचिव स्वास्थ्य अमित मोहन ने सभी सीएमओ से उनके जिलो के हालात और स्थिति से निपटने की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान प्रमुख सचिव ने सीएमओ से अपने यह पर आइसोलेशन बेड को बढ़ाने के साथ ही दवाओं एवं अन्य उपकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। वहीं उन्होंने कोरोना संक्रमण के इलाज में लगे चिकित्सकों और कर्मियों की भी सुरक्षा व्यवस्था करने को कहा।

## उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी

**बैठक** के बाद स्वास्थ्य महानिदेशक डॉ रुकुम केश ने बताया कि सहायक सामग्री में शामिल ग्लब्स, सेनिटाइजर, एन-95 मास्क की आपूर्ति सुनिश्चित की जाएगी। इसके लिए केंद्र से सम्पर्क किया जा रहा है। हालांकि उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान में किसी चीज की अस्पतालों में कमी नहीं है।

# प्रदेश में नहीं होगी मास्क, सैनिटाइजर सहित आवश्यक वस्तुओं की कमी

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

### ● एमएसएमई इकाइयों की सुविधा के लिए हेल्पलाइन नंबर 9415467934 जारी: सहगल

**प्रदेश** सरकार द्वारा आवश्यक वस्तुएं बनाने वाली औद्योगिक इकाइयों के निर्बाध संचालन के लिए विशेष प्रयास किये जा रहे है। पिछले तीन दिनों से नोएडा तथा गाजियाबाद में लॉक डाउन के कारण बंद पड़े मास्क व सेनिटाइजर बनाने वाले कारखाने चालू कराया जा रहा हैं। इसके अलावा लखनऊ एवं कानपुर में मास्क व सेनिटाइजर बनाने वाली इकाइयों को भी शुरू कराने के प्रयास किये जा रहे हैं। साथ ही आवश्यक वस्तुएं बनाने वाली इकाइयों की सुविधा के लिए एक हेल्पलाइन न बर भी जारी किया गया है। प्रमख सचिव, सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम डा नवनीत सहगल ने बताया कि कोरोना वायरस की वजह से पूरे प्रदेश में लाकडाउन है। ऐसी परिस्थिति में लोगों को आवश्यक सामग्री उपलब्ध कराना बड़ी चुनौती है। उन्होंने बताया आमजन को आसानी से मेडिकल एवं अन्य आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध हो, इसके लिए लघु इकाइयों के निर्बाध संचालन की व्यवस्था की जा रही है। इनमें दवाएं, मास्क, सेनिटाइजर, खाने-पीने एवं आवश्यक वस्तुएं बनाने वाली इकाइयां प्रमुख रूप से शामिल है। इसके अलावा ब्रेड इत्यादि बनाने वाली इकाइयों को भी चालू रखने के प्रयास किये जा रहे है। सहगल ने बताया कि नोएडा, गाजियाबाद, कानपुर और लखनऊ में ब्रेड इत्यादि बनाने वाली इकाइयों को हर संभव सहायता उपलब्ध करायी जा रही है। लगभग 33 नये लाइसेंस आबकारी विभाग द्वारा जारी किये गये हैं जिससे हैण्ड सेनिटाइजर बनाने का कार्य आरंभ हो गया है या इकाइयों ने अपनी क्षमता में वृद्धि कर ली है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों के उपायुक्त, जिला उद्योग केन्द्र को निर्देश दिए गए हैं कि वह अपने-अपने क्षेत्रों में संबंधित औद्योगिक इकाइयों से समन्वय करके जिलाधिकारी के माध्यम से उनके व उनके कर्मचारियों को समुचित पास इत्यादि जारी कराकर इन इकाइयों को चालू करें ताकि प्रदेश में दवाइयों की कमी न हो। प्रमुख सचिव ने बताया कि उद्यमियों की सुविधा के लिए मु यालय पर एक कन्ट्रोल रूम स्थापित कराते हुए हेल्पलाइन नंबर 9415467934 जारी कर दिया गया है। प्रदेश की किसी भी औद्योगिक इकाइयों को जिसके द्वारा आवश्यक वस्तुओं के उत्पादन का कार्य किया जा रहा है, वह इस न बर पर संपर्क स्थापित कर सकते हैं। उन्हें यथा समय हर संभव मदद दी जायेगी।

# महिला सिपाही के जज्बे को एडीजी ने किया सलाम

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**कोरोना** वायरस के खिलाफपूरे देश में लड़ी जा रही जंग और लॉकआउट के बीच कानपुर की एक महिला सिपाही ने कर्तव्यनिष्ठा की मिसाल पेश की है। उसके इस जज्बे को यूपी 112 के एडीजी असीम अरुण ने भी सलाम किया है। दरअसल यूपी पुलिस की इमरजेंसी सेवा यूपी 112 की पुलिस रिस्पांस व्हीकल पर कानपुर में तैनात महिला सिपाही मनीषा पवार 18 मार्च को 7 दिन के आकस्मिक अवकाश पर कानपुर से अपने गृह जनपद हापुड़ गई थीं। एडीजी असीम अरुण ने बताया कि कल रात प्रधानमंत्री के 21 दिन के लॉक डाउन घोषणा सुनने के बाद मनीषा पवार ने व्हाट्सएप के माध्यम से एक प्रार्थना पत्र दिया जिसमें 21 दिनों के लिए जो जहां हैं वहीं रुक जाने का ज़िक्र था। मनीषा ने लिखा था कि उसको कानपुर पहुंचने में दिक्कत होगीए लिहाजा मनीषा ने एडीजी से गुजारिश की कि संकट के इस दौर में उसे हापुड़ जिले में ही सेवा का मौका दिया जाए। मनीषा के प्रार्थना पत्र पर असीम अरुण ने फौरन उसे हापुड़ संबद्ध करने का आदेश जारी कर दिया। लॉक डाउन ख़त्म होते ही मनीषा स्वत: अपने तैनाती के जिले कानपुर चली जाएगी। असीम अरुण के मुताबिक हालातों को ध्यान में रखते हुए और महिला सिपाही के कर्तव्यों के प्रति सजगता को देखते हुए उसे हापुड़ में संबद्ध किया गया है। एडीजी ने कहा कि उसकी बात सुनकर इस कठिन समय में मुझे सूरज की किरण दिखी, अपने युवाओं पर विश्वास बढ़ा। मैंने उसे हापुड़ में लॉकडाउन तक के लिए सम्बद्ध कर दिया है।

# पीएम के निर्देश पर ध्यान दें राज्य सरकारें: मायावती

**लखनऊ।** देश में कोरोनावायरस से उत्पन्न संकट से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए राष्ट्र के नाम संबोधन का बसपा सुप्रीमो मायावती ने समर्थन किया है। उन्होंने राज्य सरकारों से निर्देशों पर ध्यान देने के साथ ही लॉक डाउन के दौरान गरीब मजदूरों और जरूरतमंदों को जरूरी सामान उपलब्ध कराने को कहा है। बुधवार को अपने सोशल मीडिया अकाउंट ट्विटर पर ट्वीट करते हुए मायावती ने लिखा कि वर्तमान में कोरोना के चल रहे प्रकोप की वजह से व इससे बचने हेतु कल प्रधानमंत्री द्वारा दिये गये निर्देशों को खास ध्यान में रखकर सभी सरकारों से रोजमर्रा की जरूरतों को, खासकर गरीबों व मजदूरों को मुफ्त या फिर उन्हें काफी कम दामों पर उपलब्ध कराने की अपील की।

# 17 घंटे में 9000 नागरिकों ने ली 112 की मदद

## लॉक डाउन के बावजूद भीड़ जुटने के 3200 मामले आए

**पायनियर समाचार सेवा।** लखनऊ

**कोरोना** से बचाव के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा लॉक डाउन के आह्वान का पालन प्रदेश की जागरुक जनता लगातार कर रही है। जिसका परिणाम ये है कि जहाँ भी लोग बेवजह भीड़ एकत्र कर रहे हैं जागरुक नागरिक खुद ही इसकी सूचना पुलिस को दे रहे हैं। 17 घंटे में पूरे प्रदेश से लॉक डाउन के बावजूद भीड़ एकत्र होने के 3200 मामले 112 के पास आए। इस दौरान कोरोना के सम्बन्ध में 9000 लोगों ने 112 की मदद ली।

**1300 लोगों ने राशन के लिए मांगी मदद:** गौतमबुद्धनगर के सेक्टर 59 से एक कॉलर ने 112 को कॉल कर बताया कि उसके घर में राशन खत्म हो गया है। वो जिस कंपनी में काम करता है वो बंद हो गई है। कंपनी ने उसे वेतन का चेक दिया है । लॉक डाउन के कारण वो बैंक नहीं जा पा रहा है और घर में पैसे भी नहीं हैं। इसी तरह मुरादाबाद के कटघर थाना क्षेत्र से एक महिला ने 112 को कॉल कर राशन दिलाने में मदद मांगी। 17 घंटे के दौरान पूरे प्रदेश से 1300 जरूरतमंद लोगों ने राशन के लिए पुलिस से मदद मांगी है।

**अन्य मामलों में भी ली मदद:** सिर्फ राशन के लिए ही नहीं ए बल्कि कई अन्य मामलों में भी लोग 112 की मदद ले रहे हैं। कोरोना के संदिग्ध मरीजों को लेकर 2400 कॉल इस दौरान मिली। संदिग्ध संक्रमित मरीजों के अस्पताल से भाग जाने के भी 5 मामले 112 के पास आए । लॉक डाउन के कारण वाहनों का आवागमन बंद होने की दशा में 368 लोगों ने यातायात के साधन के लिए 112 की मदद ली।

> **मुख्यमंत्री** के निर्देशानुसार 112 जरूरतमंद लोगों की आगे बढ़ कर मदद कर रही है । यदि आप के आस-पास कोई जरूरतमंद है तो 112 पर कॉल कर हमे बताएं।
> **असीम अरुण एडीजी112**

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: ( 0522 ) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

# जरूरी सामानों की होगी होम डिलीवरी

## 25 मेगा स्टोर, बिग बाजार, स्पेंसर जैसी रिटेल चेन को होम डिलिवरी के लिए प्रशासन ने दिए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**लॉक डाउन** के दौरान रोजमर्रा की जरूरी वस्तुओं की किल्लत न हो। इसके लिए प्रशासन ने बुधवार को नए आदेश जारी किए हैं। 25 मेगा स्टोर, बिग बाजार, स्पेंसर जैसी रिटेल चेन को होम डिलिवरी के लिए निर्देश दिया गया है। जिन मॉल में ऐसे स्टोर हैं उनको होम डिलिवरी के लिए खोले जाने का निर्देश डीएम की ओर से जारी किया गया है। बुधवार को कलक्ट्रेट में कमिश्नर मुकेश मेश्राम, डीएम अभिषेक प्रकाश, सीडीओ मनीष बंसल ने इस संबंध में एक जरूरी बैठक में यह निर्देश दिए हैं। मॉल प्रबंधकों को निर्देश दिया गया है कि उनके परिसर में आवश्यक वस्तुओं की बिक्री के लिए स्टोर, बिग बाजार, स्पेंसर, फैमिली बाजार, मार्ट, सुपर मार्केट हैं तो उनको स्टोर और गोदाम खोलने की अनुमति दी जाए। साथ ही शर्त लगाई गई है कि इन स्थानों पर ग्राहकों को न आने दिया जाए। इन स्थानों से होम डिलिवरी की जाएगी। साथ ही इन स्टोर के प्रबंधक सैनिटाइजेशन और सफाई का काम करेंगे। कर्मचारी सोशल डिस्टेंसिंग के नियमों का पालन करेंगे। इसकी सूचना पुलिस आयुक्त और नगर निगम को भेज दी गई है। फल, सब्जी, अनाज, किराना, फार्मा, मेडिकल व अन्य अनिवार्य जीवन रक्षक सामग्री की बिक्री और विक्रय करने वाले, होम डिलिवरी करने वाले सभी प्रतिष्ठान सुबह छह बजे से रात 11 बजे तक खोले जाएंगे। पेट्रोल पम्प, आकस्मिक सेवा, अस्पतालों के निकट मेडिकल स्टोर जो कि 24 घंटे खुलते हैं वे आगे भी खुलेंगे। वहीं खाद्य व रसद विभाग द्वारा डोर स्टेप डिलीवरी व्यवस्था शुरू की है, तो मंडी परिषद द्वारा सब्जियां पहुंचाने तक की व्यवस्था की जा रही है।

**लॉक डाउन में क्या करें, क्या न करें:** जिनको मेडिकल इमर्जेंसी है वे एम्बुलेंस सेवा की मदद ले सकते हैं। एम्बुलेंस पर रोक नहीं है। मेडिकल इमरजेंसी के लिए भी निकल सकते हैं बशर्ते आपकी समस्या जायज हो। इसके लिए, पुलिस को निर्देश दिया गया है। किताना भी जरूरी हो एक से दूसरे शहर नहीं जा सकते हैं। इसके लिए प्रतिबंध है। सीमाएं सील की गई हैं। दूध, गैस सिलेंडर, फल सब्जी आदि की होम डिलिवरी के लिए व्यवस्था की जा रही है। हेल्पलाइन नम्बर कोरोना मेडिकल 0522 2230688, 2230691, 2230333 खाद्य आपूर्ति और इंटीग्रेटेड कंट्रोल रूम 0522 2622627, 9810346713, 9415005006 पुलिस कंट्रोल रूम 112, टोल फ्री 18001805145।

## लॉकडाउन में भी बाज नहीं आ रहे लोग

# जो अड़े रहे वे चढ़े पुलिस के हत्थे

**लखनऊ।** शहर में लॉक डाउन के बाद भी ट्रैफिक नियम तोड़ने वालों की संख्या कम नहीं हो रही है। यह वह लोग है जिनको रोड पर निकलने की छूट तो मिली है लेकिन नियम को तोड़ने की नहीं। किसी को हॉस्पिटल जाना है तो किसी को बैंक। इमरजेंसी सेवा के नाम पर रोड पर अपने वाहन दौड़ने वाले शायद ट्रैफिक नियम फालो करना ही भूल गए हैं। ट्रैफिक व सिविल पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाकर न केवल ट्रैफिक नियम पालने करने की याद दिलाई बल्कि जुर्माना करके साबित कर दिया कि नियम तो नियम है फिर चाहे लॉक डाउन के समय हो या आम दिनों में। ट्रैफिक चेकिंग के दौरान वह लोग भी चालान के भेंट चढ़ गए जो शहर का माहौल देखने की चाहत लेकर घरों से निकले थे।

### यहां हुई चेकिंग

*शहीद पथ तिराहा कानपुर रोड, अहिमामऊ चौराहा, उतरेठिया, तेलीबाग, बंगलाबाजार, पॉलिटेक्निक, कमता, रविन्द्रालय चारबाग, आईआईएम चौराहा*

***कार्रवाई:** दो पहिया वाहन पर बिना हेलमेट, तीन सवारी, बिना नंबर, रेड लाइट क्रास, दो पहिया वाहन में हेलमेट न धारण करने वालों के विरुद्ध चालान-661-रांग साइड में चालान-181 तीन सवारी में चालान-17, रेड लाइट जम्प में चालान-07 चार पहिया में सीट बेल्ट में चालान-41,बिना कागज के एवं अवैध संचालित वाहन सीज-04, कुल 978 चालान व कुल सीज 4 किए गए, कुल रुपये 12800 शमन शुल्क वसूल किया गया।*

## सख्ती से घरों में कैद रहे लोग

**निगोहां।** कस्बे में बुधवार को कुछ गांवों से सब्जी बेचने आये किसानों को पुलिस ने भगा दिया फ़िलहाल थोड़ी देर के लिए पुलिस ने सब्जी दिशा निर्देश पर सब्जी वितरित कराई। वही प्रदेश के मुखिया के आदेश के बाद भी ग्रामीण क्षेत्रों में किसी भी प्रकार की राहत सामग्री नहीं पहुंची सम्पूर्ण लॉक डाउन होने के बावजूद कुछ लोग आवश्यक सामग्री के लिये भटकते देखा गया पुलिस ने सभी को समझा बुझा कर घर भेज दिया दूसरी ओर टोल प्लाजा पर पुलिस की सख्ती के चलते रायबरेली जनपद से आये कई वाहनों को वापस लौटना पड़ा।निगोहा कस्बा पूरी तरह से लॉक डाउन के चलते पूरी तरह बंद रहा लोग घरो में कैद रहे।लोगों का मानना है कि यदि गांव के किसान जो सब्जियों की पैदावार करता है अगर वो नही बेच पायेगा एक तो किसान भुखमरी की कगार पर खड़ा हो जाएगा वही बिचौलियों के हाथों सब्जियां काफ़ीमहंगी बेची जा रही है ऐसे में 21 दिनों तक आखिर लोग कैसे जीवित रहेंगे दूसरी ओर सरकार की ओर से कोई भी आवश्यक सामग्री ग्रमीण क्षेत्र में नहीं पहुंची।

## फिर लगी यात्रियों की भीड़, चलानीं पड़ीं बसें

**लखनऊ।** लॉक डाउन के बावजूद रोडवेज अधिकारियों ने मंगलवार देर रात तक बसों का संचालन कर यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुँचाया। बसों का संचालन जिला प्रशासन लखनऊ, मेरठ, आगरा, कानपुर एवं नोयडा के निर्देश पर किया गया। इन बसों से 4538 यात्री अपने गंतव्य तक पंहुचे।रोडवेज अधिकारी ने बताया कि लखनऊ क्षेत्र से 13, अलीगढ़ से 30, आगरा से 2, कानपुर से 20 एवं गाज़ियाबाद से 30 बसें रवाना की गई। इन बसों से यात्री एटा, प्रयागराज, बदायूं, बहराइच, गोरखपुर, आज़मगढ़, बलरामपुर, सुल्तानपुर, पीलीभीत व कानपुर के लिए रवाना हुए। यह सभी यात्री उत्तर प्रदेश के निवासी हैं और विभिन्न ट्रेनों व यूपी के सीमावर्ती क्षेत्रों में स्थानीय परिवहन द्वारा पहुंचे थे। एयर पोर्ट से यात्रियों को गंतव्य तक पहुचाने के लिए जहां 13 बसे लगाई गई तो वहीं रेलवे स्टेशन के यात्रियों के लिए 9 बसें चलाई गईं।

## विदेश से लौटे 56260 लोग बने मुसीबत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोरोना** वायरस से निपटने के सरकारी स्तर पर चल रही युद्ध स्तर कार्रवाई के पीछे विदेश यात्रा करने वाले 56260 लोग जिम्मेदार हैं। बुधवार को इंटीग्रेटेड डिजीज सर्विलांस सेल के मुताबिक प्रदेश में चीन से लौटने वाले 28406 यात्री अभी तक चिन्हित किए गए हैं जबकि 12 चिन्हित देशों से यूपी लौटने वालों की संख्या 27854 पहुंच गई है। सेल के मुताबिक बुधवार को 3518 लोगों को आब्जर्वेशन में रखा गया जबकि कोरोना से मिलते जुलते लक्षणों के आधार पर 592 लोगों को चिन्हित किया गया, 73 लोगों को कोरोना से मिलते जुलते लक्षण के चलते हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।सेल के अनुसार 24336 लोगों ने अपने 28 दिन के आब्जर्वेशन पीरियड को पूरा कर लिया गया है। कुल 1830 सैंपल टेस्ट के लिए भेजे गए हैं। प्रदेश में अभी तक आगरा से 8, गाजियाबाद से 3, नोएडा से 11, लखनऊ से 8, पीलीभीत से 2, लखीमपुर, मुरादाबाद, वाराणसी, कानपुर, जौनपुर और शामली से 1-1 कोरोनावायरस के पॉजिटिव मरीज मिल चुके हैं। कुल मिलाकर अभी तक इनकी संख्या 38 हैं जिनमें 11 लोगों को ठीक होने के बाद डिस्चार्ज कर दिया गया है। इसके अलावा 1707 लोगों की रिपोर्ट नेगेटिव आई है। 85 मरीजों की रिपोर्ट का इंतजार है। सेल के मुताबिक अभी तक 26369 लोगों की एयरपोर्ट पर और बॉर्डर चेक पोस्ट पर 1546443 यात्रियों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

## वसीम रिजवी की तबियत बिगड़ी सैम्पल भेजा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**शिया** सेंट्रल वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी की तबीयत बुधवार को बिगड़ गई। सांस लेने की तकलीफ को देखते हुए उनका सैम्पल लेकर परीक्षण के लिए किंग जार्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी भेजा गया। फिलहाल रिजवी ने अपने आपको होम क्वॉरंटाइन कर लिया है। वहीं बुधवार को सूबे में कोरोना वायरस के संक्रमण का एक मरीज मिला है। यह मरीज पीलीभीत का रहने वाला है। यह कांट्रैक्ट केस है और विदेश जाने की कोई हिस्ट्री नहीं है। सूबे में कोरोना वायरस से संक्रमित मरीजों को संख्या 38 पहुँच गई है। तबियत बिगड़ने को लेकर शिया सेंट्रल वक्फबोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी ने बताया कि वह पिछले दिनों उत्तराखंड के कोटद्वार में श्रीनगर फिल्म की शूटिंग के सिलसिले में गए थे। वहां पर बॉम्बे से 25 लोगों की टीम आई थी, सभी के साथ उठना-बैठना था। कोरोना वायरस के चलते लॉक डाउन होने से शूटिंग को स्थगित करना पड़ा और वह लखनऊ आ गए। उन्होंने बताया कि उस दौरान कुछ समस्या हुई तो उन्होंने दिखा लिया। आज फिर सांस लेने में तकलीफ हुई तो चरक हॉस्पिटल पहुँच कर उन्होंने दिखाने के साथ ही जरूरी जांचे कराई। हालांकि जांच में फौरी तौर पर कुछ भी नहीं निकला और वह लौट आये। लेकिन सतर्कता के तौर पर उन्होंने सैम्पल जांच के लिए भिजवाया है। फिलहाल वह घर पर हैं।

# खन्ना ने पीजीआई में कोरोना वार्ड का जायजा लिया

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना ने बुधवार को पीजीआई अस्पताल में प्रदेश के राजकीय एवं निजी 51 मेडिकल कॉलेजों के 500 डॉक्टरों व नर्स का आइसोलेशन वार्ड एण्ड क्रिटिकल केयर मैनेजमैण्ट पर चल रहे प्रशिक्षण का निरीक्षण किया। पीजीआई में प्रदेश में पहली बार इको टेक्नोलॉजी से 10 मॉडल पर आइसोलेशन वार्ड एण्ड क्रिटिकल केयर मैनेजमेण्ट पर मेडिकल कॉलेजों के डॉक्टरों का प्रशिक्षण चल रहा है। मंत्री ने पीजीआई के कोरोना वार्ड में पहुंचकर वहां आइसोलेटेड एवं क्वॉरंटाइन मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली तथा मरीजों के इलाज में लगे डॉक्टरों और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ से मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने पीजीआई के एपेक्स ट्रामा सेन्टर पहुंचकर इमरजेंसी वार्ड एवं आईसीयू वार्ड का निरीक्षण किया।

चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने मेडिकल के डॉक्टरों को सम्बोधित करते हुए कहा कि कोरोना जैसी भयावह महामारी के फैलाव को रोकने के लिए सरकार हर विकल्प का इस्तेमाल कर रही है। उन्होंने कहा कि कोरोना से ग्रसित देश अपने आप को आइसोलेट कर तथा सोशल डिस्टेंसिंग स्थापित कर इस बीमारी

## कोरोना वायरस से लड़ाई के लिए डॉक्टरों को ट्रेंड करेगा पीजीआई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**प्रदेश** में कोरोनावायरस के बढ़ते संक्रमण के इलाज चिकित्सकों को संक्रमण से मुक्त रखने के लिए पीजीआई ने डॉक्टर सहित नर्सिंग व पैरामेडिकल स्टाफ को ट्रेंड करने का निर्णय लिया है। पीजीआई के टेलीमेडिसिन विभाग की तरफ से इस प्रशिक्षण के लिए एक सॉफ्टवेयर तैयार किया गया है। इस सॉफ्टवेयर के जरिए इलाज के लिए क्या जरूरी हैए क्या नहीं जरूरी है के बारे में जानकारी दी जाएगी। टेलीमेडिसिन विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर एसके मिश्रा ने बताया कि कोरोना संक्रमण वाले मरीजों को इलाज के साथ ही इलाज करने वाले को भी संक्रमण से दूर रखना जरूरी है। ऐसे में इलाज करने वाले डॉक्टर सहित अन्य स्टाफ अपने को किस प्रकार से संक्रमण से दूर रखेंगेए ट्रेनिंग के दौरान इसकी जानकारी दी जाएगी। जिससे उन्हें संक्रमण मुक्त रखा जा सके।

## कोरोना के चलते पालीटेक्निक में दाखिले की आवेदन तिथि बढ़ी

**लखनऊ।** कोरोना वायरस से निपटने में जुटी केंद्र व राज्य सरकार के निर्देश पर पूरे प्रदेश में 21 दिन के लॉक डाउन की घोषणा को देखते हुए पालीटेक्निक कालेजो में दाखिले के लिए आवेदन की तिथि बढ़ा दी गई है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद की तरफ से पूर्व निर्धारित तिथि 25 मार्च के स्थान पर अब 20 अप्रैल कर दी गई है। आवेदन की तिथि को बढ़ाए जाने के बाद परिषद ने परीक्षा की तिथि में भी परिवर्तन कर दिया है। संयुक्त प्रवेश परीक्षा परिषद के सचिव संतोष कुमार वैश्य ने बताया कि संयुक्त प्रवेश परीक्षा पॉलिटेक्निक के आवेदन तिथि के बढ़ने के साथ प्रवेश परीक्षा में भी बदलाव किया गया है। नई घोषणा के मुताबिक 31 मई संडे को ग्रुप की परीक्षा सुबह 9 बजे से 12 बजे तक होगी।

## पीजीआई का एपेक्स ट्रामा सेंटर बना कोविड-19 हॉस्पिटल

### 80 वेंटिलेटर के साथ आइसोलेशन के लिए होंगे 116 बेड

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**प्रदेश** में कोरोना वायरस से उत्पन्न संकट को देखते हुए पीजीआई के एपेक्स ट्रामा सेंटर को कोविड-19 हॉस्पिटल में तब्दील कर दिया गया है। इस हॉस्पिटल में हाई रिस्क रोगियों के इलाज से संबंधित सारी सुविधाएं मौजूद होंगी। हॉस्पिटल के संचालन को लेकर पीजीआई की तरफ से प्रति सप्ताह डॉक्टर, पैरामेडिकल, नर्सिंग स्टाफ सहित 130 कर्मियों की ड्यूटी लगाई जाएगी।

कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के इलाज को लेकर 2 दिन पूर्व ही राज्य सरकार की तरफ से प्रदेश के 51 मेडिकल कॉलेजों में कोविड-19 हॉस्पिटल बनाने का निर्णय लिया गया है। इन हॉस्पिटलों में 11000 आइसोलेशन बेड स्थापित किए जाएंगे। इनमें राजकीय और निजी मेडिकल कॉलेज शामिल होंगे। प्रदेश में कोरोना के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए मेडिकल कॉलेजों में एक हफ्ते के अंदर 11 हज़ार आइसोलेशन बेड बनाने के निर्देश दिए हैं। राज्य सरकार के निर्देश के क्रम में पीजीआई प्रशासन ने एपेक्स ट्रामा सेंटर को कोविड.19 हॉस्पिटल में तब्दील कर दिया है। पीजीआई के सीएमएस डॉ अमित अग्रवाल ने बताया कि इस हॉस्पिटल में 210 बेडए 80 वेंटिलेटर उपलब्ध होंगे। इसके साथ ही आइसोलेशन के लिए 110 बेड होंगे। उन्होंने बताया कि 14 कमरे क्वॉरंटाइन के लिए रिजर्व रखे गए हैं। कोविड हॉस्पिटल के संचालन को लेकर डॉ अग्रवाल ने बताया कि हॉस्पिटल का संचालन शिफ्ट के आधार पर किया जाएगाए जिससे संक्रमण के खतरे को कम किया जा सकेग

**बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की हालत स्थिर:** सीएमएस डॉ अमित अग्रवाल ने बताया कि आइसोलेशन वार्ड में भर्ती बॉलीवुड सिंगर कनिका कपूर की हालत स्थिर है। उनका इलाज डॉक्टरों की निगरानी में चल रहा है।

को कंट्रोल किया है। उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश सरकार ने कोरोना की समस्या को गम्भीरता से लिया है। प्रमुख सचिव चिकित्सा, शिक्षा रजनीश दुबे ने बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग ने कोविड 19 का समाना करने के लिए पूरी तरह से कमर कसी हुई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कोविड.19 की कन्फरमेट्री डाइग्नोसिस की कुल लैब की संख्या 7 हो गयी है। पीजीआई, गोरखपुर, मेरठ, मेडिकल कॉलेज व सैफई चिकित्सा विश्वविद्यालय भी तैयार हैं। अब एक हजार टेस्ट प्रतिदिन सम्भव हो गया है उन्होंने बताया कि प्रदेश में 16 बड़े कोविड हॉस्पिटल बन रहे हैं।

# इस बार जून से यूपी बोर्ड का नया सत्र शुरू कराने की तैयारी

## मई के आखिरी में आ सकते हैं नतीजे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**प्रदेश** में कोरोना वायरस के संकट के चलते 2 अप्रैल तक शिक्षण संस्थानों के बंद रहने के साथ ही बोर्ड परीक्षाओं की उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन कार्य के स्थगित होने से इस बार समय पर परिणाम नहीं आ पाएंगे। ऐसे में मूल्यांकन शुरू होने के बाद मई अंत तक यूपी बोर्ड का रिजल्ट आने की संभावना है। इस आधार पर इस बार यूपी बोर्ड का नया सेशन जून के लास्ट से शुरू होने के आसार हैं।

यूपी बोर्ड के मूल्यांकन में राजधानी के करीब चार हजार शिक्षक लगाए गए है। इन सभी

*अभी हमारी पहली प्राथमिकता मूल्यांकन कार्य पूरा करना है। जैसे ही कोरोना से संक्रमण का खतरा समाप्त होगा। हम इस पर पर विचार करेंगे। सेशन थोड़ा लेट होगा यह तय है।*
***नीना श्रीवास्तव, सचिव, माध्यमिक शिक्षा परिषद***

शिक्षकों को कोरोना संक्रमण का प्रभाव समाप्त होने के बाद अगले 15 से 20 दिनों में हर हाल में मूल्यांकन का काम पूरा करके रिजल्ट तैयार करना होगा। ऐसे में पूरा अप्रैल व मई का आधा से ज्यादा समय इसमें बीते जाएगा। जिस कारण से यूपी बोर्ड का नया सेशन शुरू होने में कानकी दिक्कत होने में दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है।

**बोर्ड परीक्षा देने वाले छात्रों का होगा नुकसान:** यूपी बोर्ड के सेशन देर से शुरू होने से सबसे ज्यादा नुकसान 2021 में हाईस्कूल व इंटरमीडिएट बोर्ड एग्जाम देने वाले स्टूडेंट्स को होगा। जून में सेशन के शुरू होने के कारण शिक्षकों को कम से कम पांच महीनों में पूरा सिलेबस पूरा करना होगा। ताकि बोर्ड एग्जाम शुरू होने से पहले इन स्टूडेंट्स को दिसंबर व जनवरी में दो प्री बोर्ड आयोजित हो सके। हालांकि वहीं इस साल ग्यारहवीं में जा रहे स्टूडेंट्स को सेशन के देर होने से कोई अगले साल सभी स्कूलों को मार्च में अपनी वार्षिक परीक्षाओं को कराना पड़ सकता है।

## केंद्रीय विद्यालय के एक से आठवीं तक सभी बच्चे होंगे प्रमोट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**देश** में कोरोना वायरस से उत्पन्न संकट से निपटने में जुटी केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा शैक्षिक संस्थानों को बंद रखने को लेकर लिए गए निर्णय को देखते हुए केंद्रीय विद्यालय संगठन ने अपने सभी स्कूलों में क्लास एक से आठवीं तक सभी स्टूडेंट्स को अगली क्लास में प्रमोट करने का आदेश जारी किया है। केवी संगठन ने साफ किया है कि मौजूदा सेशन के परीक्षाओं में कोई स्टूडेंट्स उपस्थित हुआ या न हुआ हो उसे अगली क्लास में शिक्षा का अधिकार 2009 के तहत प्रमोट किया जाएगा। साथ ही स्टूडेंट्स का रिजल्ट सभी अभिभावकों को उनके ईमेल, वाट्सएप ग्रुप और एसएमएस के माध्यम से भेज दिया जाएगा। केवीएस लखनऊ रीजन के डिप्टी डायरेक्टर टीपी गौर ने बताया कि पहली व दूसरी क्लास के स्टूडेंट्स को उनके मंथली एग्जाम के प्रदर्शन के आधार पर प्रमोट किया जाएगा। जबकि तीसरी से आठवीं क्लास तक के स्टूडेंट्स को जिस विषय की परीक्षा में उपस्थित नहीं हो सके हैं उनमें ग्रेड देते हुए अगली क्लास में प्रमोट किया जाएगा। अगर एक से आठवीं क्लास तक के किसी भी स्टूडेंट्स को ई ग्रेड प्राप्त होता है तब भी उसे प्रमोट किया जाएगा।

**भारतीय रिज़र्व बैंक**
पर्यवेक्षण विभाग, 8–9, विपिनखंड, गोमतीनगर, लखनऊ – 226010

**भारतीय रिज़र्व बैंक ने यू.पी. सिविल सेक्रेटेरिएट प्राइमरी को–आपरेटिव बैंक लि., लखनऊ (उत्तर प्रदेश) पर बैंकारी विनियमन अधिनियम, 1949 (सहकारी समितियों पर यथा लागू) की धारा 35(क) के अंतर्गत जारी निदेश की वैधता अवधि को बढ़ाया**

भारतीय रिज़र्व बैंक (आर.बी.आई) ने यू. पी. सिविल सेक्रेटेरिएट प्राइमरी को–आपरेटिव बैंक लि., लखनऊ (उत्तर प्रदेश) को जारी निदेशों की वैधता अवधि को छः महीने बढ़ाकर 26 मार्च 2020 से 25 सितंबर 2020 तक कर दिया है जो समीक्षाधीन होगा। बैंक, बैंकारी विनियमन अधिनियम, 1949 (सहकारी समितियों पर यथालागू) की धारा 35(क) के अंतर्गत जारी 19 सितंबर 2018 के निदेश DCBS.CO.BSD-IV/D-1/12.28.029/2018-19 के तहत 25 सितंबर 2018 से निदेशाधीन है।
उपर्युक्त निदेश को भारतीय रिज़र्व बैंक द्वारा उसकी वैधता अवधि को 25 मार्च 2020 तक बढ़ाया था, जिसे अब 19 मार्च 2020 के निदेश DoR.CO.AID/D-64/12.28.029/2019-20 के माध्यम से अगले छः महीने की अवधि अर्थात 26 मार्च 2020 से 25 सितंबर 2020 तक बढ़ाया गया है, जो कि समीक्षाधीन होगा। संदर्भाधीन निदेश की अन्य शर्तें अपरिवर्तित रहेंगी। 19 मार्च 2020 के निदेश की प्रतिलिपि जनता के अवलोकनार्थ बैंक परिसर में प्रदर्शित की गई है।
**रिज़र्व बैंक द्वारा उक्त निदेश की वैधता अवधि का बढ़ाया जाने का तात्पर्य उक्त बैंक के वित्तीय स्थिति में सुधार या गिरावट से नहीं लगाया जाना चाहिए। रिज़र्व बैंक परिस्थितियों के आधार पर निदेश में संशोधन करने पर विचार कर सकता है।**
**लखनऊ**
**26 मार्च 2020** **क्षेत्रीय निदेशक**

# होम डिलीवरी के लिए किराने की दुकानों व मेडिकल स्टोर की डायरेक्ट्री तैयार करें

● एएनएम व आशा कार्यकत्रियां जनपदों में बाहर से आए व्यक्तियों पर भी निगरानी रखें

● कम्युनिटी किचन के जरिए तीमारदारों, रैन बसेरों तक फूड पैकेट उपलब्ध कराएं जाएं

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**मुख्य** सचिव राजेन्द्र कुमार तिवारी ने निर्देश दिए हैं कि समस्त जनपदों में लॉकडाउन के दौरान ग्रोसरी किराने के सामान एवं दवाइयों की होम डिलीवरी की व्यवस्था यथाशीघ्र सुनिश्चि की जाए। जनपद स्तर पर होम डिलीवरी के लिए ग्रोसरी एवं मेडिकल स्टोर की डायरेक्ट्री तैयार करायी जाए।

उन्हें जनपद एवं उप्र सरकार की वेबसाइट पर डाला जाए। होम डिलीवरी के लिए जनपद स्तर पर मोबाइल एप विकसित किया जाए ताकि लोकेशन के अनुसार स बन्धित स्टोर द्वारा आपूर्ति करायी जा सके। शहर के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में होम डिलीविरी के लिए भी मैकेनिज्म तैयार किया जाए। उन्होंने कहा कि ग्रोसरी एवं मेडिकल शॉप में सोशल डिसटेन्सिंग की व्यवस्था बनाए रखने के लिए मार्कर लगवा दिए जाएं। मुख्य सचिव ने लोक भवन में लॉक डाउन की स्थिति की समीक्षा करते हुए कहा कि जिला प्रशासन द्वारा

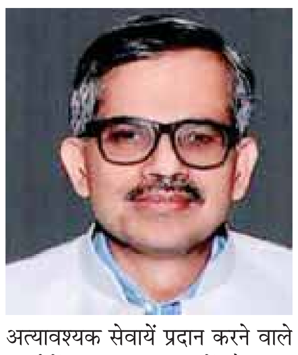

अत्यावश्यक सेवायें प्रदान करने वाले कर्मियों तथा माल वाहनों के पास निर्गत कर दिए जायें।

अत्यावश्यक सेवायें प्रदान करने वाले कर्मियों तथा माल वाहनों को कतई न रोका जाए। माल वाहनों को सवारी ढोने की कतई अनुमति न दी जाए। खाद्यान्न गोदामों में ढुलाई के लिए श्रमिकों के पास भी स्थान और समय को दर्शाते हुये जिला प्रशासन द्वारा जारी करा दिए जाएं ताकि जिन लोगों के पास निर्गत हो गये हों वह अनावश्यक रूप से सड़कों पर न घूमे। राजेन्द्र कुमार तिवारी ने कहा कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान के तहत एएनएम एवं आशा कार्यकत्रियों द्वारा जनपदों में बाहर से आए व्यक्तियों पर भी निगरानी रखी जाए उनके अंदर कोविड-19 के लक्षण पाए जाने पर तत्काल कण्ट्रोल रूम को सूचित किया जाए।

कयूनिटी किचन के माध्यम से मरीज के तीमारदारों तथा रैन बसेरों में रहने वाले व्यक्तियों को फूड पैकेट उपलब्ध कराने की भी व्यवस्था करायी जाए। जिला प्रशासन द्वारा सभी प्राइवेट मेडिकल कॉलेजों को निर्देशित कर दिया जाए कि लॉक डाउन के दौरान सभी चिकित्सक मेडिकल कॉलेजों में उपस्थित रहें।

## एमएलसी यशवंत सिंह ने विधायक निधि से दी 25 लाख की धनराशि

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोरोना** वायरस से लोगों को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराने के लिए विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह ने अपनी विधायक निधि से पच्चीस लाख रुपए की धनराशि देने पर सहमति जताई है। इसके लिए विधान परिषद सदस्य यशवंत सिंह ने मुख्य विकास अधिकारी मऊ को पत्र लिखकर आग्रह किया है कि कोराना वायरस से होने वाले संक्रमण की रोकथाम एवं इससे सुरक्षित रखने के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली सामग्री मास्क, सेनेटाइजर, साबुन आदि के लिए मेरे क्षेत्रिय विकास निधि से पच्चीस लाख रुपए निर्गत करें जिसमें बारह लाख रुपए पचास हजार रुपए जनपद मऊ तथा बारह लाख पचास हजार रुपए जनपद आजमगढ़ को आवंटित कर दिया जाए।

# बढ़े हाथ, नगर निगम अधिकारियों ने एक दिन का वेतन दिया

● निजी संस्थाओं व अधिकारियों ने की 1.35 लाख की मदद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**निराश्रित** परिवारों की मदद नगर निगम द्वारा शुरू कर दी गयी है। ग्रेन बैंक के नाम से एचडीएफसी में खाता खोला गया है जिसमें एक दिन के वेतन की धनराशि से भोजन कराया जा रहा है।

वहीं निजी वेलफेयर एसोसिएशन व नगर निगम अधिकारियों ने भी 1.35 लाख की धनराशि मुहैया कराया है। बुधवार को नगर निगम द्वारा अन्नदा नगर निगम निधि ग्रेन बैंक के नाम से एक बैंक अकाउंट एचडीएफसी बैंक में खोला गया जिसके माध्यम से निराश्रित परिवारों को आटा चावल एवं दाल उपलब्ध कराई जाएगी। नगर निगम के समस्त अधिकारियों द्वारा इस खाते में स्वेच्छा से एक दिन का वेतन डोनेट किया जा रहा है । वहीं प्राइवेट संस्था ने भी मदद के लिए आगे आईं हैं। बुधवार को नगर आयुक्त डॉ. इंद्रमणि त्रिपाठी को सेक्टर एफ कपूरथला स्थित रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा रुपया 60000 का चेक नगर निगम मुख्यालय में दिया है।

नगर स्वास्थ्य अधिकारी डॉक्टर एस के रावत द्वारा रूपया 25000 एवं नगर अभियंता ज़ैदी द्वारा रूपया 50000 का चेक नगर निगम को प्रदान किया गया।

### पत्र लिखकर जनता को मास्क देने की मांग

**नगर** निगम के पार्षदों ने भी जनता के लिए मास्कए गलव्स वार्ड विकास निधि से देने का निर्णय लिया है। मैथिली शरण गुप्त वार्ड के पार्षद दिलीप श्रीवास्तव, भाजपा पार्षद दल उप नेता रामकृष्ण यादव, उपाध्यक्ष रजनीश गुप्ता, संजय राठौड़, गीता पाण्डेय, वीरेंद्र जसवानी वीरू ने सहमति जताई है। यही नहीं भाजपा पार्षदों ने एक स्वर में नगर निगम प्रशासन से पत्र लिखकर व्यवस्था की मांग की है। पार्षद दिलीप श्रीवास्तव ने क्षेत्रीय पुलिस व जनता में मास्क वितरित कर मिशाल पेश की है। वहीं उपाध्यक्ष ने नगर निगम अधिनियम में इमरजेंसी पर व्यवस्था होने कीबात कही।

## वित्तविहीन स्कूलों के शिक्षकों के लिए राहत पैकेज की मांग

**लखनऊ।** प्रदेश में वित्तविहीन स्कूलों में पढ़ा रहे हैं शिक्षकों को लेकर वित्तविहीन शिक्षक महासंघ ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र लिखकर राहत पैकेज की मांग की है। वित्तविहीन महासभा के प्रदेश अध्यक्ष व एमएलसी उमेश त्रिवेदी ने पत्र लिखकर कहा है कि पिछले काफी समय से स्कूल बंद चल रहे हैं और 14 अप्रैल तक बंद करने की घोषणा हो चुकी है। ऐसे में ज्यादातर वित्तविहीन विद्यालय जो बच्चों से मिलने वाली फीस से ही वेतन आदि देते हैं, उस पर संकट खड़ा हो गया है। इस अभाव में शिक्षकों को वेतन देना मुश्किल हो जाएगा। जिससे यहां अध्यापन कार्य में लगे शिक्षकों के परिवार का भरण पोषण होना मुश्किल होगा।

## बेसिक स्कूलों के शिक्षक देंगे अपनी एक दिन की सैलरी

**लखनऊ।** प्रदेश में कोराना वायरस से उत्पन्न संकट को देखते हुए सरकार की मदद के लिए प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षित स्नातक एसोसिएशन आगे आया है। एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष विनय सिंह ने बताया कि कोरोना वायरस से लड़ाई में सभी शिक्षक अपना एक दिन का वेतन मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे। उन्होंने बताया कि यह निर्णय प्रांतीय कार्यकारिणी की बैठक में लिया गया है। इसकी जानकारी मुख्य सचिव व अपर मुख्य सचिव को दे दी गई है। उनसे कहा गया है कि वह मार्च 2020 के वेतन से एक दिन के वेतन की कटौती कर लें।

# महापौर ने वित्तीय वर्ष की समय सीमा बढ़ाकर 30 जून तक करने का किया आग्रह

● प्रदेश के वित्त मंत्री को लिखा पत्र

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**महापौर** संयुक्ता भाटिया ने वित्त मंत्री सुरेश खन्ना को पत्र लिखकर वित्तीय वर्ष 2019-20 की समय सीमा को 31 मार्च से बढ़ाकर 30 जून तक करने का आग्रह करते हुए पत्र लिखा है। उन्होंने पत्र की कॉपी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत सरकार की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, नगर विकास मंत्री आशुतोष टण्डन को भी भेजी है।

महापौर संयुक्ता भाटिया ने पत्र में लिखा है कि वर्तमान समय में लखनऊ सहित पूरा विश्व कोरोना वायरस से प्रभावित है। ऐसे समय में हम सभी के लिए यह एक सुखद अनुभव है कि भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा इस वैश्विक महामारी की रोकथाम के लिए किये जा रहे उल्लेखनिय प्रयासों और उसमें प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सक्रिय योगदान समस्त प्रदेशवासियों में स्वास्थ्य सुरक्षा की भावना का संचार कर रहा है। इस लिये ही प्रधानमंत्री द्वारा समस्त भारतवासियों की संक्रमण से सुरक्षा के लिए 21 दिनों का लॉकडाउन संपूर्ण भारत में घोषित किया गया हैं।

### क्लोजिंग की प्रक्रिया पूर्ण किया जाना शेष

**महापौर** ने कहा है कि वर्तमान मार्च माह, वित्तीय वर्ष 2019-20 का अंतिम माह है एवं नगर निगम लखनऊ में कई महत्वपूर्ण कार्य भी इसी माह संपादित कर क्लोजिंग की प्रक्रिया पूर्ण किया जाना शेष है, साथ ही राज्य वित्त आयोग से प्राप्त धनराशि सहित समस्त मदों के विकास कार्य भी रुक गये हैं जोंकि इन परिस्थितियों में 31 मार्च से पूर्व पूर्ण कराना अब सम्भव नही हैं। इसके अतिरिक्त नगर निगम की मा0 कार्यकारिणी समिति द्वारा पास किये गए बजट को नियमत: सदन द्वारा भी इसी वित्तिय वर्ष की समाप्ति से पूर्व पास किया जाना आवश्यक होता है। अत: प्रशासनिक महत्वपूर्ण कार्यों को दृष्टिगत रखते हुए चालू वित्तीय वर्ष 2019-20 समाप्ति की सीमा को 31 मार्च 2020 से बढ़ाकर 30 जून 2020 करने के लिए आवश्यक कार्यवाही करने की कृपा करें।

## शीतगृह में आलू भण्डारण की समुचित व्यवस्था की जाए: उद्यान निदेशक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**उद्यान** एवं खाद्य प्रसंस्करण निदेशक डॉ. एसबी शर्मा ने प्रदेश के सभी जिला उद्यान अधिकारियों को निर्देशित किया है कि वे किसानों की औद्यानिक उपज फल एवं शाक भाजीद्ध को शीतगृहों में भण्डारण की शीघ्रता से समुचित कार्यवाही सुनिश्चित कराएं। जिससे कि उनके उत्पाद को सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि शासनादेश में फ्ल एवं शाक भाजी को बंद से मुक्त किया गया है। डॉ. एसबी शर्मा ने बताया कि प्रदेश में लगभग 6.15 लाख हे. क्षेत्रफ्ल आलू से आच्छादित है। सित बर 2019 में वर्षा होने से आलू की बुआई में विल ब एवं मार्च 2020 में वर्षा एवं ओलावृष्टि से आलू की खुदाई प्रभावित हुई है। उन्होंने बताया कि आलू की खुदाई एवं भण्डारण 15-20 दिन विल ब से हो रहा है तथा तापमान लगातार बढ़ने से शीतगृह में औद्यानिक उत्पाद को शीघ्र भण्डारण किया जाना अत्यन्त आवश्यक है। उद्यान निदेशक ने जिला उद्यान अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों के आलू को शीतगृह में भण्डारण करने के स बंध में जो समस्याएं आएं वे अपने जनपदों के जिला प्रशासन से समन्वय स्थापित कर उनका निस्तारण करने हेतु हर स भव प्रयास करें।

# राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद ने घटक संघों से की सहायता की अपील

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोरोना** संक्रमण के भारी संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 21 दिनों की लॉकडाउन की घोषणा के उपरान्त राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी ने अपने घटक संघों के पदाधिकारियो से अपील करते हुए कहा कि देश और राज्य को इस आपात घड़ी में सबके सहयोग की जरूरत है। यही वक्त यह सिद्ध करने का होता है कि प्रदेश का राज्य कर्मचारी पूरे लगन से सरकार के हर निर्देशों का पालन करता है और सहयोग करता है तथा इमरजेंसी कार्यों में अपनी पूर्ण क्षमता से मदद करके सामने आता है।

उन्होंने परिषद एवं परिषद से जुड़े हर राज्य कर्मचारी से इस आपातकाल में अपने एक दिन का वेतन राज्य सरकार के राहत आपदा कोष में दान देने की अपील की है। उन्होंने कहा कि अगर हम एक लाख कर्मचारी ही अपने एक दिन का वेतन राहत आपदा में दान करेगें तो हम लगभग 70 करोड़ रूपए सरकार के खजाने में जुटाकर सरकार को इस विषम परिस्थिति में कुछ सहयोग कर सकेंगे। वैसे तो प्रदेश में 18 लाख कर्मचारी है अगर इस चुनौती पूर्ण दौर में एक दिन का वेतन राहत आपदा में दान करते है तो यह राशि अरब का आकड़ा पार कर सकती है। इतनी बड़ी राशि से सरकार को राहत कार्यो में भारी मदद मिलेगी।

उन्होंने कहा कि निश्चित तौर से इतना लंबा लॉक डाउन करना बहुत साहसिक कदम है। इससे देश की जनता को कुछ परेशानी जरूर होगी लेकिन यह परेशानी चीन, इटली आदि देशों में हुई मानव हानि के समाने बहुत कम है। परिषद के महामंत्री शिवबरन सिंह यादव ने इस स बंध में एक परिपत्र जारी कर अपने सहयोगी संगठनों को परिषद के अध्यक्ष की इन भावनाओं से अवगत कराते हुए अधिकाधिक मदद की अपील की है। उन्होंने बताया कि राहत आपदा के लिए जमा की जाने वाली राशि को परिषद के बैंक खाता सं या 020701000039784 इण्डियन ओवरसीज बैंक हजरतगंज लखनऊ आईएफसी कोड आईओबी 0000207 मे जमा किया जा सकता है। अथवा सीधे विभागीय माध्यम से जमा किया जा सकता है।

## लोनिवि डिप्लोमा इंजीनियर्स कोरोना राहत आपदा में देंगे एक दिन का वेतन

**लखनऊ।** प्रदेश के डिप्लोमा इंजीनियर्स ने देश में आई आपदा की इस घड़ी में अपना कुछ सहयोग देने की घोषणा की है। प्रदेश के लोक निर्माण विभाग में लगभग 4000 जूनियर इंजीनियर्स डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ के सदस्य है। जिनका औसतन वेतन एक दिन का लगभग 1000 से 2000 रूपए दिन तक है। ऐसे में डिप्लोमा इंजीनियर्स संघ की ओर से लगभग 50 से 60 लाख रूपए की सहयोग राशि कोरोना राहत आपदा में पहुंचाई जाएगी। डिप्लोमा इंजीनियर संघ लोक निर्माण विभाग के सदस्य कोरोना आपदा से निपटने के लिए एक दिन का बेतन स्वेच्छा से राहत कोष को देंगे। यह निर्णय संघ के अध्यक्ष इं हरि किशोर तिवारी, दिवाकर राय, महामंत्री इं वी के कुशवाहा एवं कार्यकारी महामंत्री इं एनडी द्विवेदी द्वारा जनहित में लिया गया। इन पदाधिकारी द्वारा प्रदेश के सदस्यों से अपील भी की गई कि इस आपदा में जनता को जागरूक करने के अलावा अपने आसपास गरीब एवं असहाय लोगों को हर संभव मदद करने का भी प्रयास करे।


## कार्यालय : नगर पालिका परिषद, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर

पत्रांक-658(4)/न0पा0प0/2019-20 दिनांक-24.03.2020

### अति अल्पकालिक निविदा सूचना

एतद् द्वारा निम्नतिखित कार्य हेतु नगर पालिका परिषद मुंगरा बादशाहपुर, जौनपुर में पंजीकृत एवं शासनादेश स० 3890/नौ-5-19-149सा/2019 लखनऊ दिनांक 20.09.2019 के अनुसार ठेकेदारों/फर्मो से चौदहवां वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत प्राप्त धनराशि से निम्मलिखित प्रस्तावित कार्यों हेतु दिनांक 31.03.2020 अपरान्ह 03.00 बजे तक अधिशासी अधिकारी न0पा0प0 मुंगरा बादशाहपुर जौनपुर के कार्यालय में आमंत्रित की जाती है। उक्त तिथि को अपरान्ह 03:30 बजे निविदा दाताओं अथवा उनके प्रतिनिधियों की उपस्थिति में सक्षम अधिकारी के समक्ष खोली जायेगी। निविदा प्रकाशन के पश्चात् दिनांक 30.03.2020 अपरान्ह 03:30 बजे तक कार्यालय नगर पालिका परिषद मुंगरा बादशाहपुर से निविदा क्रय किया जा सकता है। निविदा से सम्बन्धित नियम एवं शर्ते किसी भी कार्य दिवस में नगर पालिका परिपद मुंगरा बादशाहपुर जौनपुर के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। निविदादाताओं का सम्बन्धित कार्य में अनुभव होना आवश्यक है तथा इस हेतु सम्बन्धित विभाग के सक्षम प्राधिकारी द्वारा निर्गत अनुभव प्रमाण पत्र संलग्न करना अनिवार्य होगा। बिना अनुभव के प्राप्त होने वाली निविदाओं पर विचार नहीं किया जायेगा।

| क्र. सं. | कार्य का विवरण | अनुमानित धनराशि (लाख रु0 में) | जमानत/ धरोहर धनराशि | निविदा प्रपत्र मूल्य व जी.एस.टी. सहित | कार्यावधि |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 14वाँ वित्त आयोग के अन्तर्गत प्रस्तावित कार्यो की सूची | | | | | |
| 1 | मो0 सिपाह में मो0 निहाल, स्व0 हाजी कलीम के आवास एवं कब्रिस्तान के समीप नाली व सड़क निर्माण। | 4.40 | 8808.00 | 500+90 | 01 माह |
| 2 | मो0 साहबगंज में पापा नाउ के मकान के सामने से अजय यादव की बाउण्ड्री एवं मोहन मुरारी के मकान तक नाली व इण्टरलाकिंग सड़क निर्माण। | 4.61 | 9230.00 | 500+90 | 01 माह |
| 3 | वार्ड सब्जी मण्डी में संतोष मिश्रा के मकान से श्री दिनेश श्रीवास्तव के मकान तक नाली कवरिंग व सी0सी0 सड़क निर्माण कार्य। | 4.04 | 8075.00 | 500+90 | 01 माह |
| 4 | मो0 गोलामण्डी में राजू उमरवैश्य के मकान से प्रभाकर गुप्त के मकान तक नाली जीर्णोद्धार तथा प्रभाकर गुप्त के मकान से देवेन्द्र जायसवाल के मकान तक नाली एवं सी0सी0 इण्टरलाकिंग सड़क निर्माण। | 4.35 | 8703.00 | 500+90 | 01 माह |

अधिशासी अधिकारी
न0पा0प0मुं0 बादशाहपुर
जौनपुर

अध्यक्ष
न0पा0प0मुं0 बादशाहपुर
जौनपुर


# लॉकडाउन में सीएमएस ने ई-लर्निंग के माध्यम से पढ़ाई का रास्ता अपनाया

● छात्रों में ऑनलाइन शिक्षा का भारी उत्साह, अभिभावकों ने दिया धन्यवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोरोना** वायरस के कारण स्कूल बंद होने के दौरान सिटी मोन्टेसरी स्कूल के सभी कैम्पस में छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा प्रदान की जा रही है, जिससे छात्र घर पर ही डेस्कटॉप, लैपटॉप, टैबलेट अथवा मोबाइल पर अपने शिक्षक से जुड़कर अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। सीएमएस की शैक्षिक मुहिम को अभिभावकों व छात्रों द्वारा बहुत ही पसन्द किया जा रहा है। छात्रों में ऑनलाइन शिक्षा के प्रति भारी उत्साह नजर आ रहा है जबकि अभिभावकों ने इस शैक्षिक मुहिम हेतु सीएमएस का आभार व्यक्त किया है। सीएमएस के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी श्री हरि ओम शर्मा ने बताया कि सीएमएस के सभी कैम्पस के प्री-प्राइमरी, प्राइमरी व जूनियर कक्षाओं के हजारों छात्र अब तक ई-लर्निंग से जुड़ चुके हैं और गणित, विज्ञान, हिन्दी, अंग्रेजी आदि विषयों के प्रतिदिन के असाइनमेन्ट को पूरा करके समय का सदुपयोग कर रहे हैं। छात्रों में ई-लर्निंग के माध्यम शिक्षा प्राप्त करने की गहन उत्सुकता व रूचि देखने को मिल रही है। विदित हो कि कोरोना वायरस के खतरे के कारण स्कूल बंद होने के दौरान सिटी मोन्टेसरी स्कूल ने छात्रों की पढ़ाई के नुकसान को देखते हुए ई-लर्निंग का रास्ता अपनाया है, जिसके माध्यम से छात्र अपनी पढ़ाई जारी रख सकते हैं। गूगल इन्कार्पोरेशन के सहयोग से सी.एम.एस. 'गूगल क्लासरूम प्लेटफार्म' का उपयोग कर रहा है, जहाँ सी.एम.एस. शिक्षक छात्रों के कोर्स से सम्बन्धित शैक्षिक सामग्री एवं असाइनमेन्ट पोस्ट कर रहे हैं। इसके माध्यम से छात्र अपनी शैक्षिक जिज्ञासाओं का समाधान कर सकते हैं और अपनी पढ़ाई को जारी रख सकते हैं। शर्मा ने बताया कि सी.एम.एस. संस्थापक डा. जगदीश गाँधी ने सी.एम.एस. की सभी प्रधानाचार्याओं, शिक्षक-शिक्षिकाओं व कार्यकर्ताओं का हार्दिक आभार व्यक्त किया है जो छात्रों को आनलाइन शिक्षा प्रदान करने हेतु लगातार कार्यरत हैं और ई-लर्निंग के माध्यम से शैक्षिक सामग्री एवं असाइनमेन्ट को तैयार करके 'गूगल क्लासरूम प्लेटफार्म' पोस्ट कर रहे हैं। शर्मा ने बताया कि कोरोंना वायरस के दुष्प्रभावों को रोकने हेतु सामाजिक दूरी बनाये रखना ही सबसे सुरक्षित उपाय है। ऐसे में, छात्रों को ऑनलाइन शिक्षा उपलब्ध कराना सर्वश्रेष्ठ विकल्प है, जिससे स्कूल बंद होने के बावजूद उनका नुकसान नहीं होगा। श्री शर्मा ने अभिभावकों व छात्रों से अपील की है कि जो छात्र अभी तक ई-लर्निंग से नहीं जुड़े हैं, वे अविलम्ब इससे जुड़कर अपनी पढ़ाई को जारी रखें।

## कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एसबीआई वार्षिक लाभ का देगा 0.25 प्रतिशत

**लखनऊ।** लखनऊ सर्कल की मुख्य महाप्रबंधक सलोनी नारायण ने बताया कि भारतीय स्टेट बैंक ने देश में कोविड .19 के विरुद्ध लड़ाई में मदद के लिए अपने वार्षिक लाभ वित्तीय वर्ष 2019-20 का 0.25 प्रतिशत हिस्सा सीएसआर फंड के रूप में खर्च करेगा। बैंक द्वारा कोविड 19 से संबन्धित विभिन्न गतिविधियों के लिए इस फंड का उपयोग किया जाएगा । इस राशि को जरूरतमंदों के लिए स्वास्थ्य और साफ सफाई आदि कार्यों पर खर्च किया जाएगा। श्रीमती नारायण ने कोरोना वाइरस के जोखिम को देखते हुए बैंक द्वारा उठाए गए कदमों के बारे में जानकारी प्रदान की। उन्होने बताया कि उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में बैंक द्वारा निर्बाध रूप से ग्राहकों को 4 आवश्यक बैंकिंग सेवाएँ नकद जमा व निकासी, चेक क्लेयरिंग, फंड ट्रान्सफर और सरकारी अंतरण प्रदान करने के लिए व्यवस्था की गयी है।

## ठेके पर काम करने वालों को भी ऑन ड्यूटी माना जाएगा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोरोना** के चलते ट्रेनों का संचालन 14 मार्च तक रद कर दिया गया है। इससे रेलवे में काम करने वाले आउटसोर्स और ठेके के कर्मियों के सामने रोजी और रोटी का संकट खड़ा हो गया है। लिहाजा रेलवे प्रशासन ने उन्हें राहत देने का निर्णय लिया है। पूरे देश में ऐसे कर्मचारियों की संख्या 50 हजार के आसपास हैं। उत्तर एवं पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मंडल में भी हज़ारों की संख्या हज़ारों में है। पूर्वोत्तर रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी पंकज कुमार सिंह ने बताया कि वर्तमान परिस्थितियों में कठिनाई से कर्मियों को उबरने के लिए यह निर्णय लिया गया है। इस निर्णय के तहत ऐसे कर्मियों को ऑन ड्यूटी माना जायेगा। इस योजना के तहत जो कर्मचारी आएंगे उनमें ट्रेनों में ऑन बोर्ड हाउस कीपिंग सेवाए साफ सफाई के कर्मी, पैंट्रीकार, स्टेशन, कार्यालय, वाणिज्य क्रिया कलाप के कर्मी शामिल हैं।

# मौसम की मार के बाद कोरोना की आमद से आलू किसान परेशान

● खेतों से आलू निकालने के लिए नहीं मिल रहे मजदूर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**विपरीत** मौसम की मार झेल कर तैयार हुए आलू किसान के लिए कोरोना की आमद मुसीबत बनने वाली है। स्थिति ये है कि बारिश के चलते खेतों में दबे करीब पचास प्रतिशत आलू को निकालने के लिए कोई मजदूर नही मिल रहा है और जो आलू किसान ने खोद कर निकाल भी लिया है उसे कोल स्टोर तक पहुंचाने के लिए वाहन भी उपलब्ध नही हो पा रहे है।

यदि कुछ दिन यही स्थिति बनी रही तो खेतों में आलू सड़ने के अलावा कोई चारा नही रह जाएगे और प्रदेश सरकार आलू भण्डारण के अपने लक्ष्य से करीब तीस से चालीस प्रतिशत पीछे हो जाएगी जिसका सीध असर मंगहाई पर पड़ेगा। आलू की खेती करने वाले किसानों का इस बार प्रकृति साथ नही दे रही है। बारिश व ओलावृष्टि के बाद अब कोरोना जैसी महामारी ने दस्तक देकर प्रदेश ही नही देश को हिला कर रख दिया है। सुरक्षा की दृष्टि से पूरे प्रदेश में मौजूदा समय में लॉकडाउन घोषित कर दिया गया है। इसके चलते किसी व्यक्ति का घर से निकल पाना संभव नही हो पा रहा है। शहर से लेकर गांव तक लोग घरों में कैद है। इस स्थिति का असर प्रदेश के किसानों पर भी सीधा-सीधा पड़ रहा है। हाल ही में हुई बारिश व ओला वृष्टि से प्रदेश आलू किसान काफी प्रभावित हुए है। उनका करीब पचास प्रतिशत आलू बारिश व ओला वृष्टि के चलते खेतों में मिट्टी में दबा रह गया। उद्यान विभाग के अधिकारियों की माने तो 20 मार्च तक आलू की खोदाई हो जाती है लेकिन इस बार अचानक हुई बारिश व ओला वृष्टि से खेतों में पानी आ गया जिसके चलते समय पर पूरा आलू नही निकाला जा सका है। इसके चलते किसानों को विकट स्थित का सामना करना पड़ रहा है।

रायबरेली के किसान रामबहादुर, मोहनलाल गंज के किसान सुरेश कुमार तथा मलिहाबाद के किसान किशन यादव ने बताया कि हम लोगों के आलू मौजूदा समय में खेतों में ही पड़े है क्यों हाल ही में हुई बारिश के चलते खेतों में पानी आ गया था इस लिए खोदाई संभव नही थी और जब आलू खोदाई की स्थिति बनी तो कोरोना जैसी महामारी ने समस्या खड़ी कर दी है। स्थिति ये है कि लाकडाउन के चलते कोई मजदूर काम करने नही आ पा रहा है। जगह-जगह पाबन्दी लगी हुई। जिसके चलते आलू खेतों में ही पड़ा हुआ है। इस संबंध में कांग्रेस नेता हरिनाम सिंह चौहान ने कहा कि प्रदेश सरकार को चाहिए कि ऐसी स्थिति में किसानों की मदद करे अन्यथा किसान का आलू खेतों में ही पड़ा-पड़ा सड़ जाएगा।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार ग्राम प्रधानों की मदद से इस समस्या का हल निकाल सकती है। उन्होंने कहा यदि शीघ्र ही इसका हल नही निकाला गया तो आने वाले समय में आलू के दाम काफी बढ़ जाएंगे जिसके लिए प्रदेश सरकार दोषी होगी। उन्होंने कहा कि जिन किसानों के आलू की खोदाई किसी भी तरह हो गया है सरकार की अव्यवस्था के चलते वह खेतों में ही पड़ा हुआ क्योंकि आलू ढोने के लिए वाहन उपलब्ध नही हो रहे है। इस स बन्ध में जब अपर निदेशक उद्यान डॉ. रवीन्द्र कुमार तोमर से बात की गईं तो उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार आलू किसानों के प्रति पूरी तरह से संवेदनशील है।

# मरीजों की जगह सवारी ढो रहीं एंबुलेंस

## ● सेक्टर-8 के पास एक एंबुलेंस को ट्रैफिक पुलिस ने पकड़ा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**कोरोना** वायरस की खौफ और लॉक डाउन के चलते सवारी गाड़ी रोड पर नहीं दौड़ रहीं इसका फायदा खाली एंबुलेंस ड्राइवर उठा रहे हैं।

शहर के आउट स्कर्ट एरिया में मरीजों को हॉस्पिटल पहुंचाकर लौटने वाले एंबुलेंस ड्राइवर रोड पर सवारी भी ढोह रहे हैं इससे न केवल नियम कानून को ताक पर रखा जा रहा है बल्कि उन लोगों के खतरनाक भी हो सकता है जो सवारी बनकर एंबुलेंस में सफर कर रहे हैं। यह एंबुलेंस गाड़ी प्राइवेट के साथ-साथ 108 सर्विस की भी हैं। गाड़ी एंबुलेंस सर्विस से जुड़ी होने के चलते ट्रैफिक पुलिस ने उन्हें चेतावनी देकर रवाना कर दे रही हैं।

कमता तिराहे के पास 108 सर्विस की एंबुलेंस ने रोड पर सवारी का इंतजार रहे लोगो को देख कर गाड़ी रोक दी। एंबुलेंस गाड़ी के पास सवारी का इंतजार कर रहे कई लोग पहुंचे और अपने गंतव्य स्थान तक पहुंचाने के लिए कहा लेकिन एंबुलेंस का गंतव्य रूट पर केवल दो सवारी ही मिली जिसे एंबुलेंस ने मरीज को ले जाने वाली सीट पर बैठा लिया और तेज रफ्तार से आगे बढ़ गई।

### पुलिस ने हरियाणा के नंबर की टैक्सी को लौटाया

**गाजीपुर** स्थित पॉलीटेकनिक चौराहे पर हरियाणा नंबर की टैक्सी गाड़ी देख पिकेट पर तैनात पुलिस कर्मियों ने उसे घेर लिया। गाड़ी चिनहट की तरफ से आ रही थी। हरियाणा नंबर की टैक्सी गाड़ी में चार लोग सवार थे। पुलिस ने गाड़ी रोक ली और वापस लौटने के लिए कहा। ड्राइवर सीट के बगल में बैठे युवक ने अपना नाम योगेंद्र बताया। उसने बताया कि वह चार दिन पहले काम के सिलसिले से लखनऊ आया था पिछले चार दिन से लॉक डाउन के चलते शहर से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं। हर बार बार्डर वाले एरिया में उन्हें रोक दिया जा रहा है। अब उनके पास पैसे भी खत्म हो गए हैं। उन लोगों ने कई बार ड्यूटी पर तैनात पुलिस कर्मियों से मिन्नत की लेकिन पुलिस ने उन्हें शहर से बाहर जाने की इजाजत नहीं दी। उन्हें वापस चिनहट की तरफ वापस रवाना कर दिया।

### सवारी नहीं मिली तो पैदल ही चल दिए

**देश** में लॉक डाउन के बाद दूसरे शहरों में काम करने वाले लखनऊ और आस-पास के लोगों ने वापसी करना शुरू कर दिया है। पिछले दो दिनों से हजारों लोग वापस लौटे हैं जो लखनऊ के आसपास इलाके के साथसाथ गोंडा, बहराइच से संबंधित है। बुधवार को एक दर्जन से ज्यादा युवा चारबाग से कमता तिराहे तक पैदल सफर कर पहुंचे। उनका कहना है कि उन्हें घर वापसी के लिए कोई सवारी नहीं मिल रही। घर वापसी करने वाले सूरज व अन्य युवकों का कहना है कि रोजगार बंद होने के चलते उनके पास कोई काम नहीं है। जिसके चलते वह घर लौट रहे है इन युवाओं ने अपने घर पहुंचे के लिए सरकारी और प्राइवेट गाड़ी से भी लिफ्ट मांगी लेकिन उन्हें लिफ्ट नहीं मिली। घंटों पैदल चलने के बाद थक कर सभी युवा कमता ओवर ब्रिज के नीचे धूप में बैठ गए।

### सवारी भरते समय पकड़ा ट्रैफिक पुलिस ने

**महिला** पॉलीटेकनिक के सामने से सवारी भरते समय एक एंबुलेंस को सेक्टर 8 चौराहे पर तैनात ट्रैफिक टीएसआई व कांस्टेबल ने पकड़ लिया। ट्रैफिक पुलिस ने एंबुलेंस ड्राइवर को जमकर फटकार लगाई। हालांकि उस समय एंबुलेंस में कोई मरीज नहीं था गाड़ी एंबुलेंस सर्विस से जुड़ी होने के चलते ट्रैफिक पुलिस ने ड्राइवर को चेतावनी देकर छोड़ दिया।

# लॉकडाउन का फायदा उठा रहे दुकानदार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

## ● परवल 120, भिंडी 100 व आटा 40 से 50 रुपए किलो बिक रहा

**लॉकडाउन** का कालाबाजारियों ने जमकर फायदा उठा रहे हैं। फुटकर सब्जियों की दुकानों पर परवल 120 रुपए, भिंडी 100 रुपए किलो तक बेच रहे हैं। आटा और दाल के दाम भी ग्राहकों से ज्यादा वसूल रहे हैं। बाजार के सूत्रों का कहना है कि माहौल को देखते हुए आटाए दाल और तेल की कालाबाजारी और जमाखोरी बढ़ गई है।

जनता कर्फ्यू और फिर लॉकडाउन से उपजे संकट का जमाखोर आटा की कालाबाजारी पर उतर आए हैं। दो दिन पहले थोक बाजार में आटा की कीमत 2150 रुपए कुंतल थी। वह मंगलवार को रात में ही अचानक बढ़कर 2400 रुपए तक पहुंच गई। बुधवार को हालत और खराब रही। बाजार के जानकारों का कहना है कि थोक बाजार में आटा की कमी बताकर इसके दाम बढ़ाए जा रहे हैं। जबकि आटा इन कालाबाजारियों के गोदामों

भरा पड़ा है। व्यापारी संजय अग्रवाल ने बताया कि तीन दिन पहले फुटकर बाजार में आटा की कीमत 23 से 24 रुपये प्रतिकिलो थी।

लेकिन अब 30 रुपए प्रतिकिलो के भाव में बिक रहा है। इसके साथ ही दाल की कीमत में दो से चार रुपए की बढ़ोत्तरी हुई है। अरहर दाल के दाम थोक में 67 रुपए बिक रही थी लेकिन अब फुटकर बाजार में यही अरहर दाल 80 रुपये के आसपास पहुंच गई है। चार दिन पहले 60 रुपए किलो बिकने वाला परवल अब 120 रुपए और भिंडी के दाम 30 से 35 रुपए से उछलकर 100 रुपए तक पहुंच गए। दिलचस्प बात यह है कि नरही बाजार के इर्दगिर्द अधिकारियों का रिहायशी इलाका है।

लेकिन कालाबाजारियों के हौंसले इतने बुलंद हैं कि उनके बीच नरही बाजार में ही टमाटर 50 से 60 रुपए परवल 120 रुपए और भिंडी 100 रुपये प्रतिकिलो के भाव में बेच रहे हैं। एचएएल सब्जी मंडी का भी हाल इससे कुछ अलग नहीं है। यहां भी आलू 40 रुपए, प्याज 40 से 45 रुपए और टमाटर 80 रुपए तक बेच रहे हैं। इन बाजारों के साथ ही आलमबाग, आशियाना, गोमतीनगर और महानगर में सब्जी के दाम इन्हीं दाम को आसपास ही हैं। वहीं जानकीपुरम, डंडइया बाजार और चिनहट में सब्जी के दाम आलू 30 रुपए, प्याज 30 से 35 और टमाटर 30 रुपए प्रतिकिलो के भाव में बिक रहा है।

# पुलिस की इंसानियत, पहुंचाई दवाई तो कहीं मजबूरों को कराया भोजन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

## ● सीनियर सिटीजन की कॉल पर पीआरवी ने पहुंचकर दी दवाई

## ● रोड पर घूमने वाले लाचारों को लोगों ने खाना खिलाया

**पुलिस** की छवि को हमेशा दोहरी निगाह से देखा जाता है। लॉक डाउन के दौरान सख्ती से नियमों का पालन कराने वाली पुलिस की इंसानियत का एक चेहरा बुधवार को देखने मिला। जहां एक सीनियर सिटीजन के कॉल पर न केवल मदद करने पीआरवी उनके घर पहुंची बल्कि उन्हें दवाई भी उपलब्ध कराई। वहीं लॉक डाउन के चलते रोज कमाने और खाने वाले लोगों को भोजन कराते भी नजर आई।

हजरतगंज के नरही स्थित शक्ति पल्ली में रहने वाले सीनियर सिटीजन सुधीर चंद्र खन्ना ने बुधवार को 112 नंबर पर कॉल किया। कॉल करके उन्होंने बताया कि दवाई की उन्हें बहुत ज्यादा जरूरत है। कॉलर की समस्या सुनने के बाद पुलिस कंट्रोल रूम से पीआरवी नंबर 4540 पर तैनात पुलिस कर्मियों को निर्देश जारी किया। पीआरवी में तैनात पुलिस कर्मियों ने कॉलर सुधीर चंद्र खन्ना से बात करने के बाद उनके जरूरत की दवाई घर आवास पर पहुंचाई। यहीं नहीं सीनियर सिटीजन का हाल लिया और किसी भी प्रकार की जरूरत पर मदद का आश्वासन दिया।

लॉक डाउन के चलते रोज कमाने और खाने वाले सैकड़ों लोग परेशान हैं। रोड पर जिंदगी गुजारने वाले लोगों को चौक इंस्पेक्टर विश्वजीत सिंह और हुसैनगंज के लोको चौकी इंचार्ज कमलेश राय ने भोजन कराया। पुलिस कर्मियों ने घर से लाए अपने खाने को उन्हें देकर उनका पेट भरा। यहीं नहीं नवरात्र के पहले दिन व्रत रहने के बाद भी ड्यूटी करने वाले पुलिस कर्मियों के लिए पुलिस लाइन से अलग व्यवस्था की गई। पुलिस लाइन से आई पुलिस की गाड़ी में फल रखकर पिकेट ड्यूटी में तैनात पुलिस कर्मियों को फल बांटा गया।

## अधिकतर दुकानों में सामान खत्म

**सरोजनीनगर।** सरोजनीनगर और बंथरा इलाके की अधिकतर किराना दुकानों से रोजमर्रा का सामान गायब हो चुका है। जिसकी वजह से बुधवार को इलाके की ज्यादातर परचून दुकाने बंद रहीं। कुछ गिनी चुनी दुकाने खुली भी तो वहां खरीदारों की भीड़ उमड़ पड़ी। भीड़ बढ़ती देख दुकानदारों ने भी अचानक सामानों के दाम महंगे कर दिए, लेकिन इसके बावजूद मजबूरन लोगों को महंगे दामों पर सामान खरीदना पड़ा। बताते चलें कि पिछले 3 दिनों से जनता कर्फ्यू और लॉक डाउन घोषित होने के कारण इलाके की अधिकतर परचून दुकानों पर रोजमर्रा का सामान बिक चुका है। जिसकी वजह से बंथरा, गौरी, बिजनौर, चिल्लावां, हाइडिल और चुंगी आदि इलाके की ज्यादातर किराना दुकानें बुधवार को बंद नजर आई। कुछ दुकानों के खुलने पर सामान खरीदने वालों की भीड़ इकट्ठा हो गई।

जिसको देखते ही दुकानदारों ने सामान के दाम बढ़ा दिए। उन्होंने लोगों से निर्धारित दाम के बजाय अधिक दाम लेकर ही उन्हें सामान दिया। आलम यह रहा कि बंथरा, गौरी और चिल्लावां बाजार के आसपास कुछ दुकानों के दुकानदार 50 किलो आटे की बोरी 1150 रुपए के बजाय दो- दो हजार रुपए तक में बेचते रहे। इसी तरह चीनी, सरसों का तेल व अन्य खाद्य सामग्रियों पर भी दुकानदारों ने निर्धारित दर से अधिक रकम वसूली। हालांकि दुकानदारों द्वारा सामान की अधिक कीमत लेने पर लोगों ने नाराजगी तो जाहिर की, लेकिन घर में खाने पीने का सामान खत्म हो जाने के कारण मजबूरन उन्हें अधिक दाम पर खरीदना पड़ा। नाम न छापने की शर्त पर एक दुकानदार का कहना है कि उसने राजधानी के अहियागंज से थोक रेट पर मैदा, चीनी और आटा मंगाया था, लेकिन शहर में ज्यादा सख्ती होने के कारण सामान लदी गाड़ी को आने नहीं दिया गया। जिसकी वजह से दुकान पर जरूरी सामान का टोटा पड़ गया है।

# पुलिस ने राजधानी आ रहे वाहन लौटाए

संवाददाता। सरोजनीनगर

**लॉकडाउन** का असर सरोजनी नगर और बंथरा इलाके में मंगलवार की अपेक्षा बुधवार को काफी अधिक रहा। इलाके की ज्यादातर सड़कों से इक्का-दुक्का वाहन छोड़कर अधिकतर गाड़ियां गायब रहीं। लखनऊ-उन्नाव सीमा पर कानपुर रोड सील होने के कारण उन्नाव की ओर से आने वाले अधिकतर वाहन सवारों को पुलिस की सख्ती से वापस लौटना पड़ा। बुधवार को इलाके में पुलिस भी काफी मुस्तैद दिखी। पूरे दिन कानपुर रोड पर पुलिस की गाड़ियां लोगों को घर के अंदर रहने के लिए अनाउंसमेंट करती रहीं। हालांकि एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास बाइक से बेवजह घूमने निकले कुछ स्थानीय युवकों ने पुलिस से बचकर सड़क से गुजरने की कोशिश की, लेकिन पुलिस की मुस्तैदी की वजह से वह कामयाब नहीं हो सके। बल्कि पुलिस ने लाठी फटकार कर उन्हें वहां से वापस भगा दिया। वहीं लखनऊ-उन्नाव सीमा में कानपुर रोड स्थित बनी से लगाकर कटीबगिया, जुनाबगंज, बंथरा, स्कूटर्स इंडिया चौराहा, हाइडिल तिराहा, नादरगंज तिराहा, एयरपोर्ट वीआईपी तिराहा और शहीद पथ तिराहे के अलावा चुंगी तिराहे तक जगह-जगह पुलिसकर्मी दिन भर सड़क पर डटकर राहगीरों को समझाते नजर आए। इस दौरान जगह-जगह बैरियर लगाकर इक्का-दुक्का निकल रहे वाहन सवारों को पुलिसकर्मियों ने बिना जरूरी काम के वहां से गुजरने नहीं दिया। जिसकी वजह से एक -आध वाहनों के आवागमन को छोड़कर ज्यादातर कानपुर रोड पर सन्नाटा ही पसरा रहा। नादरगंज तिराहे पर तैनात सिपाही दिनेश कुमार और एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे पर तैनात उपनिरीक्षक सुरजीत कुमार यादव की मानें तो केवल आवश्यक वस्तुओं के वाहनों को ही निकलने दिया गया। इसके अलावा साग -सब्जी, एलपीजी गैस, दूध और दवा लेने जाने वालों को ही सड़क पर निकलने दिया गया। फिलहाल कानपुर रोड सहित इलाके की अधिकतर गली मोहल्लों में पूरे दिन सन्नाटा ही छाया रहा।

## 400 पुलिस कर्मियों को दी पानी की बोतल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**लॉकडाउन** का पालन करा रहे पुलिस कर्मियों को ह्यूमन वेलफेयर इक्वल जस्टिस संस्था की ओर बुधवार को शहर के कई इलाकों में 400 बॉटल पानी का वितरण किया गया। संस्थापक हेमंत कुमार मिश्रा ने बताया कि लॉक डाउन में दुकानें बंद होने के कारण पुलिस कर्मियों को पानी की दिक्कत का सामना करना पड़ रहा है। ऐसे में उनकी संस्था की ओर से अभियान चलाकर पुलिस कर्मियों को पानी पिलाया जा रहा है। इस अभियान में संस्था के कार्यकर्ता अभिषेक मिश्रा, राकेश कुमार मिश्रा, रतन रावत, अभय सिंह यादव, उमेश यादव, कुंवर प्रताप सिंह, शुभम राजपूत, हर्षित गौड़, देशराज सिंह यादव, अमित घोष का विशेष सहयोग है।

## कई दिनों से लापता युवक का शव तालाब में मिला

**मोहनलालगंज।** थाना क्षेत्र के हुलास खेड़ा गांव में बीते कई दिनों से घर से लापता बीस वर्षीय युवक का शव तालाब में मिलने से हड़कंप मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इन्स्पेक्टर जीडी शुक्ल ने बताया किं कटुवा खेड़ा मजरा हुलासखेड़ा के रहने वाले प्यारेलालपुत्र ने सूचना दिया कि उसका पुत्र सुनीलकुमार रावत जो कि विक्षिप्त अवस्था में था बीते आठ दिनों से घर नही आया था, काफी खोज करने के बाद भी नही मिला, आज गांव वालों ने तालाब में बदबू आने की सूचना दी। इस पर वह मौके पर पहुंचा तो देखा कि उसके पुत्र का शव तालाब में पड़ा था, उसकी मृत्यु हो गयी थी। इस पर पुलिस ने मौके पर पहुँच कर शव को कब्जे में लेकर क़ानूनी कार्रवाई शुरू की है। परिजनों का कहना है कि मृतक सुनीलकुमार उम्र करीब 20 वर्ष जोमानसिक रूप से बीमार था।

## मालगाड़ी के आगे कूदकर की आत्महत्या

**लखनऊ।** पीजीआई कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की देर शाम एक युवक ने ट्रेन के आगे कूदकर आत्महत्या कर ली। वहीं परिजनो ने युवक का पोस्टमार्टम कराने से मना कर दिया। सोहनलाल चौधरी अपने परिवार के साथ वृंदावन योजना के सेक्टर 8 सी में किराए पर रहते है व रेलवे में कर्मचारी है । सोहनलाल ने बताया कि बेटा अभिषेक चौधरी 20वर्ष अपनी माँ से दोस्तों से मिलने की बात कहकर निकला था । कुछ देर बाद घर में सूचना मिली की घर से कुछ दूरी पर रेलवे लाइन के किनारे घायल अवस्था में पड़ा हुआ है । आनन फानन मे युवक को ट्रामा सेंटर टू लाया गया जहा डाक्टरों ने लोकबंधु अस्पताल रिफर कर दिया वहा पहुचने पर डाक्टरों ने घायल युवक को मृत घोषित कर दिया ।

## बाइक डिवाइडर से टकराई, किसान की मौत

**लखनऊ।** राजधानी के चिनहट इलाके में घर लौटने के समय एक किसान की बाइक आरटीओ ऑफिस देवा रोड के पास अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई जिससे किसान गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने उसे गंभीर अवस्था में राममनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया जहाँ इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार ग्राम कंचनपुर मटियारी चिनहट निवासी जितेंद्र सिंह ने बताया कि उसका भाई 18 शिव प्रताप सिंह बुधवार को प्रातः अपनी बाइक से घर जा रहा था। जैसे ही वह देवा रोड स्तिथ आरटीओ ऑफिस के पास पहुंचा तभी बाइक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गई और वह गम्भीर रूप से घायल हो गया आस पास के लोगों ने पुलिस को सूचना दी जिसे अस्पताल पहुंचाया गया जहाँ उसकी मौत हो गई। मृतक किसान है और अविवाहित था।

## संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत

**लखनऊ।** अमीनाबाद थाना क्षेत्र में एक महिला की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और छानबीन शुरू कर दी। अमीनाबाद के कसाईबाड़ा इलाके में रहने वाली सबीना उर्फ बेबी 35 की बीती मंगलवार रात एकाएक हालत बिगड़ गयी। परिवार वाले उन्हें बलरामपुरअस्पताल ले गये। जहां इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गयी। उनके पति शकील की पहले ही मौत हो चुकी है। वो बच्चों के साथ रहती थी। पति की मौतके बाद से वह काफी परेशान थी। शुरूआती छानबीन में इसी के चलते दिल कादौरा पडऩे से मौत होने की बात पुलिस कह रही है। फिलहाल पुलिस ने शव कोकब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मौत के कारणों कीजानकारी के लिए पीएम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है।

## मड़ियांव में पुलिस से अभद्रता करने पर केस

लखनऊ। मड़ियांव में लॉक डाउन में सचिवालय लिखी कार से फर्राटा भर रहे युवक को पुलिस से अभद्रता करना भारी पड़ गया। पुलिस ने आरोपित के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज की है। मड़ियांव थाने के एसएसआई मो.अहमद के मुताबिक मंगलवार पुलिस फोर्स के साथ रात करीब 9.30 बजे केशवनगर मोड़ के पास बैरियर लगाकर चेकिंग करवाने के साथ ही लोगों से लॉक डाउन का पालन करने के लिए घर मे ही रहने की अपील की जा रही थी। तभी केशवनगर की ओर से आ रही सचिवालय लिखी कार नंबर यूपी 32 एफजेड 1005 को रोक कर लॉक डाउन का हवाला देते हुए घर मे रहने की अपील की गई। जिस पर कार चला रहा शख्स खुद को सचिवालय में होने का हवाला देते हुए अभद्रता करने लगा। इंस्पेक्टर मड़ियांव विपिन कुमार सिंह ने बताया कि एसएसआई मो. अहमद की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी गई है।

## कंटेनर चालकों को पुलिस ने भोजन कराया

**निगोहां।** कोरोना वायरस की महामारी के बाद पूरे देश में लॉक डाउन के चलते रास्ते मे रुके बड़े वाहनों को मुकाम तक पहुंचने के लिए निकले चालकों को रास्ते मे ही रुकना पड़ा। बुधवार को पूरे देश मे लॉक डाउन के बाद चार कॉन्टेनर चालक 60 किलोमीटर पैदल चलकर निगोहां से गुजर रहे कॉन्टेनर चालक कुंडा प्रतापगढ़ निवासी रामकैलाश व फतेहपुर निवासी सुनील कुमार, प्रमोद व नगेन्द्र से जब पुलिस ने पूंछतांछ की तो बताया की वह लोग अटरिया इटौंजा से पैदल चलकर ऊंचाहार जा रहें है। वह लोग एक बाइक शोरूम के कॉन्टेनर चलाते हैं। टोल प्लाजा पर खड़े ट्रक चालक पिछले 3 दिनों से भूखे थे जिन्हें निगोहां थाने के दरोगा शिवकांत मिश्रा ने उनकी आपबीती सुन उन्हें तत्काल दूसरी जगह से खाने की व्यवस्था कर उनको खाना खिलाया।

## लॉक डाउन में लखनऊ पुलिस ने पकड़े कई शातिर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

**राजधानी** के विभिन थाना क्षेत्रों में फैली कोरोना की दहशत के बाद भी लखनऊ पुलिस लगातार अपराधियों की गिरफ़्तारी के रिकार्ड तोड़ कर शातिरों को गिरफ्तार कर जेल पंहुचा रही है। जबकि उसके सामने लॉकडाउन को सफल बनाने की एक बड़ी चुनौती है लेकिन उसके बाद भी पुलिस नमी गिरामी अपराधियों को पकड़ रही है आज भी पुलिस ने करीब एक दर्जन अपराधियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने थानाठाकुरगंज से 1, तालकटोरा से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। वही डीसीपी उत्तरी के नेतृत्व में जानकीपुरम थाने के एसआइ शिवनरायन सिंह ने नरेश सिंह निवासी ग्राम मिर्जापुर में ठेकादेशी शराब के बाहर जानकीपुरम से गिरफ्तार किया जिसके कब्जे से सत्रह देशी शराब के क्वार्टर बरामद किया। इसके आलावा डीसीपी सेन्ट्रल के नेतृत्व में बंथरा पुलिस के एसआई श्रीनागेन्द्र सिंह ने संजय शुक्लापुत्र स्व कृष्णकुमार शुक्ला निवासी खाण्डेदेव थाना बंथरा लखनऊ व जनार्दन श्रीवास्तव पुत्र स्व केशन श्रीवास्तव निवासी खाण्डेदेव थाना बंथरा लखनऊ को ग्राम खाण्डेदेव से गिरफ्तार किया जिनके कब्जे से 25 पाउवा अवैध देशी शराब बरामद हुयी। इसके आलावा डीसीपी दक्षिणी के नेतृत्व में काकोरी पुलिस के एसआई सुधीरकुमार यादव ने रामचन्द्र उर्फ सुशील को मेंहदी नगर से गिरफ्तार कियाए जिसके कब्जे से 05 लीटर अवैध शराब बरामद की गयी।

# लॉकडाउन के दौरान भुखमरी से मौत होने पर गांव के प्रधान और सचिव होंगे जिम्मेदार

संवाददाता। मोहनलालगंज

**लॉकडाउन** के दौरान ग्रामीण इलाके में किसी गरीब की भुखमरी से मौत होने पर गांव के प्रधान और सचिव को जिम्मेदार ठहराया जाएगा। जिला प्रशासन ने सभी बीडीओ को आदेश जारी कर गरीबो को खाद्यान्न मुहैया कराने के लिए सूची तलब की है। वहीं ग्रामीण इलाके में लॉकडाउन का पालन कराने की जिम्मेदारी भी प्रधान और सचिव को ही सौंपी गई है।

मोहनलालगंज समेत राजधानी के सभी ब्लाक की ग्राम पंचायतो में कोरोना वायरस से बचाव के लिए ग्रामीण बेवजह घरो से बाहर नही निकले इसे लेकर व्यापकता जागरुकता लाकर लॉकडाउन का कड़ाई से पालन कराने के लिए सभी प्रधान और सचिव को जिम्मेदारी दी गई है। इस दौरान गरीब परिवारो को खाद्यान्न के अभाव में भुखमरी का सामना नही करना पड़े इसके लिए सीडीओ मनीष बंसल ने सभी बीडीओ से गरीब और जरुरतमंद परिवारों की सूची मांगी है। जिससे उन्हें समय रहते जरुरत के मुताबिक खाद्यान्न मुहैया कराया जा सके। जिला विकास अधिकारी डीके दोहरे ने बताया ग्रामीण इलाके में किसी भी शख्स की भूख से मौत होने पर प्रधान और सचिव की जिम्मेदारी होगी। ऐसी संकट की घड़ी में अपनी जिम्मेदारी निभाने में लापरवाही बरतने वाले सचिव और प्रधान के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाएगी।

### लाउडस्पीकर से किया जा रहा जागरूक

**मोहनलालगंज** इलाके में कोरोना वायरस के प्रति ग्रामीणो को व्यापक तौर पर जागरुक करने के लिए प्रशासन ने जागरुकता वैन से एनाउंसमेण्ट शुरु कराया है। बीडीओ भोलानाथ कनौजिया ने बताया यह वैन सभी पंचायतो में भेजकर लोगो को लॉकडाउन की जरुरत बताकर कोरोना वायरस के प्रति सचेत किया जाएगा। बुधवार को हाईवे पर वैन दौड़ा कर लोगो को लाउडस्पीकर की मदद से जागरुक किया गया।

### गांवों में भी जरुरी सामग्री की सप्लाई की मांग

**मोहनलालगंज** ब्लाक के गांवो में गुजर-बसर कर रहे ग्रामीणो ने डिला प्रशासन से सचिव और प्रधान की मदद से मोहल्ले वार साबुन, मंजन, सब्जी, दूध, खाद्यान्न समेत अन्य जरुरी सामग्री की डोर स्टेप डिलीवरी की व्यवस्था कराने की मांग की है। ग्रामीणो का कहना है कि सभी लोग लॉकडाउन का पूरी तरह से पालन करें इसके लिए उन्हें मोहल्ले में जरुरी सुविधाएं मिलना बेहद आवश्यक हो गया है।

### गोले में खड़े होकर करनी होगी खरीदारी

**राशन** और मेडिकल स्टोर पर खरीदारी करने के लिए पुलिस और प्रशासन के अधिकारी गोले खींचकर चिन्हित कर रहे हैं। इन्ही निर्धारित गोलो में खड़े होकर लोग सोशल डिस्टेन्स मेन्टेन कर जरुरी सामग्री की खरीदारी कर सकेंगे। हालांकि थोक दुकानदारो से गांव की किराना दुकानो में राशन समेत अन्य जरुरी सामग्री की सप्लाई नही हो पाने से ग्रामीणो को बेहद असुविधा का सामना करना पड़ रहा है। जिसे लेकर दुकानदारो ने पुलिस से मदद मांगी है।

## अभिभावक संघों ने की बच्चों से यात्रा न करने की अपील

**लखनऊ।** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश के बाद अभिभावक संघों ने अपील की है कि विभिन्न जिलों के बच्चे यात्र न करें जो जहां है वहीं पर रहे। दरअसल मुख्यमंत्री ने कोरोना से बचाव के लिए आयोजित बैठक में प्रत्येक जनपद में जिला पैरेण्ट्स, मातृ एसोसिएशन से यह अनुरोध करने के निर्देश दिए थे कि वह अपने बच्चों से अपील करें कि वे जहां भी हैं, वहीं सुरक्षित रहें और यात्रा न करें, क्योंकि यात्रा करने में इस रोग के संक्रमण की अधिक संभावना है। यह वायरस जनित रोग है, जो व्यक्तियों के संपर्क में आने से फैलता है। इसलिए यात्रा करने से व्यक्तियों में संक्रमण की संभावना अधिक हो जाती है। राज्य सरकार के प्रवक्ता ने बताया कि प्रमुख सचिव माध्यमिक शिक्षा आराधना शुक्ला के निर्देश पर प्रदेश के समस्त जिला विद्यालय निरीक्षकों द्वारा अपने-अपने जनपदों में अभिभावक शिक्षक संगठनों एवं अभिभावकों से संपर्क किया गया।

# राशन की दुकानों पर सतर्कता बरतने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

## ● मशीन को डिटॉल और कपड़े से साफ करने के बाद ही लगेगा दूसरे कार्ड धारक का अंगूठा

**अब** राशन की दुकानों पर खाद्यान्न लेने के लिए भीड़ नहीं लगेगी। डीलरों को राशन कार्ड धारकों को धीरे-धीरे बुलाने के लिए निर्देश दिए हैं। साथ ही डीलर दुकान के बाहर पहले कार्ड धारक के हाथ धुलवाएंगे। उसके बाद मशीन पर अंगूठा लगवाएंगे। साथ ही मशीन को डिटॉल और कपड़े साफ करने के बाद दूसरे कार्ड धारक का अंगूठा लगवाने के निर्देश डीएसओ द्वारा दिए गए हैं।

जिले में गरीब तबके के लोग राशन की दुकान से खाद्यान्न लेते हैं। मार्च माह का अंत चल रहा है। अप्रैल माह के शुरुआत में खाद्यान उठाने के साथ वितरण शुरू होगा। इसके लिए जिला खाद्य आपूर्ति विभाग ने डीलरों के लिए गाइड लाइन जारी कर दी है। राजधानी में संचालित राशन की दुकानों पर साबुन, हैंडवॉश, सैनिटाइजर के साथ साफ पानी की व्यवस्था हो। राशन वितरण के समय ऐसी व्यवस्था की जाए कि भीड़ एकत्रित नहीं हो। कार्ड धारकों को इस प्रकार बुलाएं कि भीड़ एकत्रित नहीं होने पाए। किसी कार्ड धारक का मशीन पर अंगूठा लगवाने से पहले उसके हाथों को सही तरीके से साफ कराएं। तभी मशीन पर अंगूठा लगवाया जाए फिर अंगूठा लगवाने के बाद मशीन को डिटॉल से साफ कर कपड़े से साफ करें।

दूसरे प्रदेशों से आए हुए लोगों को न बुलाकर उनके परिवार के किसी सदस्य बुलाकर ही आधार प्रामीकरण करा कर राशन वितरण करना सुनिश्चित करें। खाद्यान वितरण के दौरान मॉस्क व ग्लब्स पहनकर ही कर्मी काम करें। गोदामों पर भी साबुन, सैनिटाइजर आदि की व्यवस्था की जाए। इस मामले में जिला पूर्ति अधिकारी सुनील सिंह का कहना है कि राशन डीलरों को गाइड लाइन जारी की गई है।


## कार्यालय नगर पालिका परिषद, मुँगरा बादशाहपुर, जौनपुर

पत्रांक–659/न0पा0प0मुँ0बाद0–2019–20/ दिनांक–24.03.2020

### ई–टेन्डर निविदा सूचना (अति अल्पकालिक)

नगर पालिका परिषद मुंगरा बादशाहपुर जौनपुर के समस्त पंजीकृत एवं शासनादेश स0 3890/नौ–5–19–149 सा/2019 लखनऊ दिनांक 20.09.2019 के अनुसार ठेकेदारों/ फर्मो को सूचित किया जाता है कि 14वाँ वित्त आयोग निधि के तहत प्राप्त धनराशि से विभिन्न निर्माण/आपूर्ति कार्यों को करने हेतु ई–निविदा उत्तर प्रदेश की ई–प्रोक्योरमेण्ट की वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर निम्न शेड्यूल के अनुसार आमंत्रित की जाती है। ई–निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण, नियम/शर्ते वेबसाईट पर देखी जा सकती है।

ई–टेन्डर शिड्यूल

| क्र.सं. | विवरण | दिनांक व समय |
|---|---|---|
| 1 | आनलाईन निविदा प्रकाशन की तिथि एवं समय | 25.03.2020, अपरान्ह 2:00 बजे |
| 2 | ठेकेदार/फर्म द्वारा आनलाईन निविदा अपलोड करने की तिथि एवं समय | 25.03.2020, अपरान्ह 3:00 बजे |
| 3 | ठेकेदार/फर्म द्वारा आनलाईन निविदा अपलोड करने की अन्तिम तिथि एवं समय | 31.03.2020, अपरान्ह 2:00 बजे |
| 4 | निविदा खोलने की तिथि एवं समय | 31.03.2020, अपरान्ह 3:00 बजे |

अधिशासी अधिकारी
न.पा.प.मु.बादशाहपुर
जौनपुर

अध्यक्ष
न.पा.प.मु.बादशाहपुर
जौनपुर

# देशव्यापी लॉकडाउन

## आर्थिक नतीजों से निपटने की चुनौती

**ईमानदारी** से कहा जाए तो वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने प्रेस सम्मेलन में किसी राहत पैकेज की घोषणा नहीं की, जबकि कोविड-19 वैश्विक महामारी के विस्तार को देखते हुए इसकी आवश्यकता थी। केवल टैक्स मुद्दों से निपटने का समय बढ़ाया गया। असंदिग्ध रूप से और बहुत कुछ जरूरी था। इन रियायतों में ब्याज जुर्माने में कमी के साथ ही कुछ योजनाओं का विस्तार भी शामिल होना चाहिए था। यह भी तथ्य है कि अगले तीन महीनों में बैंकों में डेबिट कार्ड पर न्यूनतम बैलेंस न होने की घोषणा की गई जो स्वागत योग्य है। लेकिन देश और नागरिक ज्यादा की उम्मीद कर रहे थे। वे राहत पैकेज चाहते थे। बड़े निगमों के साथ ही दैनिक वेतनभोगी तक उम्मीद कर रहे थे कि सरकार कोविड के आर्थिक प्रभावों से निपटने के लिए कुछ उपायों की घोषणा करेगी। इसमें एक प्रकार का राहत पैकेज, कुछ आंकड़े व कुछ तरलता उपायों की आशा थी। आरबीआई ने पहले ही वित्त वर्ष का विस्तार 30 जून तक कर दिया है। निश्चित रूप से इससे दीवालिया कानून के कुछ प्राविधान निष्प्रभावी हो जाएंगे। सरकार ने युनाईटेड पेमेंट इंटरफेस-यूपीआई जैसा कदम उठाया है, पर जनता से यह आह्वान करना भी जरूरी था कि वह बैंकों को न जाए। पूर्णतः स्पष्ट होता जा रहा है कि भारत में वूहान से पैदा महामारी 31 मार्च को समाप्त नहीं होगी। दुनिया के सबसे बड़े लाकडाउन की सफलता से पता चलेगा कि इस बीमारी का विस्तार कितना धीमा हुआ। महामारी से निपटना जरूरी है, लेकिन सरकार की आर्थिक नीतियों की आलोचना भी हो रही है। अर्थव्यवस्था पहले ही सुस्ती का शिकार थी।

बीमारी फैलने के बाद इसमें और गिरावट की आशंका है। 'आक्सफोर्ड इकोनोमिक्स' ने जनवरी-अप्रैल में भारतीय अर्थव्यवस्था की 3 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान लगाया है जो अभूतपूर्व वैश्विक वित्तीय संकट के समय भी नहीं था। पहली बार रुपया गिर कर प्रति डालर 76 रुपये तक पहुंचा है। विदेशी निवेशकों ने अभूतपूर्व गति से भारतीय शेयर बेचना शुरू कर दिए हैं। आशंका है कि किसी न किसी रूप में लाकडाउन अप्रैल मध्य तक जारी रहेगा। भारत द्वारा बिजनेस, ट्रेन व विमान यात्रा खोलने तथा जनजीवन सामान्य होने में कई सप्ताह लगेंगे। इस वर्ष के मध्य तक कुछ अंतरराष्ट्रीय वाणिज्यिक उड़ानें चलने लगेंगी और तब तक पश्चिमी यूरोप व अमेरिका में बीमारी कमजोर पड़ जाएगी। इससे विदेशों में रहने वाले भारतीयों तथा देश में उनके परिवारों को काफी तकलीफ होगी। विडंबना है कि इस बीच कई बच्चों के अपने माता या पिता के अंतिम संस्कार में भाग न ले सकने की दु:खद खबरें सामने आ सकती हैं।

स्पष्ट है कि विस्तारित लाकडाउन का अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक झटका लगेगा। कुछ राज्य सरकारों ने दैनिक श्रमिकों को मुफ्त राशन तथा सीमित वित्तीय सहायता की घोषणा की है, पर शहरी केन्द्रों में भारत के आंतरिक विस्थापित बेघरबार हैं। बिहार व झारखंड वापस चले गए इन करोड़ों गरीबों तक पहुंच बहुत मुश्किल होगी। सरकारें उनको कितने पैसे दे सकती हैं? यह पैसा कहां खर्च किया जाएगा? क्या भारत भारतीय अर्थव्यवस्था के अनेक क्षेत्रों के बचे रहने के लिए पैसा खर्च करने में सक्षम होगा जिनमें उड्डयन व पर्यटन सबसे ऊपर हैं? नरेन्द्र मोदी सरकार के लिए यह काम आसान नहीं होगा। किस्मत ने तय किया है कि वे इस संकट के समय हमारे प्रधानमंत्री हैं। इस संकट के निपटने से न केवल अगले कुछ वर्ष, बल्कि अगले तीन दशक तक तय होगा कि जनता उनको किस तरह देखेगी।

# भारत-चीन के बीच संतुलन कैसे बनाए नेपाल

**नेपाल के लिए भारत और चीन के बीच संतुलन बनाना बहुत चुनौतीपूर्ण है। इसी प्रकार उससे अमेरिका व बीजिंग के बीच कठिन संतुलन बनाने की उम्मीद की जाती है। भारत को चीन द्वारा छोड़े स्पेस पर कब्जे का प्रयास करना होगा।**

**अशोक के मेहता**
लेखक सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

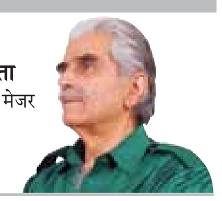

मैं हर साल दो बार नेपाल जाता हूं, एक बार होली के समय और दूसरी बार दशहरा के बाद आने वाले तिहार, यानी नेपाली भैया दूज के समय। आमतौर से मैं काठमांडू की उड़ान भरता हूं, वहां दो या तीन दिन बिताता हूं, फिर दो सप्ताह की ट्रैकिंग के लिए पोखरा जाता हूं और वापस लौट आता हूं। इस बार होली के पहले काठमांडू का मौसम खराब था, ठंडक थी और बरसात हो रही थी। इसके साथ ही कोरोना का भय भी था। हालांकि, काठमांडू में केवल एक संक्रमित मिला था और आज भी वही स्थिति है। इसी सप्ताह नेपाल ने 31 मार्च तक संपूर्ण लाकडाउन की घोषणा की। उसकी 30 मिलियन जनसंख्या का लगभग एक तिहाई हिस्सा विदेश में काम करता है जिनमें मुख्यतः मध्यपूर्व, दक्षिणपूर्व एशिया व भारत शामिल हैं। उनकी कमाई नेपाल के 35 मिलियन डालर के सकल घरेलू उत्पाद-जीडीपी का एक तिहाई है।

कचरे व प्रदूषण के कारण काठमांडू व अन्य स्थानों पर बहुत से नेपाली साल भर मास्क लगाते हैं। त्रिभुवन इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर सब कुछ सामान्य लग रहा था, हालांकि टेम्परेचर गन से लोगों का तामपान देखा जा रहा था। नेपाल ने फिलहाल जलवायु परिवर्तन पर तीन-दिवसीय सम्मेलन 'सागरमाथा संवाद' रद्द कर दिया है और विदेश मंत्री प्रदीप ग्यावली ने कहा है कि अब यह अक्टूबर में होगा। उन्होंने यह भी कहा कि वे भारत-नेपाल संबंधों से संतुष्ट हैं क्योंकि जल्द ही कालापानी पर विदेश सचिव स्तरीय वार्ता शुरू होने वाली है तथ इस बारे में प्रमुख लोगों के समूह-ईपीजी की रिपोर्ट आने वाली है।

शनिवार, 6 मार्च को छुट्टी वाले दिन नेपाल के इंस्टीट्यूट फार इंटरनेशनल कोआपरेशन एंड इन्गेजमेंट में मेरे भाषण में काफी लोग मौजूद थे। इसके पहले कोरोनावाइरस व विश्व अर्थव्यवस्था पर प्रस्तुतीकरण हुआ था। मेरे भाषण का विषय था- 'इंडिया-नेपाल रिलेशन्स: माइंड द गैप-व्हेयर चाइना फिट्स इन'। राजधानी के प्रमुख अंग्रेजी अखबार काठमांडू पोस्ट ने हाल ही में चीनी दूतावास द्वारा पूर्व अमेरिकी राजदूत द्वारा कोरोनावाइरस पर प्रायोजित एक स्तंभ की घोर आलोचना पर गुस्सा प्रकट किया। इस स्तंभ में चीन की आलोचना की गई थी। हालांकि, नेपाली मीडिया ने अपने कामकाज में इस घुसपैठ की कठोर निन्दा की है, पर प्रधानमंत्री केपी ओली के नेतृत्व वाली सरकार ने इस पर एक शब्द नहीं कहा है।

राजशाही के दौरान चीनी कहते थे कि वे नेपाल सरकार के आंतरिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करते हैं। लेकिन अब यह अतीत की बात हो गई है। नेपाली संविधान द्वारा गारंटी की गई स्वतंत्रताओं पर चीनी हमले पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया न आना आश्चर्यजनक नहीं था। भारत द्वारा हुए ऐसे किसी प्रयास का मीडिया व नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी द्वारा भारी विरोध किया जाता जिसे चीन-समर्थक माना जाता है। क्लाइव हैमिल्टन की 'साइलेंट इन्वेज़न: चाइनाज़ इन्फ्लूएंस इन आस्ट्रेलिया' तथा जोनाथन मैंथ्राप की 'क्लाज़ आफ पांडा: बीजिंग्स कैंपेन आफ इन्फ्लूएंस एंड इंटीमिडेशन इन कनाडा' पुस्तकों में चीन की वैश्विक पहुंच तथा उसकी बेशर्म घुसपैठ का वर्णन किया गया है।

बाकी दुनिया की तरह नेपाल में भी राजनीति को तगड़ा झटका लगा है। इसका कारण ओली का स्वास्थ्य व कोरोनावाइरस का प्रसार है। ओली के दूसरी बार किडनी ट्रांसप्लांट के बाद के बाद चर्चा का मुख्य विषय उनका राजनीतिक पुनर्जीवन था। जब तक उनका स्वास्थ्य इतना खराब नहीं होता कि उनको कामकाज से अलग कर दे, तब तक वे रिमोट कंट्रोल से देश चलाते रहेंगे। सौभाग्य से कोरोनावाइरस महामारी पर फिलहाल नियंत्रण है और पूरे नेपाल में जीवन बिना किसी भय या आशंका के चल रहा है।

मैं होली के एक दिन पहले एयर बुद्धा के विमान से पोखरा पहुंचा जिसमें केवल 25 मिनट लगे। नेपाली कांग्रेस के बुद्धिमान गुरुंग की एकमात्र बीएमडब्लू मुझे पोखरा के 15 किलोमीटर पूरब में स्थित लामियाहल ले गई। यहां 6,000 फीट की ऊंचाई पर स्थित आनफू गांव के नवनिर्मित मानीथान मंदिर में होली मनाई गई।

यहां भेल, यानी मुर्गों या बोका, यानी बकरों की इतनी अधिक बलि दी जाती है कि पहाड़ी का भूरा शिखर लाल हो जाता है। पुजारी पहले भेल व बोका को बलि के लिए मनाता है फिर खुखरी से उसका सिर धड़ से अलग कर देता है। इसके साथ ही सूखे रंग उड़ाए जाते हैं, स्थानीय लोग नाचते व मदिरा पीते हैं तथा आदिवासी गुरुंग अपना सबसे अच्छा प्रदर्शन करते हैं। लामेहाल से एक झूलते पुल से सेती नदी पार करने के बाद लगभग दो घंटे चढ़ाई के बाद आनफू चोटी आती है जहां रोज ट्रैकिंग की जाती है।

हालांकि, 2023 में होने वाले अगले चुनाव में ओली नीत नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एनसीपी सरकार में परिवर्तन की संभावना नहीं है, पर परोक्ष रूप से ओली व पार्टी अध्यक्ष पुष्प कमल दहल प्रचंड में सत्ता संघर्ष जारी है और यह चर्चा का विषय है। ओली के खराब स्वास्थ्य को देखते हुए प्रचंड अपनी रणनीति सावधानी से बना रहे हैं ताकि जल्दी ही काठमांडू में सत्ता संरचना बदल जाए। इस समीकरण में पूर्व नेपाली प्रधानमंत्री माधव कुमार नेपाल को प्रधानमंत्री तथा झालानाथ खनल को राष्ट्रपति बनाया जा सकता है, जबकि प्रचंड पार्टी के अविवादित अध्यक्ष बने रहेंगे। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की तरह नेपाल में विपक्षी नेपाली कांग्रेस का पतन हो रहा है। नेपाली कांग्रेस-एनसी तीन टुकड़ों में बंट गई थी जिनके नेता एसबी देउबा, आरसी पोडियाल व केपी सितौलिया थे। इसके दो और गुट हैं जो कोईराला की विरासत का दावा करने वाले तथा गणेश मान सिंह के समूह हैं। नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी तथा नेपाली कांग्रेस के पहले व चौदहवें सम्मेलन 2021 में होने हैं।

नेपाली कांग्रेस में देउबा सर्वोच्च नेता हैं, जबकि अन्य पार्टियों ने गुटबाजी से बचने के लिए सामूहिक नेतृत्व का रास्ता अपनाया है। उदाहरण के लिए, हाल ही में विलय के बाद बनी व राजशाही समर्थक राष्ट्रीय प्रजातंत्र पार्टी में तीन अध्यक्ष हैं। राष्ट्रीय जनता पार्टी-आरजेपी में महंत ठाकुर के नेतृत्व में 6 सदस्यों का अध्यक्ष मंडल है। समाजवादी पार्टी-एसपी में तीन नेता-पूर्व प्रधानमंत्री बाबूराम भट्टराई, उपेंद्र यादव व अशोक राय हैं। आरजेपी और एसपी संयुक्त रूप से प्रांत संख्या 2 में सत्तारूढ़ हैं और वे एकीकरण वार्ता के बाद विलय का प्रयास कर रही हैं। वे ओली सरकार पर दबाव डाल रही हैं कि संविधान में संशोधन कर मधेशियों, जनजातियों व हाशियाकृत समुदायों के मुद्दों को संबोधित किया जाए।

दो साल से विपक्षी पार्टियां शिकायत कर रही हैं कि सत्तारूढ़ नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी-एनसीपी में घोटालों की भरमार है। इनमें सोना घोटाला, चौड़े पेटों वाला विमान घोटाला, एनसेल घोटाला तथा ओली के निकट सहयोगी बांसकोटा द्वारा किए घोटाले शामिल हैं। एनसीपी में कुशासन व्याप्त है और वह किसी वैकल्पिक रास्ते का सुझाव नहीं दे रही है। चीन यह सुनिश्चित करने का प्रयास करेगा कि एनसीपी एकजुट रहे तथा सरकार न गिरे, भारत किसी के पक्ष में या सरकार परिवर्तन के पक्ष में खड़ा नहीं दिखना चाहता है। नेपाल सरकार अमेरिका प्रायोजित मिलीनियम चैलेंज कार्पोरेशन-एमसीसी व हिंद प्रशांत जैसे मामलों पर विचार कर रही है जिसे चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशियेटिव-बीआरआई का जवाब तथा उसे सीमित करने वाला माना जाता है। नेपाल के लिए भारत और चीन के बीच संतुलन बनाने की चुनौती काफी कठोर है। इसके साथ ही वह अमेरिका और चीन के बीच संतुलन बनाने के प्रयास में जैसे तलवार की धार पर चल रहा है।

भारत के लिए, चीन द्वारा खोए स्पेस पर कब्जा करना एक दीर्घकालीन लक्ष्य हो सकता है। इस बीच वह 2015 की नाकेबंदी के बाद अपनी खराब हुई छवि सुधारने का प्रयास कर सकता है जिसके कारण भारत-विरोधी भावनायें भड़की थीं तथा चीन को बढ़ावा मिला था। भारत ने यह काम सक्षम व उत्साही राजदूत विनय क्वात्रा को सौंपा है। 18 मार्च को नई दिल्ली वापस लौटने के लिए मैं पोखरा हवाईअड्डे पहुंचा। मेरे एक नेपाली मित्र ने मुझे एक प्रस्ताव किया, 'मेहता जी आप कोरोनावाइरस संक्रमण समाप्त होने ते लामेहाल में क्यों नहीं रुक जाते हैं?' नोयडा लौटने पर मैं राम विहार तक सीमित होकर रह गया हूं, जबकि नेपाल में आनफू पहाड़ी पर चढ़ते हुए मैं ताजी हिमालयी हवा का रोज आनन्द लेता था।

# शिक्षा हेतु संचार प्रौद्योगिकी का प्रयोग जरूरी

> सभी घरों को संचार तकनीक के माध्यम से विद्या अध्ययन के केंद्रों में रूपांतरित करना संभव है। लेकिन हम इसके लिए तैयार ही नहीं हैं।

**सी बी शर्मा**
(लेखक राष्ट्रीय मुक्त विद्यालय संस्थान के अध्यक्ष हैं)

आपदाओं के समय स्वास्थ्य और शिक्षा सभी परिवारों व सरकारों के लिए चिंता के मुख्य विषय होते हैं। जो सरकारें कठिन समय के दौरान अपने देश का नेतृत्व करने के लिए विचार एवं नियोजन करती हैं वे निश्चित रूप से किसी भी त्रासदी से बच जाते हैं। कोरोनावायरस से फैली वैश्विक महामारी के कारण विश्व एक भीषण संकट से गुजर रहा है। अस्पताल मरीजों से भरे हुए हैं और विद्यालय बंद हैं। यह समय दोष निकालने का नहीं लेकिन निश्चय हीयह इस बात का परीक्षण करने का अवसर है कि भारत इस स्थिति के लिए कितना तैयार है। और अब हमें क्या करना चाहिए जिससे कि यह संकट समाप्त होने के बाद भविष्य में फिर कभी ऐसी स्थिति आने पर देश उसके लिए तैयार रहे।

संकट के दौरान पेशेवरों और विशेषज्ञों का अभाव है। फिलहाल, स्वास्थ्यरक्षा पेशेवरों की संख्या कम है और शिक्षकों की भी, क्योंकि बच्चे स्कूल नहीं जा सकते और शिक्षक विद्यार्थियों को पढ़ाने के लिए घरों में नहीं जा सकते। चिकित्सा सुविधाओं के मामले में, हम विद्यालय भवनों को अस्पतालों में बदल सकते हैं लेकिन हम प्रत्येक घर-परिवार को कक्षा में कैसे तब्दील कर सकते हैं? किसी भी तरह हम शिक्षकों की संख्या कई गुना नहीं कर सकते और द्वार पर शिक्षा सुविधाएं नहीं ला सकते। मगर सभी परिवारों को आधुनिक संचार प्रौद्योगिकी के प्रयोग के द्वारा विद्या अध्ययन के केंद्रों में तब्दील कर सकते हैं। शुक्र है कि हम इलेक्ट्रानिक संचार व्यवस्था बनाए रखने में सक्षम हैं और इसका इस्तेमाल सभी घरों को अकादमिक पाठ पढ़ने के लिए किया जा सकता है। अब समय आ गया है कि इस दिशा में हमारे द्वारा की गई पहलकदमियों का पुनरीक्षण किया जाए।

2002 में, अटल बिहारी वाजपेयी सरकार के दौरान, निर्णय लिया गया था कि हमें शिक्षा की जरूरतों के मद्देनजर एक उपग्रह प्रक्षेपित करने की आवश्यकता है क्योंकि स्कूलों, शिक्षकों एवं संबंधित सुविधाओं का अभाव बना हुआ है। परिणामतः सितम्बर 2004 में, हमने एडुसैट के नाम से एक शैक्षणिक उपग्रह का प्रक्षेपण किया था। इस उपग्रह पर खर्च बहुत भीषण था और किसी उपग्रह को केवल शिक्षा के लिए समर्पित करने का निर्णय आसान नहीं है। लेकिन भारत को निश्चित रूप से ऐसा करने की आवश्यकता थी क्योंकि बड़ी संख्या में विद्यार्थी, जो देश के विभिन्न हिस्सों स्थापित संस्थाओं में अच्छे शिक्षकों के अभाव को देखते हुए, इसका लाभ उठा सकते हैं। उपग्रह का जीवनकाल सात वर्ष था लेकिन वह 2010 में निष्क्रिय हो गया और हम उसकी क्षमता का दस प्रतिशत उपयोग भी नहीं कर पाए।

2015 में, पुनः, तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने दो पहलें कीं। एक थी व्यापक ओपेन आनलाइन पाठ्यक्रम मंच का आगाज़ जिसे एसडब्लूएवाईएएम- स्वयं, के नाम से जाना जाता है और दूसरी बकेट आफ डायरेक्ट टू होम चैनलों की शुरुआत की गई जिसे स्वयं प्रभा के नाम से जाना जाता हहै। दोनों ही मंच विद्यालय पूर्व से डाक्टोरल अध्ययनों तक सामग्री कवर करते हैं। किसी भी अन्य देश के अन्य किसी मंच की तुलना में इन दोनों में सहभागिता की मात्रा ज्यादा है लेकिन फिर भी वर्तमान संकट के दौर में ये अपेक्षानुरूप अंतराल को पाटने में सक्षम नहीं हैं। एक बड़ी संख्या में माध्यमिक स्कूलों के छात्र चैनल नंबर 27, पाणिनि देखते रहे हैं और उच्चर माध्यमिक छात्र चैनल नंबर 28, स्वयं प्रभा डीटीएच चैनलों को देख रहे हैं। हालांकि, विद्यार्थियों की संख्या की तुलना में, जो घरों में सीमित हैं, दर्शकों की संख्या बहुत कम है। प्रसारण के साथ एक सजीव प्रश्नोत्तर सत्र भी चलाए जाते हैं जहां शिक्षक छात्रों की जिज्ञासाओं का उत्तर देते हैं जब वे टोल फ्री नंबरों पर काल करते हैं।

यह एक नेता की दूरदर्शिता थी और यदि हमने अपने प्रयासों से इसे आगे बढ़ाया होता तथा सभी माध्यमिक व उच्चतर माध्यमिक विद्यार्थियों का उस समय इन मंचों से जोड़ा होता, तो हमें कम से कम अकादमिक सत्र आदान-प्रदान के लिए, अपने स्कूल बंद करने के बारे में चिंता न करनी पड़ती।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी चाहते हैं कि भारत उपग्रह के माध्यम से सभी राज्यों के विद्यार्थियों व पड़ासी देशों तक पहुंचे और उन्होंने संसद में अपने भाषण के दौरान इसका उल्लेख किया था। प्रधानमंत्री की इच्छा को ध्यान में रखकर ईरानी ने भारत वाणी परियोजना की पहल की जिसमें इबारती पुस्तकों को भारत की 100 मातृभाषाओं में विकसित किया गया। और क्षेत्रीय सहयोग के लिए दक्षिण एशियाई देशों के संघ (दक्षेस) में विद्यार्थियों तक पाठ्य सामग्री उनकी अपनी भाषा में मुहैया कराने की मोदी की इच्छा के अनुरूप, ईरानी ने इबारत तथा मीडिया फार्मेट में शिक्षण पाठ्य सामग्री विकसित करने के लिए एक कार्यबल का गठन किया। हमारे उपग्रह प्रसारण हमारे लगभग 95 प्रतिशत जनों तक पहुंचे और पड़ोसी देशों में भी पहुंचे। यदि हम नेपाली, बंगाली, तमिल, उर्दू भाषाओं में सामग्री तैयार करें, तो हम न केवल अपने नागरिकों बल्कि दक्षेस देशों तक बेहतर सामग्री मुहैया करा सकेंगे। यह अच्छा समय था न केवल हमारे स्कूली बच्चों की बल्कि दक्षिण एशियाई देशों की मदद करने, घरों में सीमित रहने एवं उनके अध्ययन जारी रखने का। भारत वाणी परियोजना को आगे न बढ़ाकर, हमने अपने छात्रों, पड़ोसी देशों को मदद मुहैया कराने का अवसर खो दिया है और अपने प्रधानमंत्री का मिशन विफल कर दिया है। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपेन स्कूलिंग, जो दुनिया का सबसो बड़ा मुक्त विद्यालय है, ने पिछले पांव वर्षों में ई-सामग्री विकसित की है जो स्वयं एवं डीटीएच चैनलों पर उपलब्ध है। हम इस अंतराल को पाट सकते हैं, जो कोविड-19 के कारण देशभर में बंद किए गए स्कूलों के कारण पैदा हुआ है। भाषा और स्थान बाधा नहीं बनते। नेशनल इंस्टीट्यूट आफ ओपेन स्कूलिंग प्रसारण एवं सजीव प्रसारण कक्षाएं दिन ब दिन लोकप्रिय हो रही हैं। मगर इसमें अपार क्षमता है और यह व्यवस्था बड़ी भूमिका अदा कर सकती है यदि हम द्वैध पद्धति की स्कूलिंग के द्वारा दूरस्थ/मुक्त स्कूलिंग की व्यवस्था को तैयार करते। मौका हाथ से निकल गया है और अब बहुत देर हो चुकी है। हालांकि, हमें अपनी गलतियों से सीखना होगा और कोरोनावारस का खतरा दूर होने के बाद इन पहलकदमियों को तर्कसंगत निष्कर्ष पर पहुंचाना होगा।

## आप की बात

### जनसहयोग अनिवार्य

**हमारे** विचार से वर्तमान लाकडाउन की स्थिति में जनता को मिलकर सहयोग करना होगा। प्रधानमंत्री जी ने जनता से जो अपील की है उसका अक्षरसः पालन करना हमारा दायित्व है। पैसा हमारा है मगर संसाधन सारे समाज केहैं। वर्तमान स्थिति में जब सरकार आवश्यक वस्तुएं मुहैया कराने का प्रयास कर रही है। ऐसे में नागरिकों का दायित्व है कि वे संसाधनों का दुरुपयोग न करें। दूध, फल, अनाज आदि की बर्बादी न करें क्योंकि आज इन चीजों की आपूर्ति मुश्किल से हो पा रही है। लोगों का घर में समय बिताने का अवसर मिला है ऐसे में इसे अवसर की तरह इस्तेमाल करना चाहिए। हमारे पास घर में रहने के अलावा दूसरा विकल्प नहीं है अतः हमें आगे बढ़कर उन लोगों को सहयोग करना होगा जो कोराना संक्रमण का खतरा उठाकर भी काम कर रहे हैं। जैसे कि, डाक्टर, सफाईकर्मी, नगर निगम के कर्मचारी, नर्सें आदि। इस घातक महामारी से बचने के लिए हमारे पास सामाजिक दूरी बनाने के सिवा और कोई विकल्प नहीं है। यदि महामारी फैल गई तो स्थिति कितनी भयावह होगी इसका अनुमान लगाना भी कठिन है। अतः जनता को संयम बरतना होगा और संघर्ष में एकजुट होकर काम करना होगा।

- **शिल्पी भारद्वाज**, लखनऊ

### लाइलाज का इलाज

**कोरोनावायरस** के संक्रमण का इलाज करने के लिए अभी तक कोई दवा बन नहीं पाई है। अलग-अलग तरह के दावे किए जा रहे हैं। डोनाल्ड ट्रंप ने मलेरिया में दी जाने वाली दवाओं के कारगर होने का दावा किया है मगर इस दावे की कोई पुष्टि नहीं हो पाई है। वर्तमान समय में स्थिति ज्यादा बिगड़ने पर रोगी को वर्तमान औषधियां दी जा रही हैं क्योंकि नई औषधियां विकसित करने में समय लगेगा। एचआईवी के खिलाफ प्रयोग होने वाली औषधियां पहले से उपलब्ध हैं। द्वितीय विश्वयुद्ध के समय प्रयोग होने वाली मलेरिया औषधि के साथ ही इबोला में प्रयोग होने वाली एंटी-वाइरल औषधि का प्रयोग भी हो रहा है। दर्जनों देशों में हजारों रोगियों को इनसे लाभ हो सकता है। डब्लूएचओ रोगियों का एक ग्लोबल डेटाबेस बना रहा है जिसका प्रयोग रोगियों पर विभिन्न दवाओं के प्रयोग की जांच के रूप में किया जा सकता है। ईमानदारी से कहा जाए तो वर्तमान औषधियों के प्रयोग से एक कारगर समाधान निकाला जा सकता है क्योंकि वे अन्य बीमारियों के लिए संस्तुत और सुरक्षित हैं। जल्द ही इस वायरस के प्रतिरोधक टीके को विकसित किए जाने की आवश्यकता है।

- **सुकांत वर्मा**, कानपुर

### जान है तो जहान है

**आश्चर्य** है कि कुछ लोग प्रधानमंत्री द्वारा लागू किए गए लाकडाउन पर भी राजनीति कर रहे हैं। उन्हें यह समझ में नहीं आ रहा है कि यदि सामाजिक दूरी नहीं बनाएगे तो यह कोरोना की महामारीपूरे देश को अपनी चपेट में ले लेगी। क्या लोगों को इटली, स्पेन और ईरान में कोराना से होने वाली मौतों का सच दिखाई नहीं दे रहा है। इटली में संक्रमण के भय के चलते लोग कोरोना महामारी से मरने वाले अपने परिजनों का अंतम संस्कार भी नहीं कर पा रहे हैं। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी हालत खराब है। जिन देशो में चिकित्सा की अपार ुसविधां मौजद हैं वहां भी त्राहि- त्राहि मची हुई है। इस मुसीबत से निजात पाने का एकमात्र तरीका सरकार ने निकाला है और वह हे कि लोग अपने घरों में ही बंद रहें। जान है तो जहान है। संक्रमित होने वाला व्यक्ति अपनेपूरे परिवार को संक्रमित कर सकता है और बच्चों व वृद्ध नागरिकों के लिए खतरा सबसे ज्यादा है। केवल शरीर की प्रतिरोधक क्षमता ही इस बीमारी से बचा सकती है और कोई चारा नहीं है।

- **अनामिका सेठ**, प्रयागराज

**पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से**
**responsemail.hindipioneer@gmail.com**
**पर भी भेज सकते है।**

## फरमाया

**सरकार** को इटली से सबक लेना होगा। वहां पर भारी आर्थिक कष्ट होगा। मगर खत्म होती जिंदगियों की तुलना में आर्थिक हानि से निबटना संभव है।

- **पी चिदंबरम**
कांग्रेस नेता

**चीन** और भारत दो विशाल जनसंख्या वाले देश हैं। हमें अपने अनुभवों के आधार पर भारतीय पक्ष को उचित सहायता देनी चाहिए।

- **गेंग शुआंग**
चीनी प्रवक्ता

**मैं** बहुत प्रसन्न हूं कि उमर अब्दुल्ला की असंवैधानिक नजरबंदी हटा ली गई है। समय आ गया है कि सरकार क्षेत्र में संवैधानिक अधिकार बहाल करे।

- **प्रियंका गांधी**
कांग्रेस नेता

# पुलिस व प्रशासन की सख्ती से ही लॉकडाउन सफलता की ओर

## ● चैत्र नवरात्र के प्रथम दिवस पुलिस तथा प्रशासन को लॉक डाउन का पालन करवाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा

संवाददाता। कानपुर देहात

स्टेट बैंक के गार्ड को हिदायत व निर्देश जारी करते सदर एसडीएम आनन्द कुमार सिंह

**पहले** सीएम के तीन दिन के लॉक डाउन उसके बाद सोमवार की रात्रि 8 बजे प्रधानमंत्री के 21 दिन के सम्पूर्ण देश में लॉक डाउन के निर्देश के बावजूद पुलिस तथा प्रशासन को नवरात्र के प्रारम्भ के चलते खुली दुकानों व दुकानों में लगी खरीददारों की भीड को हटाने में सडक पर उतकर कडी मशक्कत करनी पडी। पुलिस, प्रशासन तथा चिकित्सा विभाग की संयुक्त टीमों ने शहरी इलाके ही नहीं परन्तु ग्रामीण इलाकों में भी समूह के रूप में बैठे व खडे व्यक्तियों को अपने घरों में जाने की सलाह दी। वाहनों व अनावश्यक रूप से पैदल भ्रमण कर रहे लोगों के खिलाफपुलिस को सख्ती दिखानी पडी। प्रधानमंत्री ने कोरोना वायरस को देखते हुये सम्पूर्ण देश में 21 दिन तक सम्पूर्ण लॉक डाउन की घोषणा सोमवार की रात्रि को की थी। मुख्यमंत्री माननीय योगी आदित्यनाथ पहले से ही 3 दिनों के लिये प्रदेश के समस्त जिलों में लॉक डाउन की घोषणा कर चुके थे। सोमवार की रात्रि को 12 बजे से प्रधानमंत्री के आवाहान पर शुरू हुये लॉक डाउन को स्वयँ प्रधानमंत्री ने कर्फ्यू जैसा बताया था। मॅगलवार की सुबह लोगों को मुख्यमंत्री व प्रधानमंत्री के लॉक डाउन की सम्पूर्ण जानकारी होने के बावजूद आम दुकानें व फ्लो की दुकाने खुली रही। चैत्र नवरात्र का प्रथम दिन होने के कारण लोग पूजा सामग्री, फ्लों व मिष्ठान्न की खरीददारी हेतु सडकों पर निकल पडे। हलॉकि लोग ऑशिक तौर पर ही सडकों पर विचरण कर रहे थे परन्तु इसका असर यह हुआ कि अन्य लोग भी लॉक डाउन के प्रति बेपरवाह हो अनावश्यक रूप से लॉक डाउन का खुलकर उल्लघॅन करते नजर आये। पुलिस तथा प्रशासन को जैसे ही सडकों पर चहलकदमी व वाहनों के आवागमन की जानकारी मिली पुलिस तथा प्रशासन की टीमों ने सख्ती दिखा दुकानों को बन्द करवा कर समूह के रूप में खडे लोगों को भगाया। पुलिस तथा प्रशासन की सख्ती से ही लोग अपने घर में रहने को पूर्णतय: मजबूर हुये, पुलिस तथा प्रशासन के साथ चल रही चिकित्सा टीम वास्तव में इस सॅकट की घडी में जिस तरह अपनी जान जोखिम में डालकर लोगों की जान के लिये सॅकट बने नोवेड 19 कोरोना वायरस से जॅग में जीतने के लिये घर के अन्दर रहने को लेकर सब तरह के हथकण्डे अपना रही उसकी जितनी भी प्रशॅसा की जाये उतनी कम है।

## जनपद लखनऊ में खाद्य सामग्री की होम डिलीवरी हेतु चिन्हित सेवा प्रदाता/प्रतिष्ठान

**ईजी-डे:-** **1**-अलीगज. 7905802929, **2**-ग्राडेन गैलेरिया 9717332234, **3**-इंदिरा नगर 6386263196 **4**-गोमती नगर 9643162759, **5**-जानकीपुरम् 9140284564, **6**-जानकीपुरम विस्तार 9850113093, **7**-विकास नगर-1 9927992013, **8**-विकास नगर-2 9369885908, **9**-आशियाना 7009964065, **10**-हिन्द नगर 7398991485, **11**-कठौता चौराहा 6306212740, **12**-कृष्णा नगर 8534051500, **13**-रूचि खण्ड 8130490990, **14**-विपुल खण्ड 7703074334।

**बिग बाजार:-** **1**-रीवन साईड मॉल. 6388664861, **2**-सिंगापुर मॉल, 7497987924, **3**-इन्दिरा नगर 9569459379, **4**-फिनिक्स मॉल 9569474163, **5**-सहारागंज, हजरतगंज, 6388003021, **6**-आलमबाग 9170747892।

**स्पेन्सर्स:-** **1**-इन्दिरा नगर 0522-4954407, **2**-फन मॉल 0522-4306664, **3**-अवध मॉल 0522-4960161, **4**-विवेक खण्ड 0522-4000458, **5**-लेखराज 0522-4106639, **6**-वृन्दावन कालोनी 7596064380, **7**-एल्डिको उद्यान 0522-4078153, **8**-सुपर वृन्दावन 7596064381, **9**-आशियाना 0522-4960709, **10**-राजेन्द्र नगर 0522-4000851, **11**-राजाजीपुरम 7905391340, **12**-विकास नगर 0522-4954403, **13**-जानकीपुरम 0522-4960703, **14**-अलीगज 0522-4005570, 15-अलीगंज चन्द्रलोक 0522-4980706।

**फैमिली बाजार:-** **1**-पालीटेक्निक चौराहा 8317010356 व 8840167155 **2**-रिंग रोड 6307562500, **3**-जानकीपुरम 9451771343, **4**-गोमती नगर विस्तार 7505904313, **5**-बालागंज 8423200081, **6**-आशियाना लखनऊ 7071246327।

**राउंड ओ क्लाक:-** **1**-अलीगंज, लखनऊ 8417000005, **2**-आशियाना, लखनऊ 8417000050।

**स्माट बनिये:-** **1**-ठाकुरगज 9140834057, **2**-श्रृगांरनगर 9026644249, **3**-आशियान लखनऊ 7905502591, **4**-चन्दन नगर 9450697303।

**विशाल मेगामार्ट:-** **1**-आशियाना लखनऊ 7078614992, **2**-आलमबाग 967019230, **3**-बलिंगटन चौराहा 7983292115, **4**-गोमती नगर 9936977766, **5**-नक्खास 8303872609, **6**-दुबग्गा 6395708465, **7**-चिनहट 9044450444।

**ग्रोफर इंडिया:-** 9838503366 संपूर्ण लखनऊ,

**बिग बास्केट:-** 9919034025 संपूर्ण लखनऊ

**स्वेगी, जोमेटो, अमेजन, फ्लिप कार्ड:-** एप के माध्यम से संपूर्ण लखनऊ में आपूर्ति सुनिश्चित करेंगे।

## कोरोना पीड़ितों के सहायतार्थ एक लाख राज्यकर्मी देंगे एक दिन का वेतन: राकेश श्रीवास्तव

**जौनपुर।** राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिलाध्यक्ष राकेश श्रीवास्तव ने प्रेस को जारी विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि देश के लिये महामारी बने नोवल कोरोना संक्रमण के भारी संकट के बीच प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 21 दिनों की लॉक डाउन की घोषणा के उपरान्त राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद आगे आ गया। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि परिषद के प्रदेश अध्यक्ष हरिकिशोर तिवारी द्वारा परिषद के सभी घटक संघों के पदाधिकारियों से अपील किया है कि देश व राज्य को इस आपात घड़ी में सबके सहयोग की जरूरत है। यही समय यह सिद्ध करने का होता है कि प्रदेश का राज्य कर्मचारी पूरे लगन से सरकार के हर निर्देशों का पालन करता है। सहयोग करता है तथा इमरजेंसी कार्यों में अपनी पूर्ण क्षमता से मदद करके सामने आता है। जिलाध्यक्ष ने बताया कि परिषद सहित से जुड़े हर राज्य कर्मचारी से इस आपातकाल में अपना एक दिन का वेतन राज्य सरकार के राहत आपदा कोष में दान देने की अपील की गयी है। उन्होंने कहा कि अगर हम 1 लाख कर्मचारी अपने एक दिन का वेतन राहत आपदा में दान करेंगे तो हम लगभग 70 करोड़ रूपये सरकार के खजाने में जमा करके सरकार को इस विषम परिस्थिति में कुछ सहयोग कर सकेंगे। इतनी बड़ी राशि से सरकार को राहत कार्यों में भारी मदद मिलेगी। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि निश्चित तौर से इतना लम्बा लॉक डाउन करना बहुत साहसिक कदम है। इससे देश की जनता को कुछ परेशानी जरूर होगी लेकिन यह परेशानी चीन, इटली आदि देशों में हुई मानव हानि के समाने बहुत कम है। श्री श्रीवास्तव ने बताया कि राहत आपदा के लिये जमा की जाने वाली राशि को परिषद के बैंक खाता संख्या 020701000039784 इण्डियन ओवरसीज बैंक हजरतगंज लखनऊ में जमा किया जा सकता है अथवा सीधे विभागीय माध्यम से जमा किया जा सकता है।

# लॉक डाउन को सफल बनाने के लिए मुस्तैद रहा प्रशासनिक अमला

संवाददाता। अम्बेडकरनगर

क्षेत्र में भ्रमण करते अधिकारी

**कोरोना वायरस** को लेकर सोशल डिस्टेंसिंग की अवधारणा को साकार करने के लिए शासन व प्रशासन के जिम्मेदार घूमघूम कर आमजनमानस को आगाह व सतर्क करने में लगे हुए हैं। मालूम हो 14 अप्रैल तक के लिए पूरे देश को लॉकडाउन में रहने के लिए प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद नजर आ रहा है लोगों को जागरूककरने के लिए उपजिलाधिकारी आलापुर धीरेन्द्र श्रीवास्तव, क्षेत्राधिकारी आलापुर जगदीश लाल टमटा ,थानाध्यक्ष राजेसुल्तानपुर इंस्पेक्टर रामलखन पटेल पूरे क्षेत्र में भृमण कर नागरिको को सतर्क रहने और शोषल डिस्टनसिंग का पालन करने के लिए अनेक माध्यमों से सतर्क कर रहे हैं।प्रशासन अपनी जिम्मेदारी को पूरी तन्मयता से अंजाम देने में लगा हुआ है जिससे महामारी को फैलने से रोका जा सके। इन सबके बावजूद ग्रामीण एवं पढ़ें लिखे मनबढ़ युवको को लेकर पुलिस काफी आहत हैं थानाध्यक्ष ने बताया कि सोशल डिस्टेंसिंग की जानकारी संचार माध्यमों एवं गाँव गाँव डुग्गी पिटवाकर की जा रही है फिर भी यदि आमजन इसका पालन नहीं करते तो इनके खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सख्त कार्यवाही की जाएगी ।बन्दी के प्रथम दिन बाजरे पूरी तरह बंद रही सड़को पर बहुत कम ही लोग आते जाते दिखे जिन्हें पुलिस बल चेतावनी दे रही थी तथा जिले की सभी सीमाओं को सील कर दिया गया है और सभी चौराहों, बाजारों एवं सीमा पर पुलिस बल तैनात किया गया है।

### जिला प्रशासन ने जारी किये 21 सामानों के मूल्य

**अम्बेडकरनगर।** जिला प्रशासन ने लॉक डाउन होने के बाद आवश्यक वस्तुओं के मूल्य निर्धारित कर दिये हैं। इसके साथ ही चेतावनी दी है कि यदि किसी भी विक्रेता द्वारा आवश्यक वस्तुओं का वितरण करते हुए अधिक मूल्य लिया गया तो उसके विरूद्ध कठोर कार्यवाही होगी। जिला पूर्ति अधिकारी राकेश कुमार ने 21 सामानों की सूची जारी की है। इसके अन्तर्गत उड़द दाल 115 रूपया, काली उरद 85, अरहर दाल 85, मसूर की दाल 85, चने की दाल 65, बेसन 75 रूपया, आटा 25 रूपया, सूजी 35 रूपया, गेहूँ 21 रूपया, मोटा चावल 26 रूपया, बासमती 55 रूपये प्रति किलो की दर से बिकेगा।

# नवरात्र: अगले 21 दिन तक नौ गरीब परिवारों को पालना ही सच्ची आराधना होगी: पीएम

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

**पूरे विश्व** में जानलेवा महामारी का रूप धारण कर चुके कोरोना वायरस से जंग का एलान करने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र वाराणसी से मुखातिब हैं। उन्होंने कहा कि नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। मां शैलपुत्री स्नेहए करुणा और ममता का स्वरूप हैं। उन्हें प्रकृति की देवी भी कहा जाता है। आज देश जिस संकट से गुजर रहा हैए ऐसे समय में उनके आशीर्वाद की बहुत आवश्यकता है। मैं कामना करता हूं कि उनकी कृपा से इस संकट से हम उनके आशीर्वाद से लड़ाई लड़ लेंगे।

पीएम नरेंद्र मोदी अपने संसदीय क्षेत्र के लोगों से कोरोना वायरस से लड़ने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि 21 दिन में हमे कोरोना के खिलाफइस लड़ाई को जीतना है। इसमें काशी वासियों की महत्वपूर्ण भूमिका है। संकट की इस घड़ी में काशी सबका मार्गदर्शन कर सकती है। काशी का तो अर्थ ही है शिव। इस संकट के समय में काशी के लोग पूरी दुनिया को सीख दे सकते हैं। शिव यानी कल्याण। शिव की नगरी मेंए महाकाल-महादेव की नगरी में संकट से जुझने काए सबको मार्ग दिखाने का सामर्थ्य है। मोदी ने कहा कि काशी का अनुभव शाश्वत, सनातन, समयातीत है और इसलिएआज लॉकडाउन की परिस्थिति में काशी देश को संयम, समन्वय, संवेदनशीलतासिखा सकती है। काशी देश को सहयोग, शांति, सहनशीलता सिखा सकती है। काशी देश को साधना, सेवा, समाधान सिखा सकती है। पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि महाभारत का युद्ध 18 दिन में जीता गया था, आज कोरोनी के खिलाफजो युद्ध पूरा देश लड़ रहा है, उसमें 21 दिन लगने वाले हैं। हमारा प्रयास है इसे 21 दिन में जीत लिया जाए।पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा कि काशी का सांसद होने के नाते मुझे ऐसे समय में आपके बीच होना चाहिए था, लेकिन आप यहां दिल्ली में जो गतिविधियां हो रही हैं, उससे भी परिचित हैं। यहां की व्यस्तता के बावजूद मैं वाराणसी के बारे में निरंतर अपने साथियों से अपडेट ले रहा हूं। पीएम नरेंद्र मोदी ने काशी वासियों के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि कभी.कभी लोग जानकारी होते हुए भी गलतियां करते हैं। कोरोना से लड़ाई में सिर्फसोशल डिस्टेंसिंग ही सही है। इसी से लोग ठीक भी हो रहे हैं। इसके कई उदाहरण भी मिले हैं। उन्होंने कहा देश कोरोना से लड़ाई में लगा है। उन्होंने हेल्पलाइन का नंबर भी साझा किया।

# कोरोना को लेकर सोशल मीडिया पर फर्जी पोस्ट डालने के आरोप में एआईएमआईएम नेता गिरफ्तार

**प्रयागराज।** एआईएमआईएम पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के करीबी और पार्टी की प्रदेश इकाई के पदाधिकारी मंसूर आलम को कोरोना को लेकर सोशल मीडिया में अफ्वाह फैलाने के आरोप में नैनी पुलिस ने बुधवार को गिरफ्तार किया है। महामारी घोषित हो चुके कोरोना वायरस को लेकर पूरे देश में लॉक डाउन होने के बाद बुधवार को सुबह नैनी कोतवाली क्षेत्र के गंजिया मोहल्ला निवासी मंसूर आलम ने अपने फेसबुक अकाउंट पर एक पोस्ट डाली थी। जिसमें लिखा था कि भारत में 500 नहीं बल्कि 50,000 से ज्यादा लोग कोरोना वायरस से मर चुके हैं। सरकार झूठ बोल रही है। महज कुछ मिनट बाद उनकी यह पोस्ट वायरल होकर पुलिस के संज्ञान में आ गई। क्षेत्राधिकारी करछना आशुतोष तिवारी के संज्ञान में मामला आया तो उन्होंने तत्काल कार्रवाई करते हुए मंसूर आलम को नैनी पुलिस के जरिए गिरफ्तार करा लिया। सीओ करछना आशुतोष तिवारी ने बताया कि अफ्वाह फैलाने वाली पोस्ट मंसूर आलम की ओर से फेसबुक पर डाली गई थी। उसी आधार पर उन्हें उठाया गया है। उनके खिलाफ वैधानिक धाराओं के तहत एफ्आईआर दर्ज कर कार्यवाही की जा रही है।

### आईआईटी बीएचयू ने बनाया उच्च गुणवत्ता का सैनिटाइजर केमिस्ट्री विभाग में अब तक बनाया गया 159 लीटर सैनिटाइजर

**वाराणसी।** वैश्विक महामारी बन चुके कोरोना वायरस (कोविड-19) के खिलाफ जंग लड़ने के लिए आईआईटी (बीएचयू) ने भी कमर कस ली है। अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए संस्थान ने जिला प्रशासन और नगर निगम के सहयोग से सेनिटाइजर बना कर शहर में विभिन्न स्थानों पर वितरित कराया गया।

# लॉकडाउन का पहला दिन सड़कों पर पसरा रहा सन्नाटा

संवाददाता। उन्नाव

**कोरोना** के चलते जिले भर में मंगलवार की देररात से लाकडाउन शुरू हो गया। इसके साथ ही जिले की सभी सीमाएं सील कर दी गई। उधर, बुधवार को मुख्य मागों पर सन्नाटा पसरा रहा। लेकिन काफी लोगों ने लाकडाउन का पालन नहीं किया तो जिला प्रशासन ने ऐसे लोगों के खिलाफ धारा 188 के तहत मुकदमा कायम करने के आदेश जारी कर दिए। हालांकि इस दौरान सुबह दस बजे तक दूध, ब्रेड, सब्जी की दुकानें खुलीं। साथ ही अन्य आवश्यक सेवाएं भी जारीं। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई के लिए पूरे देश को 14 अप्रैल तक लाकडाउन किया गया है। इसके चलते जिले के हाई-वे सुबह से ही सूने रहे। नगर के मुख्य बाजार आम दिनों में खासा भीड़भाड़ वाला रहता था, मगर बुधवार को सूनसान रहे। हालांकि मोहल्लों में लोग जरूर बाइक और कारें लेकर निकले। काफी लोग पैदल सड़कों पर चलते देखे गए। पहले पुलिस ने उन्हें रोका। लेकिन जब नहीं मांगे तो दस बजे के बाद पुलिस ने सख्ती की। इस दौरान कई लोगो के चालान काटे। डीएम रवीन्द्र कुमार व एसपी विक्रांतवीर ने शहर और जिले में भ्रमण कर हालातों का जायजा लिया। डीएम ने कहा कि लाकडाउन का उल्लंघन किया तो केस दर्ज किया जाएगा।

### आवश्यक दुकाने रही खुली

**लाकडाउन** के तहत शहर और ग्रामीण क्षेत्रो में दूध डेयरी, सब्जी की दुकानें, केमिस्ट, किराना की दुकानें सुबह खुलीं रही। इसके साथ ही गैस एजेंसी, पेट्रोल पंप, भी खुले रहे। बिजली, पानी की सप्लाई पूरी तरह से सुचारू रही। सफाई की भी व्यवस्था दुरुस्त रही।

### अस्पताल रहे खुले, देखे गए मरीज

**बुधवार** को जिला अस्पताल की इमरजेंसी के साथ ही जिले भर की सभी सीएचसी-पीएचसी खुली रही। वहां पर आने वाले गंभीर रोगियों को देखा गया। इसके साथ ही निजी अस्पतालों के डाक्टरों ने भी गंभीर मरीजों को देखा।

### पुलिस देती रही हिदायत

**लाकडाउन** का असर ग्रामीणों क्षेत्रो में बुधवार को दिखा। चकलवंशी चौराहे पर इक्का-दुक्का निकल रहे वाहनों के चालको को पुलिस सख्त हिदायत देती रही। उधर, पुलिस एंबुलेंस, बीमार लोग आते जाते रहे। सुबह दस बजे तक फल, किराना मिठाई आदि की दुकानें खुली रही।

# डीएम-एसएसपी ने किया निरीक्षण

पायनियर समाचार सेवा। गोरखपुर

**लॉक डाउन** का अनुपालन कराते हुए जिलाधिकारी के. विजयेंद्र पांडियन वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. सुनील गुप्ता शहर का भ्रमण करते हुए पूर्वांचल की सबसे बड़ी दवा मंडी भालोटिया मार्केट पहुंचकर दवा व्यवसायियों को उचित दिशा निर्देश देते हुए कहा कि मंडी में आने वाले जरूरतमंदों को मास्क व सैनिटाइजर उचित व थोक मूल्यों पर ही बेचा जाए। कोई भी दुकानदार किसी से भी अनाधिकृत मूल्यों पर कोरोना वायरस जैसे महामारी से बचाव हेतु उपकरणों व सैनिटाइजर को ना बेचे। अगर कोई अनाधिकृत मूल्यों पर बेचा हुआ पाया जाता है तो उसके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने लोगों से कहा कि लाक डाउन का अनुपालन करते हुए अपने घर में स्वस्थ रहें कोरोना मुक्त रहें। इसी क्रम में जिलाधिकारी व वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में स्थित ई डिस्टिक में कोरोना वायरस से बचाव के लिए बन रहे कंट्रोल रूम, जहां पर कोई भी व्यक्ति आवश्यक सामग्री के लिए फोन कर सकता है, का निरीक्षण कर आवश्यक दिशा निर्देश दिया गया।

## जिला प्रशासन तैयार राशन आपके द्वार...

# होम डिलीवरी वाहन को डीएम व एसपी ने हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

संवाददाता। गौरीगंज अमेठी

**जिले में चल** रहे लाक डाउन के कारण कारण जनता को आवश्यक सामानों की कमी ना होने पाए होने पाए इसके लिए जिला प्रशासन ने खाका तैयार कर लिया है। प्रदेश सरकार की मंशा के अनुसार लाकडाउन के दौरान लोगों के घर तक खाद्यान्न सामग्री पहुंचाने के उद्देश्य से नगर पालिका परिषद गौरीगंज द्वारा डोर.टू.डोर खाद्यान्न सामग्री का होम डिलीवरी वाहन को जिलाधिकारी अरुण कुमार व पुलिस अधीक्षक डॉ ख्याति गर्ग ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह वाहन लोगों के डोर.टू.डोर पहुंचकर फ्लए दूधए सब्जीए राशन इत्यादि सामग्री पहुंचाएंगे। जिलाधिकारी ने बताया कि सभी सामग्री का मूल्य निर्धारित किया गया है इससे ऊपर कोई भी अपना सामान ना बेचे। जिलाधिकारी ने कहा कि इससे कालाबाजारी रुकेगी तथा लोगों को घर बैठे सामान भी मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि इसी तरह सभी नगर निकायोंध्ग्रामीण क्षेत्र में भी यह सुविधा शुरू की जा रही है। । इस मौके पर अपर जिलाधिकारी वंदिता श्रीवास्तव उद्योग व्यापार मंडल के जिला अध्यक्ष मुकेश सिंह एसडीएम गौरीगंज राकेश कुमारए अधिशासी अभियंता सुजीत सिंह भी मौजूद रहे।

### हंता वायरस से बचाने में कारगर है होम्योपैथी: डॉ. भास्कर शर्मा

**डुमरियागंज, सिद्धार्थनगर।** कोई इंसान चूहों के मलमूत्र या लार को छूने के बाद अपने चेहरे पर हाथ लगाता है तो हंता संक्रमित होने की आशंका बढ़ जाती है। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड धारी सहित सैकड़ों पुस्तकों के लेखक तथा सैकड़ों अंतरराष्ट्रीय वा राष्ट्रीय पुरस्कार प्राप्त सिद्धार्थनगर के होम्योपैथिक चिकित्सक डॉ भास्कर ने हंता वायरस के बारे में बताया कि एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में नहीं जाता है, हंता के संक्रमण का पता लगने में एक से आठ हफ्तों का वक्त लग सकता हैस। कोई व्यक्ति हंता संक्रमित है तो उसे बुखार, दर्द, सर्दी, बदन दर्द, उल्टी जैसी दिक्कतें हो सकती हैं। हंता संक्रमित व्यक्ति की हालत बिगड़ने पर फेफड़ों में पानी भरने और सांस लेने में तकलीफ भी हो सकती है, कोरोना वायरस की तरह हंता वायरस इंसान से इंसान में नहीं फैलता। कोई व्यक्ति चूहों के मल मूत्र या उनके बिल की चीजें वगैरह छूने के बाद अपनी आंख, नाक और मुंह को छूता है तो उसमें हंता वायरस का संक्रमण फैल सकता है।

# इतिहास में पहली बार बिना दर्शनार्थियों के शुरू हुई नवरात्र की पूजा

## ● मां शीतला चौकियां धाम में आरती-पूजन के बाद कपाट बन्द

संवाददाता। जौनपुर

जौनपुर में शक्तिपीठ मां शीतला चौकियां धाम में नवरात्रि के प्रथम दिन पसरे सन्नाटे का दृश्य एवं इनसेट में सजा माता रानी का दरबार

**वासंतिक नवरात्र** के पावन पर्व पर प्रथम दिन रोज की भांति बुधवार को सुबह 5 बजे पूर्वांचल की आस्था के केन्द्र मां शीतला चौकियां धाम में श्रृंगारोपरांत आरती हुई जिसके बाद परम्परागत ढंग से पूजन-अर्चन किया गया। आरती-पूजन होने के बाद मन्दिर के कपाट बंद कर दिये गये। हालांकि हमेशा से ही साल के दोनों नवरात्रि में इस दरबार में लाखों लोगों द्वारा मत्था टेका जाता है। आस्था के इस मन्दिर में उपरोक्त अवसर के अलावा समय-समय पर लाखों भक्तों की भीड़ एकत्रित होती है जो एक भव्य मेले का रूप रहता है लेकिन इस समय देश के अलावा पूरे विश्व में महामारी के रूप में पनपे नोवल कोरोना वायरस के चलते मन्दिर के कपाट बन्द कर दिये हैं तथा भक्तों से मन्दिर न आने की अपील की गयी है। महामारी को देखते हुये इतिहास में पहली बार नवरात्रि के दिन कोई भी भक्त नहीं दिखायी दिया। देखा गया कि पूरे मन्दिर परिसर में पुजारी समेत 2 सहयोगी रहे जो मन्दिर परिसर की साफ-सफाई करने के उपरांत माता रानी का आरती-पूजन किये। इस मौके पर मन्दिर के पुजारी शिव कुमार पंडा व प्रबन्धक अजय पण्डा ने बताया कि जब तक यह कोरोना महामारी हमारे देश में पूर्ण रूप से समाप्त नहीं हो जाती तब तक मन्दिर परिसर को बंद रखा जायेगा। दर्शन-पूजन के लिये दर्शनार्थियों के आगमन को अनिश्चितकाल के लिये रोक दिया गया है।

# प्रशासन लोगों के घरों तक पहुंचा रहा जरूरी सामान

**बस्ती।** लाकडाउन होने के बाद आमजनों को आवष्यक सामान की कोई कमी न हो इसके लिए प्रषासन की ओर से पूरी तैयारी की गई है। गांव से लेकर शहर तक के उन दुकानदारों की सूची फोन नंबर सहित जारी की गई, जो लोगों के घरों तक सामान पहुंचाने का काम करेंगे। बस जरुरतमंदों को आवष्यक सामानों के लिए चयनित दुकानों पर एक फोन करना होगा, सामान उनके घरों में पहुंच जाएगा। इस तरह के लगभग एक हजार से अधिक विक्रेताओं की लिस्ट जारी की गई है। जनपदीय कोरोना कंटोल का नंबर 05542-287774, आवष्यक वस्तुओं की आपूर्ति के लिए 7839564735, पुलिस कंटोल रुम का नंबर 112 एवं 9454401933 है। यह सभी नंबर 24 घंटे काम करेगा। आम जनों की सुविधा के लिए जो व्यवस्था बनाई गई हैं, किराना, दूध, फल, सब्जी, अनाज विक्रेता को घर से दुकान तक आने-जाने की छूट दी गई हैं। लाकडाउन को देखते हुए जिन लोगों को छूट दी गई है, उनमें चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, चिकित्सा चिकित्सा, गृह एवं गोपन कारागार प्रषासन एवं सशस्त्र बल, कार्मिक विभाग एवं जिला प्रशासन, बिजली कार्यालय एवं बिलिगं सेंटर, नगर विकास, फल, सब्जी, दूध, डेरी, किराना, पेयजल, आपदा एवं राहत, सूचना जन संपर्क व सूचना प्रोधोगिक, अग्निशमन, सिविल डिफेंस, आपातकालीन सेवाएं, टेलीफोन, इंटरनेट, डेंटासेंटर, डाक सेवाएं, खाद्य वस्तु होम डिलीवरी, प्रिंट, इलेक्टिानिक्स एवं सोशल मीडिया, आवष्यक वस्तु एवं खाद्य सामग्री, थोक एवं फुटकर विक्रेता और पशु चिकित्साएवं पशु आहार विक्रेता षामिल है।

# कोरोना के खिलाफ लड़ाई में सामाजिक दूरी बनाना अहम

**भाषा**। नागपुर,

**आरएसएस** प्रमुख मोहन भागवत ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में सामाजिक दूरी को महत्वपूर्ण बताते हुए स्वयंसेवकों से इस वैश्विक महामारी से लड़ने का संकल्प लेने और सामाजिक अनुशासन का पालन करके मिसाल कायम करने को कहा। भागवत ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की वेबसाइट पर बुधवार को लाइव स्ट्रीमिंग के माध्यम से स्वयंसेवकों को वर्ष प्रतिपदा यानी हिंदू नववर्ष के आरंभ के अवसर पर संबोधित किया। भागवत ने कहा कि इस नव वर्ष में पूरी दुनिया एक वैश्विक संकट से जूझ रही है।

उन्होंने कहा, भारत भी अन्य देशों के साथ मिलकर इस वैश्विक समस्या से लड़ रहा हैं। अत: यह स्वयंसेवकों के लिए एक संकल्प लेने का दिन है। कोरोना वायरस से लड़ने और उसे हराने के लिए देशभर में प्रयास किए जा रहे हैं और हमें हमारी सामाजिक जिम्मेदारी को ध्यान में रखकर इस दिशा में काम करते हुए इस लड़ाई को जीतने का संकल्प लेने की आवश्यकता है।

भागवत ने कहा कि इस लड़ाई में समाज द्वारा नियमों का पालन अहम बात है। उन्होंने कहा, इसके अलावा दवाइयां और अन्य चीजें भी मददगार होंगी, लेकिन इस लड़ाई में मूलभूत बात सामाजिक दूरी है और इसकी सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि समाज इस सामाजिक जिम्मेदारी को किस प्रकार निभाता है। भागवत ने कहा कि संघ ने स्वयंसेवकों को सामाजिक अनुशासन का पालन करना हमेशा सिखाया है और हमारे द्वारा इसका पालन करने से समाज पर भी इसका असर होगा। उन्होंने भरोसा जताया कि इस वैश्विक संकट के खिलाफ जंग में स्वयंसेवक देश के सामने मिसाल कायम करेंगे। भागवत ने कहा, हम आगामी 21 दिन के लिए घोषित लॉकडाउन के बाद संघ के काम जारी रख सकते हैं। उन्होंने लोगों से अपने घरों या इमारतों में पांच से सात लोगों के छोटे समूहों में प्रार्थना करने को कहा। उन्होंने कहा, हम हमारे परिवार के सदस्यों के साथ प्रार्थना कर सकते हैं।

भागवत ने कहा कि सरकार्यवाह स्वयंसेवकों को सरकार की ओर से तैयार नीति के अनुसार समय-समय पर आवश्यक निर्देश देंगे। उन्होंने कहा, हमें सरकार की ओर से बनाए गए नियमों का पालन करने की आवश्यकता है। स्वयंसेवक सरकार के साथ सहयोग करने, सामाजिक जागरुकता पैदा करने और सरकार की अनुमति से राहत सामग्री मुहैया कराने जैसी उन्हें दी गई जिम्मेदारियां पहले ही निभा रहे हैं।

## लॉकडाउन के कारण उगाडी पर आंध्र प्रदेश, कर्नाटक में नहीं दिखा उत्साह

**अमरावती, बेंगलुरु**। आंध्रप्रदेश और कर्नाटक में बुधवार को उगाडी त्योहार पर पारंपरिक उत्साह इस बार नजर नहीं आया क्योंकि लोग अपने घरों तक ही सीमित रहे और उन्होंने शांति से पर्व मनाया। कोरोना वायरस के खतरे के कारण लागू लॉकडाउन के कारण इस साल तेलुगू नव वर्ष के दिन कोई आधिकारिक आयोजन नहीं हो हुआ। विजयवाड़ा के इंद्रकिलाद्री में कनक दुर्गा मंदिर में खामोशी से त्योहार मनाया गया। राज्य के मंत्री वेलमपल्ली श्रीनिवास इस दौरान मौजूद थे। कोरोना वायरस के प्रसार के कारण मंदिर श्रद्धालुओं के लिए बंद है। आंध्रप्रदेश सरकार ने प्रतिदिन 21 घंटे का लॉकडाउन लगाया है जिससे लोग जरूरी सामानों की खरीदारी सुबह छह बजे से नौ बजे के बीच कर सकते हैं। उगाडी पर छूट नहीं मिलने के कारण लोग घरों में ही रहे। इस कारण से कोई उत्साह नजर नहीं आया। लॉकडाउन की वजह से कर्नाटक में भी त्योहार पर कोई उत्साह नजर नहीं आया।आवश्यक सेवाओं के अलावा सभी सामाजिक और वाणिज्यिक गतिविधियों पर रोक है। आम तौर पर इस दिन लोग मंदिर जाते हैं और परिवार के लोग इकट्ठा होते हैं लेकिन निषेधाज्ञा की वजह से इस बार उत्साह फीका रहा। बड़े बाजारों में उस तरह की भीड़ नजर नहीं आई लेकिन लोग सब्जियां, फूल और किराना सामान खरीदने के लिए आसपास की दुकानों पर पहुंचे। कर्नाटक के मुख्यमंत्री ने लोगों से शांति से त्योहार मनाने तथा घरों से नहीं निकलने की अपील की थी। कोरोना वायरस के मद्देनजर निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने पर उन्होंने कड़ी कार्वाई की चेतावनी दी थी।

अमृतसर में देशव्यापी लॉक डाउन के पहले दिन सुनसान हेरिटेज स्ट्रीट का एक दृश्य

## राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद के हेड बने डॉ. मनोज पटैरिया

**पायनियर समाचार सेवा**। नई दिल्ली

**प्रख्यात विज्ञान** संचारक डॉ. मनोज पटैरिया को भारत सरकार की संस्था राष्ट्रीय विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संचार परिषद (एनसीएसटीसी) का हेड बनाया गया है। वे अंतरराष्ट्रीय स्तर के इंडियन जर्नल ऑफ साइंस कम्युनिकेशन के संपादक भी हैं। इससे पहले वे सीएसआईआर-नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस कम्युनिकेशन एंड इनफारमेशन (निस्केयर) के निदेशक भी रह चुके हैं जो साइंस रिपोर्टर और विज्ञान प्रगति जैसी पत्रिकाओं का प्रकाशन करती है। वे प्रसार भारती दूरदर्शन आकाशवाणी के अतिरिक्त महानिदेशक का दायित्व भी निभा चुके हैं। उन्होंने दूरदर्शन के किसान चैनल को लोकप्रिय बनाने में अहम भूमिका निभायी थी। हाल ही में उन्हें गृह मंत्रालय द्वारा इंदिरा गांधी राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। इसके अतिरिक्त उन्हें अमेरिका के ह्यूस्टन में वैश्विक अध्ययन केंद्र द्वारा ग्लोबल साइंस लोकप्रियता पुरस्कार, मानव संसाधन मंत्रालय द्वारा डॉ. आत्माराम पुरस्कार, सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा भारतेंदु हरिश्चंद्र राष्ट्रीय पुरस्कार, कृषि मंत्रालय द्वारा चौधरी चरण सिंह राष्ट्रीय पुरस्कार, भारतीय विज्ञान कांग्रेस द्वारा डॉ. बीसी देव पुरस्कार भी मिल चुके हैं। डॉ. पटैरिया की लिखी पुस्तक साइंज जर्नलिज्म बेहद चर्चित रही है और हिन्दी सहित कई भाषाओं में इसका अनुवाद हुआ है। विज्ञान पत्रकारिता के छात्रों के लिए यह पुस्तक विशेष रूप से उपयोगी है।

## मुंबई पुलिस घर आकर दर्ज करेगी शिकायत

**मुंबई**। कोरोना वायरस को फैलने से रोकने के वास्ते लागू लॉकडाउन (बंद) के दौरान लोग घरों से न निकलें, इसके लिए मुंबई पुलिस बाशिंदों के घर जाकर उनकी शिकायत दर्ज करेगी। इसके लिए लोगों को 100 नंबर पर फोन करके अपनी शिकायत बतानी होगी। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को देशभर में 21 दिन के बंद का ऐलान किया था। इस वजह से लोग अपने घरों में हैं ताकि इस विषाणु को फैलने से रोका जा सके। मुंबई पुलिस के आयुक्त परम बीर सिंह ने बुधवार को ट्वीट किया, मुंबईवासियों आपको जब जरूरत होगी मुंबई पुलिस खुद आपके घर आएगी। अगर जरूरी नहीं है तो आप कृपया घर से नहीं निकलें। 100 नंबर डायल करें। एक अधिकारी ने बताया कि इस पहल के मुताबिक, जो नागरिक पुलिस में शिकायत दर्ज कराना चाहते हैं, उन्हें थाने जाने की जरूरत नहीं है। वे बस 100 नंबर पर फोन करें। इसके बाद पुलिस की टीम उनके घर खुद पहुंच जाएगी। अधिकारी ने बताया कि इसके अलावा, आवश्यक वस्तुओं और सेवाओं में लगी गाड़ियों को आने-जाने में दिक्कत नहीं हो, इसके लिए पुलिस ने कोरोना वायरस ट्रैफिक हेल्पलाइन भी शुरू की है।उन्होंने कहा कि ऐसी सेवाओं में लगे लोगों को आईडी कार्ड अपने साथ रखना चाहिए और वे गाड़ी पर बैनर लगाएं जिसमें उस सामान का नाम लिखा जो वे ले जा रहे हैं।

## कोरोना वायरस से संक्रमित मौलवी के सम्पर्क में आए 53 व्यक्तियों को घर पर पृथक किया गया

**भाषा**। मुम्बई

**नवी मुंबई** में एक मस्जिद में फिलीपीन के कुछ नागरिकों के संपर्क में आए एक मौलवी की कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट पोजिटिव आई है। इसके बाद उसके संपर्क में आए लगभग 53 व्यक्तियों को पृथक कर दिया गया है। यह जानकारी एक अधिकारी ने बुधवार को दी। यह मौलवी महाराष्ट्र में अब तक मिले कोविड -19 के 112 रोगियों में से एक है। नवी मुंबई नगर निगम (एनएमएमसी) के एक अधिकारी ने कहा कि मौलवी की पत्नी और बेटे के नमूने भी परीक्षण के लिए भेजे गए हैं। फिलीपीन के सात नागरिक तीन से 12 मार्च के बीच नवी मुंबई के वाशी स्थित मस्जिद आए थे और बाद में उनमें से तीन के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी।

अधिकारी ने कहा कि कोविड-19 से संक्रमित फिलीपीन के नागरिकों में से एक मरीज बाद में ठीक हो गया था लेकिन उसकी रविवार रात मुंबई के कस्तूरबा अस्पताल में मौत हो गई थी। उसके गुर्दे खराब हो गए थे। मौलवी भी उसके संपर्क में आया था। उन्होंने कहा कि मौलवी की मंगलवार को कोरोना वायरस की जांच रिपोर्ट पोजिटिव आने के बाद कम से कम 53 लोगों को पृथक कर दिया गया है, जो उस अवधि के दौरान मस्जिद में मौजूद थे जब फिलीपीन से आए लोग वहां आए थे। उन्होंने कहा कि मस्जिद के आसपास के।,200 से अधिक घरों की जांच की गई और क्षेत्र को कीटाणु मुक्त किया गया। उन्होंने कहा कि अब तक नवी मुंबई से कोविड -19 के पांच मामले आए हैं, जिसमें मस्जिद का मौलवी, फिलीपीन के तीन नागरिक और नवी मुंबई के ऐरोली का एक निवासी शामिल है जो तुर्की गया था। अधिकारी ने कहा कि नवी मुंबई में अब तक लगभग 250 लोगों को घर पर पृथक रहने की सलाह दी गई है। साथ ही 58 लोगों को एनएमएमसी की पृथक इकाई में रखा गया है जिन्होंने विदेश यात्रा की है।

### कोविड-19: मुंबई में चार लाख मास्क जब्त

**मुंबई**। मुंबई पुलिस ने एक गोदाम में छापेमारी कर चार लाख मास्क जब्त किए हैं, जिनका मूल्य एक करोड़ रुपए बताया गया है। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि छापेमारी उपनगरीय मुंबई में शाह वेयहरहाउसिंग एंड ट्रांस्पोर्ट गोडाउन में की गई। उन्होंने कहा कि विले पार्ले पुलिस को मंगलवार रात एक गोदाम में बड़ी संख्या में मास्क रखे होने की सूचना मिली थी। पुलिस गोदाम पहुंची तो उसे मास्क के 200 डिब्बे मिले, जिनकी कीमत एक करोड़ रुपए है। अधिकारी ने कहा कि पुलिस ने गोदाम के मालिक, एजेंट और आपूर्तिकर्ता समेत पांच लोगों के खिलाफ सहर थाने में प्राथमिकी दर्ज की है, लेकिन कोई गिरफ्तारी नहीं गई है। पुलिस उपायुक्त मंजूनाथ सिंघे ने बताया कि पांच लोगों के खिलाफ कानूनी कार्वाई की जा रही है। जरूरी वस्तुओं जैसे मास्क और सेनेटाइजर की जमाखोरी एक अपराध है।

## पवार लॉकडाउन में परिवार के साथ शतरंज खेलकर गुजार रहे हैं समय

**भाषा**। मुंबई

**राष्ट्रवादी** कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार और उनके परिवार के सदस्य लॉकडाउन के दौरान शतरंज खेलकर समय गुजार रहे हैं।

कोरोना वायरस के खतरे के मद्देनजर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल 21 दिन के राष्ट्रीय बंद की घोषणा की थी। पवार की बेटी सुप्रिया सुले ने इंस्टाग्राम पर यहां एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें उनके पिता उनके (सुप्रिया) और उनकी बेटी रेवती के साथ शतरंज खेलते हुए मग्न दिखाई दिए। बारामती लोकसभा सीट से सांसद सुप्रिया सुले ने कहा कि अपने पिता के साथ शतरंज खेलना कभी भी आसान नहीं होता। उन्होंने कहा, उन्होंने (पवार) मुझे और मेरी बेटी को कुछ ही मिनटों में हरा दिया। हम किताबें पढ़ रहे हैं, परिवार के साथ समय बिता रहे हैं। आप भी घर पर रहें और सुरक्षित रहें।

बीकानेर में ड्यूटी के दौरान अपने हाथों को सेनेटाइज करते पुलिस कर्मी

## बंद पर मोदी का समर्थन, वह सेनापति और जनता सैनिक: पी चिदंबरम

**भाषा**। नई दिल्ली

**कांग्रेस** के वरिष्ठ नेता पी चिदंबरम ने देश में 21 दिनों के लिए बंद की प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा का समर्थन करते हुए बुधवार को कहा कि यह कोरोना के खिलाफ युद्ध में निर्णायक दौर है और इसमें मोदी सेनापति एवं जनता सैनिक है।

उन्होंने एक बयान में सरकार से यह आग्रह भी किया कि किसानों, मजदूरों और गरीबों के खातों में पैसे भेजे जाएं तथा 30 जून तक सभी जरूरी वस्तुओं एवं सेवाओं पर जीएसटी में पांच फीसदी तक की कमी की जाए। पूर्व वित्त मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री की ओर से 21 दिनों के बंद की घोषणा कोरोना के खिलाफ लड़ाई में एक निर्णायक दौर है। इस लड़ाई में जनता सैनिक और प्रधानमंत्री सेनापति हैं। चिदंबरम के अनुसार यह सभी लोगों का कर्तव्य है कि वे कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री, केंद्र सरकार और राज्य सरकारों का पूरा सहयोग करें। उन्होंने कहा कि किसान सम्मान निधि की राशि दोगुना करके 12 हजार रुपए की जाए और किसानों के खातों में तत्काल पैसे भेजे जाएं।

बंद पर मोदी का समर्थन और उन्हें सेनापति बताने वाले बयान पर कांग्रेस के एक वरिष्ठ नेता ने कहा कि यह चिदंबरम की निजी राय है और यह पार्टी का मत नहीं है।

## सामाजिक मेल-जोल से दूरी का केरल का तरीका: शशि थरूर

**तिरुवनंतपुरम**। कोरोना वायरस से बचाव के मंत्र सामाजिक मेलजोल से दूरी को अमल में लाने के लिए केरल में एक दुकानदार ने अनूठा तरीका निकाला है। यह दुकानदार ग्राहकों को एक पाइप के जरिए करीब एक हाथ की दूरी से सामान दे रहा है। केरल में कोरोना वायरस के अब तक 105 मामलों की पुष्टि हो चुकी है।सोशल मीडिया पर एक तस्वीर वायरल हो रही है, जिसमें दिख रहा है कि राशन दुकानदार पीवीसी से बने एक चौड़े पाइप के जरिए महिला ग्राहक के थैले में अन्न डाल रहा है। इस पाइप को एक मेज़ से बांधा गया गया है। इस फोटो को कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने ट्वीट किया है और साथ में लिखा है, जरूरी सामान खरीदने के दौरान दुकानदार और ग्राहक के बीच भौतिक दूरी पर किस तरह अमल किया जाए। केरल का तरीका।

## दिहाड़ी पर काम करने वालों की रोजी-रोटी का ध्यान रखे सरकार: माधवन नायर

**भाषा**। बेंगलुरु

**जानेमाने** अंतरिक्ष वैज्ञानिक जी. माधवन नायर ने बुधवार को कहा कि सरकार को लोगों की आजीविका सुनिश्चित करनी होगी और तत्काल उन लोगों तक पहुंचना होगा जो आजीविका के लिए दिहाड़ी पर निर्भर हैं और लॉकडाउन से बुरी तरह प्रभावित होंगे। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के पूर्व चैयरमैन ने पीटीआई-भाषा से कहा, सरकार को एक काम युद्ध स्तर पर करना होगा, वो है लोगों की आजीविका सुनिश्चित करना...बड़ी संख्या में लोग, लगभग 30 फीसदी लोग ऐसे होंगे जिनका संभवत: गुजारा उससे होता होगा जो वे दैनिक आधार पर कमाते हैं। उन्होंने आगे कहा, बंद के कारण उनकी कमाई के साधन बाधित हुए होंगे। माधवन ने कहा, आपको उन्हें या तो सामग्री अथवा नगद, मुआवजा देना होगा और उन तक तत्काल पहुंचना होगा। विलंब से देने का कोई मतलब नहीं है। किन्ही माध्यमों के जरिए देने का भी कोई मतलब नहीं है। लाभान्वितों तक सीधें पहुंचे। लेकिन यह हम कितनी जल्दी कर सकते हैं और कितने प्रभावी तरीके से कर सकते हैं, असल मुद्दा तो यही होगा। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस पर काबू पाने के लिए बंद की घोषणा करके तथा कई अन्य उपाय करके सरकार ने अग्रसक्रिय कदम उठाया है। माधवन ने कहा, इससे निश्चित ही चली आ रही कड़ी टूटेगी। हमारे जैसे देश में इसकी इस वक्त बेहद जरूरत है। आर्थिक नतीजों का सामना करने के लिए हमें कमर कस लेनी चाहिए। हालांकि, उन्होंने कहा कि एक बार हालात सामान्य हो जाएं तो अर्थव्यवस्था भी पटरी पर आ जाएगी, बहुत अधिक चिंता करने की जरूरत नहीं है।

## सांसद निधि का पैसा कोरोना वायरस के संकट से निपटने में उपयोग किया जा सकेगा

**भाषा**। नई दिल्ली

**सरकार** ने सांसद निधि से स्थानीय विकास कार्यों पर खर्च होने वाली राशि का इस्तेमाल कोरोना वायरस के संकट से निपटने में जरूरी चिकित्सा सामग्री की खरीद आदि में करने की अनुमति देते हुए नियमों में जरूरी संशोधन कर दिया है।

राज्यसभा सचिवालय के एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि संसद के दोनों सदनों की वेबसाइट पर संशोधित नियमों से जुड़ी जानकारी सार्वजनिक कर दी गई है। ऐसा होने पर लोकसभा और राज्यसभा के सांसद अपनी सांसद निधि का इस्तेमाल मास्क, सेनेटाइजर और परीक्षण किट आदि जरूरी सामान की खरीद में कर सकेंगे। सांख्यिकी एवं कार्यक्रम क्रियान्वयन मंत्रालय द्वारा मंगलवार को जारी निर्देश के अनुसार संसद सदस्य कोरोना वायरस के परीक्षण, जांच और अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराने के लिए सांसद निधि की राशि का इस्तेमाल कर सकेंगे।मंत्रालय ने कांग्रेस के राज्यसभा सदस्य विवेक तन्खा सहित अन्य सदस्यों द्वारा इस बारे में किए गए अनुरोध पर संज्ञान लेते हुए इस बाबत नियमों में संशोधन किया हैं। इसके मुताबिक अब जिला प्रशासन किसी संसद सदस्य की सांसद निधि से सरकारी अस्पताल या डिस्पेंसरी के लिए एक बार में कम से कम पांच लाख रुपए तक के चिकित्सा उपकरण की खरीद कर सकेंगे जिससे कोरोना वायरस के संक्रमण का परीक्षण, जांच, थर्मल स्कैनिंग सहित अन्य उपकरण और संक्रमण के बचाव की सामग्री की खरीद हो सके।

तन्खा ने उनके अनुरोध पर मंत्रालय द्वारा नियमों में संशोधन कर सांसद निधि का इस्तेमाल कोरोना वायरस के संक्रमण से बचाव में करने की छूट देने के लिए सरकार का आभार व्यक्त किया।

## चिकित्सा सुविधाओं का विस्तार हो, मजदूरों को सीधे पैसे व करों में दी जाए छूट: राहुल

**भाषा**। नई दिल्ली

**कांग्रेस** के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस के संकट से निपटने के लिए चिकित्सा सेवाओं में विस्तार करने के साथ दिहाड़ी मजदूरों को प्रत्यक्ष अंतरण के माध्मय से तत्काल पैसे दिए जाएं और नौकरियां बचाने के लिए कर में छूट दी जाए क्योंकि अगर इन कदमों में देरी हुई तो यह स्थिति विनाशकारी साबित होगी।

उन्होंने कुछ कदम सुझाते हुए कहा कि सरकार को कोरोना से लड़ने के साथ अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर भी लड़ाई लड़नी होगी।गांधी ने ट्वीट कर कहा, हमारा देश कोरोना वायरस से युद्ध लड़ रहा है। आज सवाल ए है कि हम ऐसा क्या करें कि कम से कम लोगों की जान जाए? स्थिति को नियंत्रण में करने के लिए सरकार की बहुत बड़ी ज़म्मिेदारी है। मेरा मानना है कि हमारी रणनीति दो हिस्सों में बंटी होनी चाहिए। कांग्रेस नेता ने कहा, पहली रणनीति कोरोना का जमकर मुकाबला करना है। संक्रमण रोकने के लिए एकांत में रहना है और बड़े पैमाने पर मरीज़ों की जांच करना है। शहरी इलाक़ों में विशाल आपातकालीन अस्थाई अस्पताल का तुरंत विस्तार करना है, आईसीयू की सुविधा उपलब्ध कराना है। उन्होंने कहा, दूसरी रणनीति अर्थव्यवस्था को लेकर है। दिहाड़ी मज़दूरों को फ़ौरन सहायता चाहिए।

### 60 लाख गरीब परिवारों को मुफ्त में खाद्य सामग्री मुहैया कराएगी गुजरात सरकार

**अहमदाबाद**। गुजरात सरकार एक अप्रैल से उचित दर की दुकानों के जरिए लगभग 60 लाख राशन कार्डधारी परिवारों को मुफ्त में गेहूं, चावल, दालें और चीनी जैसी खाद्य सामग्री मुहैया कराएगी। मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने बुधवार को यह जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने गांधी नगर में बैठक के बाद कहा कि इस योजना का मकसद यह सुनिश्चित करना है कि अपनी आजीविका के लिए दैनिक मजदूरी पर निर्भर और अप्रैल का राशन नहीं खरीद पाने वाले वाले गरीब लॉकडाउन से प्रभावित न हों। रूपाणी ने कहा, पूरे देश में लॉकडाउन लागू है। गुजरात सरकार ने एक महत्वपूर्ण फैसला लिया है कि 60 लाख राशनकार्ड धारी गरीब परिवारों या 3.25 करोड़ लोगों को मुफ्त में खाने का सामान मुहैया कराया जाए। एक अप्रैल से शुरू होने वाली इस योजना के तहत प्रत्एक परिवार के हरेक व्यक्ति को 3.5 किलो गेहूं, डेढ़ किलो गेहूं और एक-एक किलो दाल, गेहूं चीनी और नमक दिया जाना शामिल है।

कोलकाता में रसोई गैस लेने के लिए लाइन में इंतजार करते लोग

# मध्य प्रदेश में कोरोना वायरस से पहली मौत

## उज्जैन की 65 वर्षीय महिला ने तोड़ा दम

भाषा। इंदौर

**कोरोना वायरस** से संक्रमित 65 वर्षीय महिला की इंदौर के एक सरकारी अस्पताल में इलाज के दौरान बुधवार को मौत हो गई। राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण से यह पहली मौत है। इंदौर के जिलाधिकारी लोकेश कुमार जाटव ने संवाददाताओं को बताया, उज्जैन की रहने वाली 65 वर्षीय महिला की इंदौर के शासकीय महाराजा यशवंतराव चिकित्सालय में मौत हुई है। वह कोरोना वायरस से संक्रमित थी।

उन्होंने बताया, सांस लेने में ज्यादा दिक्कत होने से मरीज की हालत काफी बिगड़ गई थी। वह मधुमेह की गंभीर मरीज भी थी। डॉक्टरों के तमाम प्रयासों के बावजूद उसकी जान नहीं बचाई जा सकी। जाटव ने बताया कि महिला के अंतिम संस्कार के वक्त तय प्रोटोकॉल का पालन किया जाएगा ताकि इसमें शामिल होने वाले लोगों को कोरोना वायरस संक्रमण की जद में आने से बचाया जा सके। उन्होंने बताया कि महिला का अंतिम संस्कार करने वाले लोगों को इस संक्रमण से सुरक्षा के साधन मुहैया कराए गए हैं।

जिलाधिकारी ने बताया कि यह महिला शहर के विभिन्न अस्पतालों में भर्ती पांच मरीजों में से ही एक हैं। उन्होंने बताया, डॉक्टरों द्वारा इन पांचों लोगों के कुल 29 परिजनों की शुरूआती जांच कर ली गई है। लेकिन इनके परिजनों में कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण फिलहाल नहीं पाए गए हैं। हम उनकी सेहत पर निगाह रखते हुए उनकी आगामी जांचें करा रहे हैं।

स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इंदौर में जिन पांच लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि हुई है उनमें से किसी ने विदेश यात्रा नहीं की थी, सभीस्थानीय स्तर पर संक्रमण की चपेट में आए हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश भर में अब तक कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि कुल 15 लोगों में हुई है। इंदौर और उज्जैन में कोरोना वायरस संक्रमण के मरीज सामने आने के बाद जिला प्रशासन ने दोनों शहरों में कर्फ्यू लगा दिया है।

## चिराग पासवान ने पार्टी सांसदों से कहा, सांसद निधि से एक-एक करोड़ रुपए दें

**पटना।** लोक जनशक्ति पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपनी पार्टी सभी छह सांसदों से कहा है कि वे कोरोना वायरस से बचाव के लिए अपने-अपने संसदीय क्षेत्रों को सांसद निधि से एक-एक करोड़ रुपए दें। बिहार में जमुई लोकसभा सीट से सांसद चिराग ने प्रदेश में पार्टी के अन्य सांसदों पशुपति कुमार पारस (हाजीपुर), महबूब अली कैसर (खगड़िया), प्रिन्स राज (समस्तीपुर), वीणा देवी (वैशाली) और चंदन सिंह (नवादा) से बुधवार को कहा कि वे सांसद निधि से अपने क्षेत्रों को एक-एक करोड़ रुपए दें। चिराग ने एक पत्र लिखकर सांसदों से कहा, आप जानते हैं कि कोरोना वायरस पूरी दुनिया के साथ-साथ हमारे देश में भी महामारी का रूप ले रहा है। ऐसे हालात में हमारी जिम्मेदारी भी बढ़ जाती है। इसी लिहाज से आप सभी से मेरा अनुरोध है कि अपने सांसद निधि से अपने क्षेत्रों को एक-एक करोड़ रुपए की राशि दें ताकि इससे निपटने में मदद मिल सके।

अहमदाबाद में जनरल स्टोर की दुकान पर एक मीटर की दूरी से लाइन लगाकर राशन लेते हुए लोग।

## मुंबई में कालाबाजारी की शिकायतें, अधिकारियों ने दी कार्रवाई की चेतावनी

**मुंबई।** अधिकारियों ने बुधवार को चेतावनी दी कि अगर मुंबई में कोरोना वायरस के खतरे के बीच सरकारी राशन दुकानों के मालिक कालाबाजारी में लिप्त पाए गए तो उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। शहरी की झुग्गी-बस्तियों से शिकायतें मिल रही हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की देशव्यापी लॉकडाउन की घोषणा के बाद लोग घर का जरूरी सामान इकट्ठा करने के लिए दुकानों पर टूट पड़े और कुछ ग्राहकों को खाली हाथ लौटना पड़ रहा है। महाराष्ट्र सरकार ने आश्वासन दिया था कि वाहनों की आवाजाही पर रोक तथा दफ्तरों एवं कारोबारों के बंद रहने के बावजूद राशन की दुकानें तथा अन्य जरूरी सामान बेचने वाले प्रतिष्ठान खुले रहेंगे। नागरिक आपूर्ति निदेशक और राशनिंग नियंत्रक कैलाश पगारे ने कहा कि लोगों को पास की राशन दुकानों से मार्च का राशन लेना चाहिए।

## भोपाल में एक पत्रकार के कोरोना वायरस से संक्रमित होने पर मीडिया जगत में खलबली

**भोपाल।** भोपाल के एक पत्रकार में कोरोना वायरस की पुष्टि होने के बाद बुधवार को मध्यप्रदेश में कोरोना वायरस पीड़ितों की संख्या बढ़कर 15 हो गई है। भोपाल में इस खबर के बाद पत्रकार जगत में खलबली मच गई है क्योंकि यह कोरोना संक्रमित पत्रकार भोपाल में मुख्यमंत्री निवास पर निवर्तमान मुख्यमंत्री कमलनाथ की 20 मार्च को दोपहर की पत्रकार वार्ता में मौजूद थे। इस पत्रकार वार्ता में कमलनाथ ने अपने त्यागपत्र की घोषणा की थी।

भोपाल के चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी यानी सीएमएचओ सुधीर देहरिया ने बताया कि भोपाल के कोरोना पीड़ित पत्रकार की 26 वर्षीय बेटी के भी कोरोना से संक्रमित होने की पहले ही पुष्टि हो चुकी है। यह युवती 18 मार्च को ही लंदन से भोपाल आई है और उसके नमूनों की जांच में कोरोना वायरस की पुष्टि हुई। देहरिया ने बताया कि पिता एवं पुत्री दोनों का इलाज भोपाल एम्स में किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि लंदन से लौटने के बाद यह युवती दो दिन तक अपने परिवार के साथ रही। सीएचएमओ ने बताया कि हालांकि युवती के परिवार में उसकी मां, भाई और घर में काम करने वाले अन्य लोगों की जांच रिपोर्ट निगेटिव आई है।

देहरिया ने बताया कि जो भी लोग संक्रमित पत्रकार के संपर्क में थे उनको सलाह दी जाती है कि वह 14 दिनों के लिए घर में स्वयं को अलग कर लें तथा 6-7 दिन में यदि खांसी, ठंड और बुखार जैसे लक्षण दिखाई दें तो कोरोना नियंत्रण कक्ष में संपर्क करें। एक राष्ट्रीय दैनिक से जुड़े एक वरिष्ठ पत्रकार ने कहा, कमलनाथ की पत्रकार वार्ता में कांग्रेस के विधायक, नेता, सरकारी अधिकारी और बड़ी तादाद में पत्रकार मौजूद थे। मैं भी उनसे मिला था। हम सभी अब दहशत में हैं। संक्रमित पत्रकार इस पत्रकार वार्ता में भाग नहीं लेना चाहिए था। जब वह जानते थे कि उनकी बेटी विदेश यात्रा से वापस आई है। पत्रकार वार्ता के दौरान संबंधित पत्रकार से मिलने वाले अन्य पत्रकारों को अब घबराने के बजाय अन्य लोगों से स्वयं को अलग कर लेना चाहिए। जर्नलिस्टस क्लब के अध्यक्ष दिनेश गुप्ता ने बताया कि यह बहुत ही गैर जिम्मेदाराना व्यवहार है। केन्द्र सरकार ने बार बार विदेश यात्रा करने वाले लोगों और उनसे संपर्क में आने वाले लोगों के बारे में सावधानियों के बारे में सलाह जारी की। ऐसा व्यक्ति इतनी अहम जगह पर बड़ी पत्रकार वार्ता में मौजूद था। प्रशासन को ऐसे लोगों को पहले ही अलग रखना चाहिए क्योंकि प्रशासन को विदेश से आने वाले लोगों के बारे में पूरी जानकारी होती है।

## पंजाब में दो और मामले आए, कुल रोगियों की संख्या 31 हुई

**चंडीगढ़।** पंजाब में बुधवार को कोरोना वायरस के संक्रमण के दो और मामले सामने आए जिसके बाद राज्य में इस महामारी के रोगियों की कुल संख्या 31 हो गई है। यहां जारी मीडिया बुलेटिन के अनुसार लुधियाना में एक शख्स की जांच रिपोर्ट पॉजिटिव आई है जिसका हाल में विदेश यात्रा का कोई इतिहास नहीं रहा। उसके संक्रमण के स्रोत का पता लगाया जा रहा है।

यह लुधियाना में कोविड-19 का पहला मामला है। अधिकारियों के अनुसार दूसरा मामला होशियारपुर से आया है जहां 31 वर्षीय व्यक्ति को संक्रमण की पुष्टि हुई है। होशियारपुर के गढ़शंकर उप-संभाग के मोरनवाली गांव निवासी इस युवक के पिता पहले ही कोरोना वायरस के रोगी हैं। बुलेटिन के अनुसार नवांशहर में एक रोगी की मृत्यु हो गई।

## राहत कोष में भाजपा विधायक एक माह का वेतन व मंत्री एक-एक लाख रुपए देंगेः सुशील मोदी

**पटना।** बिहार के उपमुख्यमंत्री सुशील कुमार मोदी ने बुधवार को कहा कि कोरोना वायरस संक्रमण से उत्पन्न चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भाजपा के सभी विधायक व विधान पार्षद एक-एक महीने के वेतन व मंत्रीगण एक-एक लाख रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे।

पटना स्थित अपने सरकारी आवास 5 देशरत्न मार्ग स्थित कार्यालय से स्वास्थ्य मंत्री मंगल पांडेय के साथ भाजपा के सभी विधायकों व विधान पार्षदों को ऑडियो कान्फ्रेंसिंग के जरिए सुशील ने कहा कि सभी अपने-अपने क्षेत्रों में यह सुनिश्चित करें कि खाद्य सामग्री, साग-सब्जी, दवा, दूध आदि की किल्लत ना हो तथा कोई इनकी जमाखोरी और कालाबाजारी ना करे। कोरोना वायरस संक्रमण से चुनौतियों का मुकाबला करने के लिए भाजपा के सभी विधायक व विधान पार्षद एक-एक महीने का वेतन व मंत्रीगण एक-एक लाख रुपए मुख्यमंत्री राहत कोष में देंगे।

सुशील ने सभी सदस्यों को प्रतिदिन कम से कम 100 लोगों से मोबाइलफोन से बातें कर फीडबैक लेने, कोरोना वायरस से बचने की सावधानियां बताने व आम लोगों से जुड़ी परेशानियों से अधिकारियों को अवगत करा उसे दूर करने का निर्देश दिया। विधायक लोगों को समझाएं कि खाद्य सामग्री, साग-सब्जी, दवा आदि की कोई किल्लत नहीं है, भयभीत होकर अनावश्यक खरीदारी ना करें। सुशील ने कहा कि लॉकडाउन में आवश्यक सामग्रियों की सतत आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए सरकार पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सभी विधायक व विधान पार्षद आम लोगों को सचेत करें कि सोशल मीडिया पर आने वाली फेक न्यूज से सावधान रहें और बिना जांचे-परखे उसे दूसरों को प्रेषित नहीं करें और संचार माध्यमों के जरिए चिकित्सकों व विशेषज्ञों के सुझाव को ही अधिकृत मानें।

सुशील ने कहा कि अन्य राज्यों व देश के बाहर से ग्रामीण क्षेत्रों में आए लोग अपने घरों में अलग-थलग रहें या मुखिया से सम्पर्क कर उन्हें पंचायत भवन या स्कूल में अलग रखने की व्यवस्था सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि इसके साथ ही फौरी राहत के तौर पर राज्य सरकार द्वारा घोषित राशन कार्डधारियों को एक माह की राशन सामग्री, एक हजार रुपए, राज्य के 86 लाख पेंशनभोगियों को तीन महीने की अग्रिम पेंशन राशि, छात्रवृत्तियां आदि का ससमय उनके खातों में भुगतान भी सुनिश्चित किया जा रहा है।

# पेज एक का शेष

## लॉकडाउन में ...

खबरों के बीच, गृह मंत्रालय ने सभी राज्यों के मुख्य सचिवों और डीजीपी से कहा है कि वे आशंका या अफवाह फैलाने वालों पर कार्रवाई करें और शांति व्यवस्था बनाए रखें। शीर्ष अधिकारी लोगों को भोजन, दवाएं और अन्य आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता के बारे में भी लोगों को भरोसा दिलाएं। गृह मंत्रालय ने भी राज्य सरकारों से अफवाहों के प्रसार की जांच करने को कहा है। केंद्रीय खाद्य मंत्री रामविलास पासवान ने कहा कि सरकार बाजार में आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता की निगरानी कर रही है, जबकि एचआरडी मंत्री प्रकाश जावडेकर ने कहा कि केंद्र जरूरी सामान की आपूर्ति के लिए प्रतिबद्ध है लोग जमाखोरी नहीं करें। दिल्ली-एनसीआर सहित कई शहरों में विक्रेताओं को अपनी गाड़ी से फल और सब्जी बेचते हुए पाया गया है। पेट्रोल पंप खुले हैं और एलपीजी गैस सिलेंडर की आपूर्ति चालू है। मदर डेयरी के आउटलेट भी खोले गए हैं। मदर डेयरी समूह के फल और सब्जी बेचने वाले ब्रांड सफल ने घोषणा की है कि उसके सभी आउटलेट पूरी क्षमता से चालू रहेंगे। एग्रीकल्चर प्रोड्यूस मार्केटिंग कमिटी के अधिकारियों ने दावा किया कि देश में फल और सब्जियों की कोई कमी नहीं है। व्यापारियों को कर्फ्यू पास नहीं मिलने के चलते दिल्ली के आजादपुर स्थित एशियों की सबसे बड़ी मंडी में फल-सब्जियों का उठान बीते दो दिन में आधा रह गया है। इस बीच, टॉप ई-कॉमर्स वेबसाइट फ्लिपकार्ट और अमेजन ने अस्थायी रूप से अपनी सेवाएं स्थगित कर दी हैं। फ्लिपकार्ट ने सभी उत्पादों को आउट ऑफ स्टॉक बताया है। किराना स्टार्टअप ग्रोफर्स ने भी इसी समस्या के चलते अपनी सेवा रोक दी है। सुपरमार्केट चेन बिग बाजार की दिल्ली, बेंगलुरू, मुम्बई, गुरुग्राम, रांची, गाजियाबाद, नोएडा, फरीदाबाद जैसे बड़े शहरों और उत्तर प्रदेश, हरियाणा, पंजाब, उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और गुजरात आदि राज्यों में डोर स्टेप डिलेवरी सेवा जारी है। झारखंड में लॉकडाउन की आड़ में ऊंची दरों पर सामान बेचे जाने की खबरों के बाद सरकार ने जरूरी सामान की रेट लिस्ट जारी कर दी है। देश के कई अन्य हिस्सों से भी सब्जियां, मछली, मीट और अंडों के डबल दामों पर बेचे जाने की सूचनाएं हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व वाला उत्तर प्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है जिसने आवश्यक खाद्य सामग्री घर तक पहुंचाने की घोषणा की है। योगी ने कहा कि इस काम में 10,000 वाहन लगाए गए हैं। पंजाब और चंडीगढ़ में लोगों ने वादे के अनुरूप जरूरी सामान की होम डिलीवरी नहीं किए जाने के आरोप लगाए। सरकार का कहना है कि यहां अलग-अलग टाइम पर अलग-अलग जिलों में आपूर्ति सुनिश्चित करने की रणनीति बनाई गई है। गोवा में इस काम के लिए वॉलेंटियर सेवा शुरू करने पर विचार किया जा रहा है। जम्मू और श्रीनगर प्रशासन ने भी 1.60 लाख परिवारों को सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत घर-घर राशन पहुंचाने का फैसला लिया है।

## प्रदेश में ...

स्थिर है। उन्होंने कहा, रोगियों की हालत में सुधार हो रहा है। कल गुरूवार को और तीन-चार रोगियों को अस्पताल से छुट्टी दी जा सकती है। अस्पतालों में किए गए इंतजामों की चर्चा करते हुए प्रमुख सचिव ने बताया कि इस समय 6,000 पृथक बिस्तर चिन्हित किए जा चुके हैं जिन्हें जल्द ही बढ़ाकर 10 से 15 हजार से अधिक किया जाएगा। जरूरत पड़ने पर निजी अस्पतालों की मदद ले सकते हैं। प्रसाद ने बताया, प्रदेश के विभिन्न शहरों, गांवों, कस्बों में पिछले एक महीने में जो लोग आए हैं वहां उनको निगरानी में रखा जा रहा है। इसके अलावा जो लोग दूसरे प्रांतों से आए हैं उन्हें सलाह दी जा रही है कि वह 15 दिन तक अपने घरों में ही रहें। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के माध्यम से ग्राम प्रधानों को लगातार फोन किए जा रहे हैं। 10 हजार से अधिक प्रधानों को फोन किया जा चुका है। प्रधानों से यह कहा जा रहा है कि जो लोग बाहर से आए हैं उन्हें घर में ही रहने की सलाह दें और यह सुनिश्चत करें कि वह बाहर ना निकले घरों में ही रहें। प्रमुख सचिव प्रसाद ने कहा, जो लोग विदेशों से आए हैं अगर उन्हें कोई परेशानी होती है तो वह 18001805145 पर सूचना दे सकते हैं। हमारी टीम उनके घर जाकर उनको देखेगी। जरूरत होने पर हम उन्हें अस्पताल लेकर आएंगे और उनका पूरा इलाज करेंगे। उन्होंने कहा, अस्पतालों में ओपीडी को नियंत्रित कर दिया गया है। आपात सेवाओं की ओपीडी चल रही है। अगर किसी रोगी को तत्काल चिकित्सा की जरूरत है तो वह 108 नंबर पर फोन करे और गर्भवती महिलाओं को इलाज के लिए 102 नंबर पर फोन करें। उन्हें चिकित्सा उपलब्ध कराई जाएगी।

## 606 हुए ...

संक्रमण के परीक्षण के लिए पूरे देश में 29 निजी प्रयोगशालाओं और 1600 सैंपल कलेक्शन केन्द्रों का भी पंजीकरण किया गया है। इस बीच, भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की देशभर में 118 प्रयोगशालाएं काम कर रही हैं। अधिकारी ने बताया कि चिकित्सा संबंधी सुरक्षा उपकरणों का आयात बाधित होने के कारण पिछले कुछ दिनों में इनकी कमी महसूस की गई है, लेकिन सरकार इस कमी को दूर करने के लिए कारगर प्रयास कर रही है। उन्होंने लॉकडाउन को ही स्थिति को नियंत्रित करने का एकमात्र उपाय बताते हुए कहा कि गृह मंत्रालय द्वारा एक नियंत्रण कक्ष के माध्यम से लॉकडाउन का पालन सुनिश्चित कराने की निरंतर निगरानी की जा रही है।

## महंगा पड़ेगा ...

अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए हैं और सभी नागरिकों से आग्रह करते हैं कि वे अपने आस-पास ऐसी कोई भी गतिविधि होते देखें-कहीं भी डॉक्टर, नर्स या मेडिकल स्टाफ के साथ कोई बुरा बर्ताव कर रहा है तो उसे न सिर्फ समझाएं बल्कि चेतावनी भी दें कि यह गलत है। कोरोना की वैश्विक महामारी से बने गंभीर हालात में अस्पतालों में सफेद कपड़ों में दिख रहा हर व्यक्ति ईश्वर का ही रूप है। आज यही लोग हमें मृत्यु से बचा रहे हैं। खुद का जीवन खतरे में डालकर ये दूसरों के जीवन की रक्षा कर रहे हैं। समाज के मन में इन सभी लोगों के लिए आदर और सम्मान का भाव होता ही है। डॉक्टर जिंदगी बचाते हैं और हम उनका कर्ज कभी नहीं चुका सकते। प्रधानमंत्री के अनुसार, भारतीय समाज में ये संस्कार दिनों दिन प्रबल हो रहा है कि जो लोग देश की सेवा करते हैं, देश के लिए खुद को खपाते हैं उनका सार्वजनिक सम्मान भी होते रहना चाहिए। बीते कुछ वर्षों में एक परंपरा शुरू हुई है कि हवाई अड्डे पर जब लोग सेना के जवानों को देखते हैं तो उनके सम्मान में खड़े हो जाते हैं, कुछ लोग तालियां भी बजाते हैं। आभार प्रकट करने का यह तरीका हमारे संस्कारों में बढ़ना ही चाहिए। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने मोदी वुहान में बचाव अभियान से जुड़े लोगों को अपने पत्र का भी जिक्र किया और कहा कि यह उनके लिए भावुक पल था। गौरतलब है कि मंगलवार को कुछ डाक्टरों एवं नर्सों को कोरोना वायरस के मद्देनजर मकान मालिकों द्वारा घर स निकाले जाने और कुछ एयरलाइन कर्मियों को पड़ोसियों द्वारा परेशान करने की खबरें आई थीं। डॉक्टरों की शिकायत मिलते ही गृह मंत्री अमित शाह ने पुलिस आयुक्त से बात कर जरूरी निर्देश दिए थे जबकि नागर विमानन मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने संबंधित अधिकारियों से चालक दल के कर्मियों एवं उनके परिवार के सदस्यों को हरसंभव मदद एवं सुरक्षा प्रदान करने का आग्रह किया था। इससे पहले, काशी के लोगों के सवालों के जवाब देते प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि देश संकट के दौर से गुजर रहा है। हमने कोरोना के खिलाफ युद्ध छेड़ा है जिसे 130 करोड़ महारथियों के बूते जीतेंगे। इसे जीतने में 21 दिन लगेंगे। हमेशा की तरह काशी कोरोना से मुकाबले में भी पूरेद देश को रास्ता दिखाएगी। कोरोना महामारी को परास्त करने के लिए सामाजिक दूरी को एकमात्र विकल्प बताते प्रधानमंत्री ने फिर दोहराया कि यह बहुत जरूरी है। लोग अपनी गलतफहमी से निकलकर खतरे को समझें और सचाई स्वीकार करें। एक अन्य सवाल के जवाब में मोदी ने बताया कि विशेषज्ञों की राय पर ही कहा जा रहा है कि हर व्यक्ति दूसरे से कम से कम एक से डेढ़ किलोमीटर की दूरी पर रहे। यह सैन्य नीति है। हम लोग इस पर विश्वास करते हैं मनुष्य ईश्वर का ही अंग है। यही हमारे संस्कार व संस्कृति है। कोरोना इन्हें नहीं मिटा सकता। संकट के समय हमारी संवेदना और जागृत हो जाती हैं। कोरोना के जवाब का एक और तरीका है करुणा। गरीबों-जरूरतमदों के प्रति करूणा दिखाकर भी हम मदद कर सकते हैं। हमारे यहां कहा जाता है साईं इतना दीजिए जामे कुटुंब समाए,मैं भी भूखा ना रहूं-साधु भी न भूखा जाए। आज नवरात्रि शुरू हुआ है। जिनके पास भी ऐसा करने की शक्ति है वे प्रति दिन 9 गरीब परिवारों की मदद करने का प्रण लें-उन्हें संभालें। इतना भी हम कर लें तो मां की इससे बड़ी अराधना कुछ नहीं हो सकती। यह सच्चा व पक्का नवरात्र होगा। गरीबों के साथ पशुओं के सामने भी भोजन का संकट खड़ा हो गया है। उनका लोगों से आग्रह है कि अपने आसपास पशुओं का भी ध्यान रखें। व्यवस्था के बाबत मोदी ने कहा कि यदि मैं यह कहूं कि सब कुछ ठीक है तो खुद को भी धोखा देने का काम करूंगा। इस समय केंद्र हो या राज्य सरकार अपने स्तर पर भरसक प्रयत्न कर रही हैं लेकिन हम यह भी जानते हैं कि सामान्य परिस्थिति में भी कभी बिजली चली जाती है-पानी बंद हो जाता है। सहायक लंबी छुट्टी ले लेते हैं। ऐसी स्थिति बिना बताए हम सब हिंदुस्तानियों के सामने आती रहती है और ऐसे समय जब पूरे विश्व के सामने इतनी बड़ी चुनौती खड़ी है तो यह कहना कि सब ठीक है-धोखा देने वाली बात होगी। व्यवस्था ठीक है या नहीं इससे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि कोरोना संकट में तकलीफें उठाकर भी हमें विजयी होना है या नहीं। अभी तो 21 दिन की तकलीफ है और यदि यह दूर नहीं हुआ तो फिर जो मुश्किलों झेलनी पड़ेंगी उनका अंदाजा भी नहीं लगाया जा सकता। अस्पतालों में लोग 18-18 घंटे काम कर रहे हैं-दो या तीन घंटे से ज्यादा सोने को नहीं मिल रहा है। सामाजिक सोसाइटी के लोग गरीबों के कल्याण में रात दिन लगे हैं। इन लोगों को नमन करना चाहिए। हो सकता है कि कहीं लापरवाही हुई हो लेकिन इन्हें खोज-खोजकर प्रचार करना लाभदायी नहीं हो सकता। निराशा फैलाने के हजारों कारण हो सकते हैं लेकिन जीवन आशा और विश्वास से ही चलता है। हम सबका प्रयास होना चाहिए कि प्रशासन पर कम से कम दबाव डालें. प्रशासन का सहयोग करें। अस्पताल वाले-पुलिस -सरकारी कर्मी व मीडिया वाले -ये अपने ही लोग हैं। बाहर से आए हुए नहीं। हमें इनका सहयोग करना चाहिए। इनके कंधों पर बड़ा बोझ आया है। अपने मन से इलाज करने की आदत पर उन्होंने आगाह किया कि कोरोना संक्रमण का इलाज अपने स्तर पर बिल्कुल नहीं करना है। घर में रहना है और जो भी करना है डॉक्टरों की सलाह से ही करना है। हमें ध्यान रखना है कि कोरोना के खिलाफ अभी तक कोई भी दवा या वैक्सीन पूरी दुनिया में कहीं नहीं बनी है। वैज्ञानिक व अनुसंधानकर्ता इस दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं लिहाजा कोई भी सुझाव दे तो कृपा करके डॉक्टर से बात करें। खबरों में देखा होगा कि दुनिया के कुछ देशों में अपनी मर्जी से दवा लेने के कारण कैसे जीवन संकट में पड़ गए। हमें हर तरह के अंधविश्वास-अफवाहों से बचना है। एक गृहणी ने जानना चाहा कि लॉकडाउन की स्थिति में सारे बच्चे घर में हैं जिन्हें संभालना मुश्किल हो रहा है। कुछ बच्चे ऐसे हैं जिनकी परीक्षा भी प्रभावित हुई है-उन्हें कैसे संभालें। हल्के फुल्के अंदाज में जवाब देते मोदी ने कहा कि सच है कि आपदा बहुत बड़ी है लेकिन आपदाओं को अवसर में बदलना ही समाज का नियम है। सोशल मीडिया पर लोग बता रहे हैं कि कैसे बच्चों को संभाल रहे हैं। पहले संयुक्त परिवार होते थे तो दादा दादी संभाल लेते थे-एकल परिवार में कठिनाई तो है लेकिन लोग नई-नई बातें सिखा रहे हैं। मैं देख रहा हूं कि मानव जाति कैसे इस वैश्विक संकट से जीतने को एक साथ आ गई है और इसमें सबसे बड़ी भूमिका निभा रही है हमारी बाल सेना। बालक समझा रहे हैं माता-पिता को कि कैसे हाथ धोना है। घर से नहीं निकलना है। आपको याद होगा कि स्वच्छ भारत अभियान जब शुरू किया था तब बच्चों ने इसकी कमान संभाल ली थी। बच्चों की प्रतिभा मुझे बहुत प्रभावित करती है। हंसते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि संभवत: माता पिता को यही डर लग रहा है कि बच्चे कहीं उन्हें न पढ़ाने लग जाएं। अंत में उन्होंने बताया कि पूरे देश से हजारों प्रबुद्ध नागरिकों ने फेसबुक, ट्विटर आदि पर सुझाव दिए हैं कि इस महामारी से कैसे निबटे। मुझे विश्वास है कि देश इसे जरूर हराएगा। मैं काशी नहीं आ सका इसके लिए मुझे क्षमा करें। एक बड़ी लड़ाई जिसमें बनारस के लोगों को बड़ा योगदान देना है। सभी काशीवासियों को दिल्ली से प्रणाम करता हूं। आपने हमेशा काशी को संभाला है और विश्वास है कि आगे भी संभालेंगे।

## मई तक...

लक्षण नहीं दिख रहे हैं। उन्होंने अपनी रिपोर्ट में लिखा है कि अभी तक भारत में जांच किए गए लोगों की संख्या तुलनात्मक रूप से बहुत कम है। व्यापक जांच नहीं होने की स्थिति में सामुदायिक स्तर पर संक्रमण को रोक पाना असंभव है। इसका यह मतलब है कि इस बात का आकलन नहीं किया जा सकता है कि अस्पतालों और स्वास्थ्य सुविधा केंद्रों के बाहर कितनी संख्या में संक्रमित व्यक्ति हैं। भारत के लिए यह जरूरी है कि वह देश में कोरोना वायरस संक्रमण के तेजी से फैलने से पहले बेहद कड़े उपायों को अपनाए। गौरतलब है कि स्थिति की गंभीरता को देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार रात पूरे देश में 21 दिनों के लिए संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा की थी। वैज्ञानिकों ने अपने विश्लेषण में 16 मार्च तक भारत में दर्ज मामलों से जुड़े आंकड़ों का इस्तेमाल किया। उन्होंने किसी एक समय पर संक्रमित संख्या का अनुमान लगाया और भारत के लिए लगाए गए उन अनुमानों की तुलना अमेरिका एवं इटली से की। इस टीम में दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स, मिशिगन विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक भी शामिल हैं। उन्होंने विश्व बैंक के डेटा का जिक्र करते हुए कहा कि भारत में प्रति 1000 व्यक्ति बेड की संख्या सिर्फ 0.7 है, जबकि फ्रांस में यह 6.5, दक्षिण कोरिया में 11.5, चीन में 4.2, इटली में 3.4 और अमेरिका में 2.8 है। वैज्ञानिकों ने आगाह किया है कि मामलों की संख्या ज्यादा होने पर भारत में स्वास्थ्य सेवा प्रदान करने वालों के लिए इससे निपट पाना असंभव हो जाएगा। रिपोर्ट में भारत की आबादी में शामिल जोखिमग्रस्त समूहों की भी पहचान की गई है। देश में 2014 में बगैर बीमा वाले लोग करोड़ों की संख्या में थे। गंभीर रूप से संक्रमित लोगों को (संक्रमितों में से करीब पांच-10 प्रतिशत को) आईसीयू बेड की जरूरत होगी।

## योगी सरकार...

सचिव ग्राम्य विकास, अपर मुख्य सचिव गृह एवं सूचना, अपर मुख्य सचिव राजस्व, प्रमुख सचिव खाद्य एवं रसद, प्रमुख सचिव पशुपालन एवं प्रमुख सचिव परिवहन की अध्यक्षता में समितियां गठित की गयी हैं। मुख्यमंत्री ने प्रदेश के 51 सरकारी, निजी मेडिकल कॉलेजों में 200 से 300 बेड के आइसोलेटेड वॉर्ड स्थापित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में पर्याप्त मात्रा में मास्क, ग्लब्स व सैनेटाइजर आदि की उपलब्धता की गयी है। लॉक डाउन के दौरान पान, तंबाकू, गुटखे पर पूर्ण प्रतिबन्ध रहेगा क्योंकि इसके थूकने से कोरोना के संक्रमण की संभावना अधिक है। सभी जनपदों में कण्ट्रोल रूम की स्थापना की जा रही है। मुख्यमंत्री ने

## सुनिश्चित किया ...

अधिकारियों को निर्देशित किया कि पिछले एक सप्ताह में प्रदेश में विभिन्न देशों से आये लोगों को चिन्हित कर उन्हें उपचारित किया जाए। लोगों को अपने गन्तव्य तक पहुंचाने के लिए पीआरवी-112 का उपयोग करें तथा यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी व्यक्ति सड़क पर न दिखे। सीएम हेल्पलाइन के माध्यम से ग्राम प्रधानों से संवाद स्थापित कर गांवों में कोरोना के प्रति लोगों को जागरूक करें। मुख्यमंत्री ने जिला प्रशासन तथा पुलिस के अधिकारियों को संयुक्त रूप से पेट्रोलिंग करने के निर्देश दिए हैं। लोगों को जागरूक करने के उद्देश्य से माइक पर इस संबन्ध में एनाउन्समेण्ट भी किया जाए। रैनबसेरों तथा धर्मशालाओं में रहने वाले लोगों के लिए कुक्ड फू ड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। इसके लिए एमडीएम के किचन का उपयोग किया जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि मण्डी समितियां गेहूं, चावल, दाल, आलू तथा दूध आदि की उठान की व्यवस्था भी करें। ई-कॉमर्स कंपनियां बिग बाजार, मेगा मार्ट आदि के लोग होम डिलीवरी करें, जिससे लोगों को घर पर ही सुविधाएं मिल सकें। स्वास्थ्य विभाग दवा विक्रेताओं से समन्वयन कर जरूरतमन्दों को होम डिलीवरी के माध्यम से दवा उपलब्ध कराने का कार्य करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि निराश्रित गो-आश्रय स्थलों पर चारे आदि की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि मुर्गी, बतख तथा मछली आदि के लिए चारे की व्यवस्था की जाए। कुत्तों आदि को भोजन के लिए एसपीसीए की मदद ली जाए। मुख्यमंत्रीने कहा कि कालाबाजारी, जमाखोरी अथवा मुनाफा खोरी करने वालों के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाएगी। दवा तथा खाद्यान्न आदि की दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग का अनिवार्य रूप से पालन कराया जाए। यह सुनिश्चित करें कि दुकानों पर एक समय 2 से अधिक व्यक्ति न रहें। लॉक डाउन की व्यवस्था प्रदेश की 23 करोड़ जनता के उत्तम स्वास्थ्य व सुरक्षित भविष्य के लिए की गई है। उन्होंने प्रदेशवासियों से घरों में रहते हुए सोशल डिस्टैन्सिंग बनाए रखने की अपील की है। उन्होंने कहा कि प्रशासन पूरे मनोयोग से कार्य कर रहा है। 12 हजार से अधिक वाहन सब्जी, दूध, दवा व खाद्यान्न घर-घर पहुंचाने के लिए लगाए गए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि रैन बसेरों, बस स्टेशन, रेलवे स्टेशन, हवाई अड्डे के बाहर तथा अन्य सार्वजनिक स्थलों पर कोई भी व्यक्ति भूखा-प्यासा न रहे। इसके लिए जिला प्रशासन कम्युनिटी किचन के माध्यम से भोजन के साथ-साथ पेयजल की व्यवस्था करे।

## टेंट से ...

खोल दिया गया। लेकिन पूरे देश में लॉकडाउन के चलते रामलला का दर्शन करने श्रद्धालु नहीं पहुंच सके। श्री रामलला के शिफ्टिंग के दौरान श्री रामलाला को योगी आदित्यनाथ और भरत, शत्रुघ्न, लक्ष्मण, हनुमान जी महाराज को अलग अलग लाया गया। स्थापित करने के पहले चारों भाइयों और भक्त हनुमान का अद्भुत श्रृंगार किया गया यह झांकी अलौकिक और दिव्य लग रही थी। रामलला को अस्थाई मंदिर में स्थापित करने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ लगभग 7 बजे गोरखपुर के लिए रवाना हो गए।

# ओलंपिक के लिए भारतीय कोचों को फिर से तैयार करना होगा खाका

भाषा। नई दिल्ली

**ओलंपिक** के एक साल तक टलने से अब खिलाड़ियों को खेलों के इस महाकुंभ में भाग लेने के लिए इंतजार करना होगा लेकिन उनके साथ जुड़े कोचों ने अभी से इसके लिए खाका तैयार करना शुरू कर दिया है। खतरनाक कोविड-19 के दुनिया भर में प्रसार के कारण अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने जापान सरकार से चर्चा के बाद इन खेलों को एक साल के लिए टाल दिया। मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए दुनिया भर के एथलीटों ने इसका स्वागत किया।

निशानेबाजी टीम के राष्ट्रीय कोच जसपाल राणा ने पीटीआई से कहा, यह बड़े पैमाने पर निशानेबाजों को प्रभावित करेगा, खासकर वैसे युवाओं को जो पहली बार ओलंपिक में भाग लेंगे। हम पिछले तीन साल से तैयारी कर रहे हैं। इन सब के बाद भी हमें बिना किसी शिकायत के इसे स्वीकार करना होगा।

अब तक लगभग 80 भारतीय एथलीटों ने ओलंपिक के लिए क्वालीफाई किया है और क्वालीफायर के दोबारा शुरू होने के बाद यह संख्या बढ़ने की उम्मीद है। चार साल में होने वाले इन खेलों में भारत को पदकों की सबसे ज्यादा उम्मीद निशानेबाजों से रहती है। तोक्यो 2020 के लिए रिकार्ड 15 भारतीय निशानेबाजों ने टिकट कटाया है जिसमें आठ पुरुष और सात महिला खिलाड़ी शामिल है। इनमें कुछ किशोर खिलाड़ी भी है। ओलंपिक के लिए नौ मुक्केबाजों और इतनी ही संख्या में ट्रैक एवं फील्ड खिलाड़ियों ने क्वालीफाई किया है। मुक्केबाजी टीम के कोच सैंटियागो नीवा ने पांच पुरुष और चार महिला मुक्केबाजों के क्वालीफाई करने की इशारा करते हुए कहा, मैं 2021 खेलों की तारीखों की घोषणा होने के बाद ही योजनाओं को फिर से तैयार करूंगा। हमें यह जानने की जरूरत है कि अगले क्वालीफायर कब हैं। हम वास्तव में चिंतित नहीं हैं क्योंकि हमने 13 में से नौ भार वर्ग में क्वालीफिकेशन हासिल की है। एथलेटिक्स के राष्ट्रीय सहायक कोच पी राधाकृष्णन नायर इस घटनाक्रम से थोड़े निराश है और उनका मानना है कि इन खेलों को 2022 तक स्थगित करना ज्यादा बेहतर होता। किसी भी भारतीय एथलीट ने ट्रैक एंड फील्ड में अभी तक ओलंपिक में पदक नहीं जीता है। राष्ट्रीय बैडमिंटन कोच पुलेला गोपीचंद ने भी ओलंपिक टालने का समर्थन करते हुए कहा कि इस दौरान खिलाड़ियों को बेहतर तैयारी का समय मिलेगा मौजूदा रैंकिंग के अनुसार, पी वी सिंधू, बी साई प्रणीत के अलावा चिराग शेट्टी और सात्विक साईराज रैंकीरेड्डी की पुरुष युगल जोड़ी को ओलंपिक टिकट मिलना लगभग तय है।

### पेरिस ओलंपिक 2024 पर असर नहीं: आयोजक

**पेरिस**। कोरोना वायरस संक्रमण के कारण तोक्यो ओलंपिक स्थगित होने का असर पेरिस में 2024 में होने वाले खेलों पर नहीं पड़ेगा। आयोजन समिति के प्रमुख टोनी एस्तांगुत ने यह बात कही। आईओसी अध्यक्ष थामस बाक ने जापान के प्रधानमंत्री शिंजो आबे से कल फोन पर बात करने के बाद टोक्यो ओलंपिक 2021 तक स्थगित करने का फैसला किया। एस्तांगुत ने कहा कि इसका पेरिस खेलों पर असर नहीं पड़ेगा और वे टोक्यो ओलंपिक के तीन साल बाद होंगे। उन्होंने कहा कि टोक्यो ओलंपिक को स्थगित करने का फैसला सही है।

## सभी पक्षों को करना होगा बलिदान: बाक

**लुसाने**। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के अध्यक्ष थामस बाक ने बुधवार को कहा कि टोक्यो ओलंपिक स्थगित होने के बाद नए सिरे से आयोजन के लिए सभी पक्षधारकों को बलिदान और समझौते करने होंगे। बाक ने कोविड 19 के कारण तोक्यो ओलंपिक स्थगित किए जाने के फैसले के एक दिन बाद प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि खेलों के स्थगित होने का मतलब है कि सभी पक्षों को बलिदान करने होंगे। बाक ने कहा कि आईओसी की भूमिका खिलाड़ियों के ओलंपिक स्वप्न साकार करने की है। उन्होंने स्वीकार किया कि टोक्यो ओलंपिक रद्द करने पर भी बातचीत और गौर किया गया था लेकिन आगे कहा कि मैं शुरू ही से कहता आया हूं कि खेलों को रद्द करने के पक्ष में आईओसी नहीं है। शांतिकाल में स्थगित होने वाले ए पहले ओलंपिक हैं। बाक ने कहा कि खेलों के 2021 में होने से अब नया शेड्यूल बनाना काफी चुनौतीपूर्ण है।

# अब आईपीएल को रद्द करने का दबाव बढ़ा

भाषा। नई दिल्ली

**कोविड** 19 महामारी से निपटने के लिए देश में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा के बाद भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) पर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को रद्द करने का दबाव बढ़ गया है। बीसीसीआई ने इस महीने की शुरुआत में आईपीएल को 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया था तब उसने कहा था कि टूर्नामेंट की मेजबानी केवल स्थिति में सुधार होने पर किया जाएगा, लेकिन इसमें सुधार होने की जगह स्थिति और गंभीर हो गई जहां भारत में इस वायरस के चपेट में लगभग पांच सौ लोग आ गए है। बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली ने कहा था कि गंभीर स्थिति को देखते हुए उनके पास इस मामले पर कहने के लिए कुछ नहीं है। गांगुली ने कहा कि मैं फिलहाल कुछ नहीं कह सकता। हम उसी स्थान पर हैं जहां हम इसे निलंबित करने वाले फैसला लेते समय थे। पिछले 10 दिनों में कुछ भी नहीं बदला है। ऐसे में मेरे पास इसका कोई जवाब नहीं है। यथास्थिति बनी हुई है। किंग्स इलेवन पंजाब के सह-मालिक नेस वाडिया इस मुद्दे पर अधिक स्पष्ट दिखे। वाडिया ने कहा कि बीसीसीआई को वास्तव में आईपीएल को अब स्थगित करने पर विचार करना चाहिए। एक प्रमुख खेल आयोजन के तौर पर हमें बड़ी जिम्मेदारी के साथ काम करने की जरूरत है।

उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा कि मई तक स्थिति में अगर सुधार होता है और मुझे आशा है कि ऐसा होगा तो भी हमारे पास कितना समय रहेगा। क्या तब विदेशी खिलाड़ियों को देश में प्रवेश करने की अनुमति होगी? इससे पहले मंगलवार को बीसीसीआई ने अधिकारियों और टीम के मालिकों के सम्मेलन को स्थगित कर दिया गया था क्योंकि देश और दुनिया में कोविड-19 के मामलों में वृद्धि जारी है। ग्लैमर और चकाचौंध से भरी आठ टीमों की यह लीग प्रतियोगिता मूल रूप से 29 मार्च को मुंबई में शुरू होने वाली थी। ऐसा लग रहा कि बीसीसीआई को अब भी स्थिति में सुधार की संभावना दिख रही इस लिए वह कोई फैसला नहीं कर पा रहा है।

इस मामले से जुडे बीसीसीआई के एक अधिकारी ने कहा कि अगर ओलंपिक को एक साल के लिए स्थगित किया जा सकता है, तो आईपीएल उस लिहाज से बहुत छोटा टूर्नामेंट है। इसे आयोजित करना मुश्किल होता जा रहा। हमें इस बात को भी सोचना चाहिए की अभी सरकार विदेशी वीजा की अनुमति देने के बारे में भी विचार भी नहीं कर रही।

# आंकड़े भी कहते हैं पुल शॉट का बादशाह है रोहित शर्मा

**नई दिल्ली**। रोहित शर्मा ने पिछले दिनों अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पुल शाट खेलने वाले चार बल्लेबाजों में खुद को शामिल नहीं किए जाने पर फिकरा कसा था और अगर आंकड़ों पर गौर करें तो यह साबित हो जाता है कि क्रिकेट का यह खास शॉट खेलने में इस सलामी बल्लेबाज का कोई सानी नहीं है।

आईसीसी ने वेस्टइंडीज के विव रिचर्ड्स, आस्ट्रेलिया के रिकी पोंटिंग, दक्षिण अफ्रीका के हर्शल गिब्स और भारतीय कप्तान विराट कोहली के चित्र ट्वीट करके पूछा था कि इनमें पुल करने में सर्वश्रेष्ठ कौन है? इस पर रोहित ने ट्वीट किया था, इसमें किसी की कमी खल रही है?? मुझे लगता है कि घर से काम करना इतना आसान नहीं है। अगर 2015 के बाद के आंकड़ों पर गौर करें तो रोहित ने अपने सबसे अधिक रन पुल शॉट से बनाए। यही नहीं इस बीच पुल शॉट से बनाए गए रनों के मामले में भी रोहित सभी बल्लेबाजों से सबसे आगे रहे। शर्मा ने 2015 से लेकर पुल शॉट से 1567 रन बनाए और उन्होंने सभी प्रारूपों में इस शाट से सर्वाधिक रन बनाए। जब उन्होंने पुल शॉट खेला तब उनका स्ट्राइक रेट 274.91 रहा जो कि पुल शॉट खेलकर 500 से अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाजों में सर्वश्रेष्ठ रहा। रोहित ने 2015 के बाद से अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पुल से 1567, फ्लिक से 1229 और कवर ड्राइव से 1105 रन बनाए। रोहित ने इस बीच कुल 8968 रन पुल शॉट से बनाए और इस तरह से उन्होंने 17.47 प्रतिशत रन पुल शॉट से जुटाए। इस बीच रोहित ने पुल शॉट से 116 छक्के जमाए। उनके बाद इयोन मोर्गन का नंबर आता है जिन्होंने इन वर्षों में पुल करके 47 छक्के लगाए।

## कोरोना वायरस जैसी आग के लिए हवा न बनें: तेंदुलकर

**नई दिल्ली**। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर ने लोगों से लॉकडाउन के निर्देशों को गंभीरता से लेने की अपील करते हुए आगाह किया कि कोरोना वायरस अगर आग है तो इसे फैलाने वाली हवा हम हैं। कोरोना वायरस के कारण दुनिया भर में बंद की स्थिति बनी हुई और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राष्ट्र के नाम संबोधन में 21 दिनों के लॉकडाउन की घोषणा की थी। तेंदुलकर ने कहा कि यह निराशाजनक है कि कुछ लोग इस बंद को गंभीरता से नहीं ले रहे हैं।

उन्होंने ट्विटर पर जारी एक वीडियो में कहा कि हमारी सरकार ने और दुनिया भर के स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने हमसे आग्रह किया है कि हम घर पर रहें। और जब तक कोई आपात स्थिति न हो हम बाहर न जाएं। लेकिन फिर भी लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। मैंने कुछ वीडियो भी देखे हैं जिनमें लोग अब भी बाहर क्रिकेट खेल रहे हैं।

# कुछ समय के लिए विश्व रैंकिंग को स्थिर रख सकता है बीडब्ल्यूएफ

भाषा। नई दिल्ली

विश्व बैडमिंटन महासंघ (बीडब्ल्यूएफ) ने बुधवार को कहा कि वह कुछ समय के लिए विश्व रैंकिंग को स्थिर रख सकता है क्योंकि कोविड-19 महामारी के कारण तोक्यो ओलंपिक खेलों के स्थगित किए जाने के बाद यह ओलंपिक क्वालीफाईंग प्रक्रिया के लिए उचित समाधान के अनुरूप होगा।

विश्व रैंकिंग को जस का तस रखने की विश्व भर से अपील की जा रही है। भारतीय शटलर साइना नेहवाल, बी साई प्रणीत, पारुपल्लि कश्यप और एचएस प्रणय ने भी इसको लेकर अपनी चिंता जताई थी। बीडब्ल्यूएफ ने बयान में कहा कि अपने खिलाड़ियों के लिए हम ओलंपिक और परालंपिक क्वालीफिकेशन पर पड़ने वाले किसी भी तरह के प्रभाव की समीक्षा करेंगे ताकि स्थगित किए गए खेलों के लिए खिलाड़ियों के क्वालीफाई करने के लिए उचित समाधान सुनिश्चित किया जा सके। इसमें कहा गया है कि बीडब्ल्यूएफ जब तक कि अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट फिर से शुरू नहीं हो जाते तब तक विश्व रैंकिंग को स्थिर रखने की संभावना पर भी गौर कर रहा है। वह अभी इसके तकनीकी समाधान पर काम कर रहा है। बीडब्ल्यूएफ ने इसके साथ हीं अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) के ओलंपिक को स्थगित करने के फैसले का भी स्वागत किया। पहले यह खेल इस साल 24 जुलाई से नौ अगस्त के बीच होने थे लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण इन्हें टाल दिया गया है। बयान में कहा गया है, आज हम तोक्यो ओलंपिक 2020 और परालंपिक खेल को स्थगित करने का स्वागत करने के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति और अंतरराष्ट्रीय परालंपिक समिति के साथ पूरी एकजुटता से खड़े हैं।

## रोजर फेडरर ने 10 लाख डालर दान किए

**जेनेवा**। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर ने कोरोना वायरस संकट से जूझ रहे अपने देश स्विट्जरलैंड के लोगों की मदद के लिए बुधवार को दस लाख डालर से अधिक की धनराशि दान की। 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन और उनकी पत्नी ने इस संकट से निबटने के लिए दस लाख स्विस फ्रैंक (लगभग दस लाख 20 हजार डालर) की धनराशि दी है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूटीओ) के आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार विश्व में कोरोना वायरस से संक्रमित लोगों की संख्या के लिहाज से स्विट्जरलैंड नौवें नंबर पर है। स्विस स्वास्थ्य मंत्रालय के अनुसार उनके देश में 8800 लोग कोविड-19 से संक्रमित हैं जबकि सोमवार तक 86 लोगों की मौत हो चुकी थी।

विश्व में नंबर चार 38 वर्षीय फेडरर ने इंस्टाग्राम पर लिखा, यह सभी के लिए चुनौतीपूर्ण समय है और किसी को भी पीछे नहीं रहना चाहिए। मिर्का और मैंने ने निजी तौर पर स्विट्जरलैंड के सबसे कमजोर परिवारों के लिए 10 लाख स्विस फ्रैंक दान करने का फैसला किया है।

## सौरव गांगुली 50 लाख का चावल दान करेंगे

**कोलकाता**। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अध्यक्ष सौरव गांगुली कोविड-19 महामारी को रोकने के लिए गए 21 दिन के लॉकडाउन से प्रभावित होने वाले लोगों के सहयोग के लिए आगे आए हैं और वह वंचितों के लिए 50 लाख रुपए के चावल दान करेंगे। बंगाल क्रिकेट संघ (कैब) के बयान में घोषणा की गई है कि गांगुली लाल बाबा चावल के साथ मिलकर उन जरूरतमंद लोगों को चावल मुहैया कराएंगे जिन्हें सुरक्षा कारणों से सरकारी स्कूलों में रखा गया है। कंपनी के बयान के अनुसार, उम्मीद है कि गांगुली की इस पहल से राज्य के नागरिकों को हमारे राज्य के लोगों की सेवा करने के लिए इसी तरह के कदम उठाने की प्रेरणा मिलेगी।

### कैब व डालमिया ने 30 लाख रुपये देंगे

**कोलकाता**। बंगाल क्रिकेट संघ ने कोविड 19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में 25 लाख रूपए देने का ऐलान किया जबकि इसके अध्यक्ष अविषेक डालमिया ने पांच लाख रुपये देने की घोषणा की है। कैब अध्यक्ष डालमिया ने कहा कि हमने 25 लाख रूपए और मैने निजी तौर पर पांच लाख रूपए देने का फैसला किया है। हम राज्य सरकार से बात कर रहे हैं कि यह रकम कैसे दी जाए। उन्होंने कहा कि हम मानव सभ्यता के सबसे काले दौर में है जब दुनिया भर में लोग कोरोना वायरस की चपेट में है। क्रिकेट एकता का परिचायक है और इंसानियत का भी। हमने इसी वजह से आपात राहत कोष में यह रकम देने का फैसला किया है।

### बांग्लादेश क्रिकेट टीम आधे महीने की तनख्वाह देगी

**ढाका**। कोविड 19 महामारी के बीच बांग्लादेश के क्रिकेटरों ने अपनी आधे महीने की तनख्वाह सरकार को देने का फैसला किया है। ढाका ट्रब्यिून की रिपोर्ट के अनुसार बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड के अनुबंधित 17 क्रिकेटरों समेत कुल 27 क्रिकेटरों ने यह दान देने का फैसला किया। बाकी दस खिलाड़ी भी राष्ट्रीय टीम के सदस्य रह चुके हैं। खिलाड़ियों ने एक संयुक्त बयान में कहा कि पूरी दुनिया कोरोना वायरस महामारी से जूझ रही है।

# लॉकडाउन से अर्थव्यवस्था को हो सकता है नौ लाख करोड़ का नुकसान

भाषा। मुंबई

**विशेषज्ञों** का मानना है कि कोरोना वायरस के संक्रमण को रोकने के लिए देश भर में की गई बंदी (लॉकडाउन) से अर्थव्यवस्था को 120 अरब डॉलर (करीब नौ लाख करोड़ रुपये) का नुकसान हो सकता है। यह भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के चार प्रतिशत के बराबर है। उन्होंने राहत पैकेज की जरूरत पर जोर देते हुए बुधवार को आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान में भी कटौती की। उन्होंने कहा कि रिजर्व बैंक तीन अप्रैल को अगली द्वैमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक के निष्कर्षों की घोषणा करने वाला है।

विश्लेषकों का अनुमान है कि रिजर्व बैंक नीतिगत दर में बड़ी कटौती करेगा। यह भी मानकर चलना चाहिए कि राजकोषीय घाटा का लक्ष्य अब पार हो जाना तय है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए तीन सप्ताह के लिए राष्ट्रव्यापी बंदी की घोषणा की है। शोध-सलाह कंपनी बार्कलेज ने वित्त वर्ष 2020-21 के लिए वृद्धि दर के अनुमान में 1.7 प्रतिशत की कटौती कर इसके 3.5 प्रतिशत रहने का अनुमान व्यक्त किया है। उसने कहा, हमारा अनुमान है कि राष्ट्रव्यापी बंदी की कीमत करीब 120 अरब डॉलर यानी जीडीपी के चार प्रतिशत के बराबर रह सकती है। कंपनी ने कहा कि केंद्र सरकार की तीन सप्ताह की बंदी से ही 90 अरब डॉलर का नुकसान होगा। इसके अतिरिक्त महाराष्ट्र जैसे कई राज्य पहले ही बंदी कर चुके हैं, उससे भी नुकसान होगा।

बार्कलेज ने यह भी कहा कि अप्रैल में रिजर्व बैंक रेपो दर में 0.65 प्रतिशत की कटौती करेगा तथा अगले एक साल में इसमें एक और प्रतिशत की कटौती की जाएगी। घरेलू शोध-सलाह कंपनी एमके ने अन्य देशों की तुलना में शीघ्रता से कदम उठाने को लेकर सरकार को बधाई देते हुए कहा कि इससे होने वाले आर्थिक नुकसान को कम करने के लिए उपाय नहीं किए गए हैं।

उसने कहा कि सरकार बंदी के आर्थिक असर को लेकर अभी तक चुप ही रही है, असर को कम करने के उपायों को तो छोड़ ही दीजिए। कंपनी ने कहा कि नोटबंदी तथा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) की दोहरी मार झेलने वाले असंगठित क्षेत्र पर इसका सर्वाधिक असर होगा। उसने छोटी कंपनियों को सस्ता कर्ज देने, कर्ज का पुनर्गठन करने तथा नकदी हस्तांतरण को सरकार के पैकेज के संभावित उपाय बताया।

### दुनियाभर में अर्थव्यवस्था को उबारने के प्रयास तेज

**लंदन**। दुनियाभर की सरकारें और केन्द्रीय बैंक इन दिनों अपनी अपनी अर्थव्यवस्थाओं को कोरोना वायरस के गंभीर प्रभाव से बचाने के लिए अपनी नीतियों में बदलाव कर रहे हैं और बड़े पैमाने पर पैकेज की घोषणा कर रहे हैं। दुनियाभर के केन्द्रीय बैंक अपनी अर्थव्यवस्थाओं को बचाने के लिए नई मुद्राओं का प्रकाशन, भारी व्यय करना, बड़े पैमाने पर रिण की गारंटी देना, कर रियायत देने और कर्मचारियों कामगारों को सीधे भुगतान जैसे कई कदम उठाए जा रहे हैं। एएफपी ने इस संबंध में दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में कोविड- 19 के मद्देनजर उठाए जा रहे कदमों का सर्वेक्षण किया। कोविड-19 चीन के वुहान से शुरू होकर पूरी दुनिया में फैल चुका है। इससे दुनिया में मंदी गहराने का खतरा पैदा हो गया।

# शेयर बाजारों में रौनक, सेंसेक्स 1,862 अंक उछला

भाषा। मुंबई

**रिलायंस** इंडस्ट्रीज,निजी क्षेत्र के बैंकों और मारुति की अगुवाई में बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स बुधवार को 1,862 अंक उछलकर 28,535.78 अंक पर बंद हुआ। निवेशकों ने कोरोना वायरस महामारी के प्रभाव से निपटने के लिए सरकार के प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद में जोदरार लिवाली की। कोरोना वायरस के मद्देनजर देश भर में आने जाने पर 21 दिन की पाबंदी से बाजार में शुरू में उतार चढाव दिखा पर एशिया के अन्य बाजारों से तेजी के संकेतों से स्थानीय कारोबारियों में भी उत्साह बढ़ गया था।

वैश्विक बाजारों में तेजी का भी घरेलू बाजार पर सकारात्मक प्रभाव पड़ा। अमेरिका में सरकार और संसद के ऊपरी सदन सीनेट के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था को संभालने के लिए 2,000 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज को लेकर समझौते की घोषणा से वैश्विक बाजारों में तेजी आई। बीएसई सेंसेक्स में कारोबार की शुरूआत में उतार-चढ़ाव देखा गया। पर अंत में यह।,861.75 अंक यानी 6.98 प्रतिशत मजबूत होकर 28,535.78 अंक पर बंद हुआ। इसी प्रकार, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 516.80 अंक यानी 6.62 प्रतिशत मजबूत होकर 8,317.85 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स के शेयरों में रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे लाभ में रही। कंपनी का शेयर 15 प्रतिशत मजबूत हुआ। उसके बाद कोटक बैंक, मारुति, एचडीएफसी बैंक और एसडीएफसी, टाइटन, एल एंड टी और एक्सिस बैंक का स्थान रहा। वहीं दूसरी तरफ इंडसइंड बैंक, ओएनजीसी, आईटीसी और बजाज ऑटो नुकसान में रहे। आनंद राठी के प्रमुख (इक्विटी रिसर्च) नरेंद्र सोलंकी ने कहा कि कोरोना संबधी सार्वजनिक पाबंदी की नए सिरे से घोषणा से अनिश्चितता कम हुई है। साथ ही सरकार के प्रोत्साहन उपायों के आश्वासन से निवेशकों की धारणा सुधरी है। उन्होंने कहा कि वायदा एवं विकल्प खंड के अनुबंधों के कल (बृहस्पतिवार) समाप्त होने से पहले शार्ट कवरिंग (सौदों को पूरा करने के लिए खरीदारी) से बाजार में आई यह तेजी चौतरफा रही। बड़ी, मझोली एवं छोटी कंपनियों के शेयरों में भी बढ़त दर्ज की गई। व्हाइट हाउस और सीनेट के बीच अमेरिका पर कोरोनो वायरस महामारी के अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले प्रभाव से निपटने के लिए 2,000 अरब डॉलर के प्रोत्साहन पैकेज से जुड़े विधेयक पर सहमत होने से वैश्विक बाजारों में तेजी का असर भी घरेलू बाजार पर पड़ा।

एशिया के अन्य बाजारों में चीन के शांघाई, हांगकांग, जापान के तोक्यो और दक्षिण कोरिया के सोल बाजार के प्रमुख सूचकांक 8 प्रतिशत तक मजबूत हुए।

# सरकार ने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में 670 करोड़ की पूंजी डालने को मंजूरी दी

**नई दिल्ली**। सरकार ने बुधवार को क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों (आरआरबी) में 670 करोड़ रुपए की पूंजी डाले जाने की योजना को मंजूरी दे दी। अगले वित्त वर्ष में दी जाने वाली इस पूंजी से इन बैंकों को नियामकीय पूंजी जरूरतों को पूरा करने में मदद मिलेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई मंत्रिमंडल की आर्थिक मामलों की समिति (सीसीईए) की बैठक में क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों में पूंजी डाले जाने का काम एक साल और 2020-21 में भी जारी रखने को मंजूरी दी गई। यह पूंजी उन आरआरबी में डाली जाएगी जो भारांकित जोखिम संपत्ति अनुपात (सीआरएआर) के रूप में न्यूनतम पूंजी 9 प्रतिशत बनाए रखने सक्षम नहीं हैं। रिजर्व बैंक के नियामकीय शर्तों के तहत यह अनुपात तय किया गया है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है, सीसीईए ने आरआरबी में पूंजी डाले जाने की योजना के तहत केंद्र सरकार की हिस्सेदारी के लिए 670 करोड़ रुपए के उपयोग को भी मंजूरी दी। यानी कुल डाली जाने वाली पूंजी में से 50 प्रतिशत केंद्र सरकार देगी। यह प्रायोजक बैंकों द्वारा आनुपातिक आधार पर जारी होने वाली हिस्सेदारी पर निर्भर करेगा। कानून के तहत केंद्र आरआरबी में 50 प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है और 35 प्रतिशत संबंधित प्रायोजक बैंक और 15 प्रतिशत हिस्सेदारी राज्य सरकारों के पास है।

## बाजार में तेजी से निवेशकों की संपत्ति 6.63 लाख करोड़ बढ़ी

**नई दिल्ली**। शेयर बाजार में पिछले दो दिनों से जारी तेजी से निवेशकों की संपत्ति 6,63,240.78 करोड़ रुपये बढ़ी। कोरोना वायरस महामारी के आर्थिक प्रभाव से निपटने के लिए सरकार की तरफ से प्रोत्साहन पैकेज की उम्मीद से निवेशकों की धारणा मजबूत हुई है। 30 शेयरों वाला बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स बुधवार का 1,861.75 अंक यानी 6.98 प्रतिशत मजबूत होकर 28,535.78 अंक पर पहुंच गया। इससे पिछले दिन के कारोबार में यह 692.79 अंक यानी 2.67 प्रतिशत मजबूत होकर 26,674.03 अंक पर बंद हुआ था। शेयर बाजार में इस जोरदार तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण पिछले दो दिनों में 6,63,240.78 करोड़ रुपये बढ़कर 1,08,50,177.06 करोड़ रुपए पहुंच गया।

# ई-वाणिज्य कंपनियों की दिक्कतें तत्काल दूर करें राज्य: केंद्र

### गृह मंत्रालय ने निगरानी के लिए एक नियंत्रण कक्ष बनाया

**नई दिल्ली**। केंद्र सरकार ने बुधवार को सभी राज्य सरकारों से कहा कि वे देश भर में लागू लॉकडाउन के बीच ई-वाणिज्य कंपनियों को आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति में आ रही दिक्कतों को तत्काल दूर करें। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में कोरोना वायरस के संक्रमण के प्रसार पर लगाम लगाने के लिए मंगलवार की आधी रात से अगले 21 दिन के लिए राष्ट्रव्यापी बंदी की घोषणा की है। ई-वाणिज्य तथा होम डिलिवरी को आवश्यक सेवाएं माना जाता है, अत: इन्हें बंदी से छूट प्राप्त है। उपभोक्ता मामलों के सचिव पवन अग्रवाल ने कहा कि हालांकि ई-वाणिज्य कंपनियों को दिक्कतें आने की खबरें मिल रही हैं। हमने यह मुद्दा राज्य सरकारों तथा स्थानीय प्रशासनों के साथ उठाया है। चीजें ठीक हो जाएंगी। उन्होंने कहा कि बिग बास्केट जैसी ई-वाणिज्य कंपनियों ने विशिष्ट दिक्कतों की जानकारी दी है, राज्य सरकारों को उन्हें तत्काल दूर करने को कहा गया है। उन्होंने कहा कि मौजूदा स्थिति में सरकार का जोर होम डिलिवरी पर है। सचिव ने कहा कि सरकार बंदी की अवधि में आवश्यक आपूर्ति की आवाजाही में आ रही किसी भी प्रकार की दिक्कतों की निगरानी कर रही है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय ने निगरानी के लिए एक नियंत्रण कक्ष बनाया है, जिसमें उपभोक्ता मामलों के मंत्रालय के अधिकारी भी मौजूद हैं।

फ्लिपकार्ट, अमेजॉन, ग्रोफर्स और बिग बास्केट जैसी कंपनियों के माध्यम से आवश्यक सामग्रियों की आपूर्ति में पुलिस द्वारा कई हिस्सों में लॉकडाउन के दौरान आवाजाही पर पूरी तरह रोक लगाने जाने से इसमें अवरोध आ रहे हैं। खाद्य पदार्थों की डिलिवरी करने वाली कंपनियों को भी ऐसी दिक्कतें हो रही हैं।

## मंत्रिमंडल ने कपड़ा, मेड अप निर्यात को शुल्क प्रोत्साहन योजना की अवधि बढ़ाई

**नई दिल्ली**। सरकार ने बुधवार को परिधान और चादर, कालीन जैसे मेड अप उत्पादों के निर्यात पर केंद्रीय और राज्य स्तरीय करों और शुल्कों का बोझ खत्म करने की योजना (आरओएससीटीएल) की अवधि बढ़ा दी। एक आधिककारिक बयान में कहा गया है, आरओएससीटीएल योजना की 31 मार्च 2020 के आगे बढ़ाए जाने से उन करों और शुल्कों पर छूट मिलेगी जो अभी किसी अन्य व्यवस्था के तहत नहीं मिलती। इससे कपड़ा क्षेत्र प्रतिस्पर्धी बनेगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अगुवाई में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में इस आशय का निर्णय किया गया। बयान के अनुसार, परिधान और चादर, कालीन जैसे मेड अप उत्पादों के निर्यात पर केंद्रीय और राज्य स्तरीय करों और शुल्कों का बोझ खत्म करने की योजना एक अप्रैल 2020 से जारी रहेगी। यह योजना तबतक जारी रहेगी जब तक कि इसे निर्यात वस्तुओं पर कर और शुल्क वापसी की नई योजना (आरओडीटीईपी) में समाहित न कर दिया जाए।

आरओडीटीईपी निर्यातकों के लिए योजना है जिसके तहत निर्यातक निर्यात वाले वस्तुओं पर जो भी कर देते हैं, उसे वापस ले सकते हैं।

# कोरोना वायरस से दुनियाभर में 19,246 लोगों की मौत

एएफपी। पेरिस

**दुनियाभर में** कोरोना वायरस से मरने वाले लोगों की संख्या 19,246 हो गई है। आधिकारिक सूत्रों से प्राप्त जानकारी के आधार पर एएफपी की गणना के अनुसार दिसम्बर में चीन में इस वायरस का पहला मामला सामने आने के बाद 181 देशों में 427,940 मामले दर्ज किए गए।

इटली में इस वायरस से 6,820 लोगों की मौत हो चुकी है और इससे 69,176 लोग संक्रमित है और 8,326 लोग ठीक हो गए है।स्पेन में मरने वालों की संख्या चीन से अधिक हो गई है। स्पेन में इससे 3,434 लोगों की मौत हुई है और 47,610 लोग संक्रमित हुए है।चीन में कोरोना वायरस से 3,281 लोगों की मौत हुई है और इसके 81,218 मामले सामने आए है।कोरोना वायरस से प्रभावित अन्य देशों में ईरान है जहां 2,077 लोगों की मौत हुई और इससे 27,017 लोग संक्रमित हुए। फ्रांस में इस वायरस से 1,100 लोगों की मौत हुई और 22,302 मामले सामने आए है। अमेरिका में इससे 600 लोगों की मौत हुई जबकि इस वायरस के 55,225 मामले सामने आए है। मंगलवार तक कैमरून और नाइजर में कोरोना वायरस से पहली मौत हुई जबकि लीबिया, लाओस और डोमिनिका में इस वायरस का पहला मामला सामने आया है।बामाको से प्राप्त एएफपी की एक खबर के मुताबिक पश्चिमी अफ्रीकी देश माली ने बुधवार को कोरोना वायरस के प्रथम दो मामले सामने आने की घोषणा की।वहीं, त्रिपोली से प्राप्त खबर के अनुसार उत्तर अफ्रीकी देश लीबिया में भी इस वायरस से संक्रमण का पहला मामला सामने आया है। यूरोप में इस वायरस के 2,26,340 मामले सामने आ चुके है जबकि इससे 12,719 लोगों की मौत हुई। एशिया में इसके 99,805 मामले दर्ज किए गए और 3,593 लोगों की मौत हो चुकी है।

न्यूजीलैंड के क्राइस्टचर्च में लॉकडाउन के बाद अपनी जरूरतों का सामान खरीदते लोग

## अमेरिका में एक ही दिन में 150 लोग मरे

### एक किशोर ने भी जान गंवाई

भाषा। वाशिंगटन

**अमेरिका में** कोरोना वायरस के एक दिन में ही करीब 10,000 मामले सामने आए हैं जबकि 150 अमेरिकियों ने इस संक्रमण से अपनी जान गंवा दी है। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने 12 अप्रैल यानी ईस्टर तक देश की अर्थव्यवस्था के पटरी पर आने की उम्मीद जताई है। लाखों अमेरिकियों के लॉकडाउन होने, नेशनल गार्ड और सैन्य बलों की कई राज्यों में तैनाती के बावजूद न्यूयॉर्क में ही कम से कम 53 लोगों की मौत हो गई और मंगलवार को कम से कम 5,000 नए मामले सामने आए। न्यूयॉर्क में अभी तक कोविड-19 के 25,000 से अधिक मामले सामने आए हैं और 210 लोगों की मौत हो चुकी है। कोविड-19 के मामलों की जानकारी देने वाली वेबसाइट वर्ल्डोमीटर के अनुसार, अकेले मंगलवार को देशभर में संक्रमण के करीब 10,000 नए मामले सामने आए जिससे कोरोना वायरस के मामलों की कुल संख्या करीब 54,000 पहुंच गई जबकि एक ही दिन में 150 लोगों की मौत से मृतकों की कुल संख्या करीब 700 पर हो गई। न्यूयॉर्क, न्यू जर्सी के अलावा कैलिफोर्निया, मिशिगन, इलिनोइस और फ्लोरिडा भी कोरोना वायरस के केंद्र बन चुके हैं। हालांकि इस बीमारी की चपेट में सबसे पहले आए वाशिंगटन राज्य में कोई नया मामला या मौत की खबर नहीं आई है। ट्रम्प ने मंगलवार को पत्रकारों से कहा कि उन्हें उम्मीद है कि करीब तीन हफ्तों यानी ईस्टर तक स्थिति सामान्य हो जाएगी। ईस्टर 12 अप्रैल को है। राष्ट्रपति ने कहा, मैं हर किसी को सामाजिक दूरी बनाने, बड़ी संख्या में एकत्रित होने से बचने, हाथ धोने और अन्य चीजों का पालन करने के लिए प्रेरित करना चाहता हूं। अंततः हमारा लक्ष्य दिशा निर्देशों में ढील देना और देश के बड़े वर्ग के लिए चीजें सामान्य करना है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि हम ईस्टर तक यह कर सकते हैं। मुझे लगता है कि यह हमारे देश के लिए बड़ी चीज होगी और हम इसे सच्चाई में बदलने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। साथ ही उन्होंने उम्मीद जताई कि कांग्रेस दो हजार अरब डॉलर के उस विधेयक को जल्द ही पारित कर देगी जिससे संघर्षरत अमेरिकियों को सीधे नकद भुगतान किया जा सकेगा।

## नेपाल में कोरोना वायरस का तीसरा मामला

एजेंसी। काठमांडू

**नेपाल में** कोरोना वायरस का तीसरा मामला मिला है। इस हिमालई देश में 32 वर्षीय एक व्यक्ति को कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया है जो खाड़ी देश से लौटा था। इसके साथ ही सरकार ने महामारी से लड़ने के लिए एक सप्ताह के राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन की घोषणा की है।स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों ने बुधवार को बताया कि यह व्यक्ति 19 मार्च को कतर से स्वदेश लौटा था राष्ट्रीय सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रयोगशाला के प्रवक्ता राजेश कुमार गुप्ता ने कहा, हमारी प्रयोगशाला ने कल रात व्यक्ति को संक्रमण की पुष्टि की। नेपाल में कोरोना वायरस का यह तीसरा पुष्ट मामला है। इससे पूर्व रविवार को 19 वर्षीय एक नेपाली छात्र कतर होते हुए फ्रांस से लौटा था और वह कोरोना वायरस से संक्रमित पाया गया था। जनवरी में चीन में हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान से लौटा 31 वर्षीय एक नेपाली छात्र संक्रमित पाया गया था। इस व्यक्ति की हालत ठीक हो गई है और इसके बाद उसे अस्पताल से छुट्टी दे दी गई थी। सरकार ने इस वायरस से निपटने के लिए एक सप्ताह के राष्ट्रव्यापी बंद की घोषणा की। बाजार बंद रहे और सड़कों पर सन्नाटा पसरा रहा। हालांकि सरकार ने ग्राहकों के लिए आवश्यक वस्तुओं को खरीदने की सुविधा देने के लिए किराने की दुकानों को खोलने का फैसला किया है। नेपाल सरकार ने भारत और चीन के साथ लगती अपनी सीमाओं को पहले ही बंद कर दिया है।

## स्पेन ने मृतकों के मामले में चीन को पीछे छोड़ा, 3,434 लोगों ने तोड़ा दम

**मैड्रिड,तेहरान।** स्पेन में कोरोना वायरस के संक्रमण से हुई मौतों के मामले में चीन से भी अधिक हो गए हैं। सरकार ने यह जानकारी दी। स्पेन में बीते 24 घंटे में 738 लोगों ने दम तोड़ दिया, जिसके बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 3,434 हो गई है, जबकि 47,610 लोग संक्रमित हैं। स्पेन में तेजी से फैलते कोरोना वायरस को रोकने के लिए 11 दिन से लॉकडाउन जारी है। वहीं ईरान में बुधवार को 143 और लोगों की मौत के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 2,077 हो गई है। ईरान कोरोना वायरस से सबसे अधिक प्रभावित देशों में से एक है। स्वास्थ्य मंत्रालय के प्रवक्ता कियानूश जहानपुर ने कहा, हमारे साथियों को बीते 24 घंटे में 2,206 लोगों के कोरोना वायरस से संक्रमित होने की जानकारी मिली है जिसके साथ ही देश में संक्रमित लोगों की संख्या बढ़कर 27,017 हो गई है।

## दक्षिण अफ्रीका में संक्रमितों की संख्या 700 के पार

**जोहानिसबर्ग।** दक्षिण अफ्रीका ने कहा कि देश में कोरोना वायरस के पुष्ट मामलों में बुधवार को 28 फीसदी का इजाफा हुआ और संक्रमित लोगों की तादाद बढ़कर 709 हो गई जो एक दिन पहले तक 554 थी।पूरे महाद्वीप में कोरोना वायरस के सबसे ज्यादा मामले दक्षिण अफ्रीका में हैं। देश ने 21 दिन के लॉकडाउन (बंद) का आदेश दिया है जो बृहस्पतिवार आधी रात से अमल में आएगा।स्वस्थ्य मंत्री ज़्वेली मखिज़े ने सरकारी चैनल एसएबीसी को दिए साक्षात्कार में कहा कि संक्रमित लोगों की संख्या में कल की तुलना में बढ़ोतरी हुई है और यह अब 709 हो गई है।उन्होंने ने मंगलवार को संक्रमित लोगों की संख्या 554 बताई थी। उनका अब कहना है कि आगामी एक हफ्ते में संक्रमित लोगों की संख्या और बढ़ने का अंदेशा है।संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए सरकारी साउथ अफ्रीकन एयरवेज़ ने सभी अंतरराष्ट्रीय, क्षेत्रीय और घरेलू उड़ानों को स्थगित कर दिया है।देश का पहला मामला यूरोप से आया था।मंत्री का कहना है कि अब देखने में आया है कि संक्रमण स्थानीय स्तर पर फैल रहा है।

कोविड-19

## संयुक्त राष्ट्र ने भारत के प्रति एकजुटता जताई

### डब्ल्यूएचओ ने लॉक डाउन को मजबूत कदम बताया

भाषा। संयुक्त राष्ट्र

**संयुक्त राष्ट्र** ने कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत के प्रति एकजुटता जताई है। साथ ही विश्व संगठन की स्वास्थ्य एजेंसी के एक शीर्ष अधिकारी ने कोविड-19 वैश्विक महामारी से निपटने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 21 दिन के लॉकडाउन के कदम को व्यापक और मजबूत बताते हुए उसकी प्रशंसा की। जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार, कोरोना वायरस से दुनियाभर में मरने वाले लोगों की संख्या 18,915 हो गई और 165 से अधिक देशों तथा क्षेत्रों में संक्रमण के 422,900 से अधिक मामले सामने आए। स्वास्थ्य मंत्रालय के आंकड़े के अनुसार, भारत में बुधवार को कोरोना वायरस के मामले बढ़कर 562 हो गए। यूनाइटेड नेशंस न्यूज ने मंगलवार को ट्वीट किया, संयुक्त राष्ट्र कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है। वीडियो में रविवार को भारत में आहूत किए गए जनता कर्फ्यू पर भी संज्ञान लिया गया जब देश के 1.3 अरब नागरिक सामाजिक दूरी बनाने की कोशिश के तहत सुबह सात बजे से रात को नौ बजे तक अपने घरों में ही रहे।आमतौर पर भीड़भाड़ वाली, भारत की सड़कें उस दिन सुनसान पड़ी रहीं। यूएन न्यूज के वीडियो में रविवार को कई खाली सड़कों और शहरी इलाकों की तस्वीरें भी दिखाई गईं।यूएन न्यूज ने कहा, भारत में कोविड-19 वैश्विक महामारी को रोकने के लिए 21 दिन का बंद है। संयुक्त राष्ट्र की स्वास्थ्य एजेंसी डब्ल्यूएचओ सरकार से आक्रामक कार्वाई करने का अनुरोध करती है। भारत में डब्ल्यूएचओ के प्रतिनिधि हेंक बेकेडम ने वैश्विक महामारी से निपटने में देश के प्रयासों की प्रशंसा करते हुए इसे व्यापक और मजबूत बताया। उन्होंने कहा, बीमारी को रोकने के लिए निगरानी, प्रयोगशाला की क्षमता मजबूत करने समेत बड़ी कोशिशें की गई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की सामाजिक दूरी बनाने की अपील को देशभर में काफी समर्थन मिला।

## वुहान में बस सेवा आरंभ

**बीजिंग, वुहान।** चीन में विदेशों से आए, कोरोना वायरस संक्रमित लोगों के 47 नए मामले सामने आए हैं और इसी बीच इस घातक वैश्विक महामारी के केंद्र वुहान में नौ सप्ताह के लॉकडाउन (बंद) के बाद पहली बार बुधवार को शहर के भीतर बस

- चीन में विदेशों से आए संक्रमित लोगों के 47 नए मामले दर्ज

सेवा शुरू की गई। चीन ने मध्य हुबेई प्रांत में पांच करोड़ 60 लाख से अधिक लोगों पर तीन महीने से लागू बंद को हटाने का मंगलवार को फैसला किया। हालांकि हुबेई प्रांत की राजधानी वुहान में लंबे समय से जारी बंद आठ अप्रैल को समाप्त होगा।राष्ट्रीय स्वास्थ्य आयोग (एनएचसी) ने बताया कि हुबेई और वुहान में कोविड-19 का कोई नया मामला सामने नहीं आया लेकिन शहर में चार लोगों की मौत होने से चीन में मृतक संख्या बढ़कर 3,281 हो गई।चीन ने बुधवार को बताया कि चीनी मुख्यभूमि में घरेलू संक्रमण का कोई नया मामला सामने नहीं आया।उसने बताया कि मंगलवार को विदेशों से आए लोगों के कोविड-19 से संक्रमित होने के 47 नए मामले सामने आए और इसके साथ ही चीन में इस प्रकार के मामलों की संख्या बढ़कर 474 हो गई।चीनी विदेश मंत्रालय ने बताया कि इन मामलों मे अधिकतर लोग विदेशों से लौटे चीनी नागरिक हैं।इसके अलावा मंगलवार को इस वायरस के कारण चार और लोगों की मौत हो गई ।

बैंकाक में कोरोना वायरस को लेकर बाजारों की गलियों को सेनीटाइज करते कर्मचारी

## बोको हराम के हमले में चाड के 92 सैनिकों की मौत

- सेना के सशस्त्र वाहनों समेत 24 वाहन नष्ट हो गए हैं और बोको हराम सैन्य हथियारों को नौकाओं के जरिए साथ ले गया

एएफपी। एन जमेना

**चाड में** बोको हराम के जिहादियों के घातक हमले में देश के 92 सैनिकों की मौत हो गई। चाड के राष्ट्रपति इदरिस डेबी इंतो ने यह जानकारी दी।उन्होंने बताया कि यह हमला लेक चाड इलाके में बढ़ाई जा रही जिहादी मुहिम के तहत किया गया जहां कैमरून, चाड, नाइजर और नाइजीरिया की सीमाएं मिलती हैं। राष्ट्रपति ने मंगलवार को बताया कि बामो में रविवार रातभर हुए हमले में हमने हमारे 92 सैनिक और अधिकारी खो दिए। उन्होंने लाक प्रांत में हमलास्थल के दौरे के बाद कहा, ऐसा पहली बार है, जब हमने इतनी अधिक संख्या में अपने जवानों को खोया है। एक जवान ने एएफपी को बताया कि बामो में हुआ हमला कम से कम सात घंटे चला और मदद के लिए भेजी गई अतिरिक्त सेना को भी निशाना बनाया गया। उन्होंने बताया कि सेना के सशस्त्र वाहनों समेत 24 वाहन नष्ट हो गए हैं और बोको हराम सैन्य हथियारों को नौकाओं के जरिए साथ ले गया। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, शत्रु ने इस क्षेत्र में हमारी सेना पर बड़ा हमला किया। बोको हराम ने लेक चाड घाटी में हालिया महीनों में अपने हमले बढ़ा दिए हैं। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार पूर्वोत्तर नाइजीरिया में बोको हराम के हमलों में 36,000 लोगों की मौत हुई है और करीब 20 लाख लोग विस्थापित हुए हैं।

## ब्रिटिश गृह मंत्री ने फंसे विदेशियों के लिए वीजा की अवधि बढ़ाई

- पर्यटकों, पेशेवरों और छात्रों सहित भारतीय नागरिकों को राहत मिली है जिनकी वीजा अवधि समाप्त हो रही है या समाप्त हो चुकी है

भाषा। लंदन

**ब्रिटेन की** भारतीय मूल की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने कोरोना वायरस के कारण लगे यात्रा प्रतिबंधों की वजह से ब्रिटेन में फंसे भारत सहित कई देशों के नागरिकों के लिए वीजा की अवधि करीब दो महीने बढ़ाने का आदेश जारी किया है। यह घोषणा मंगलवार को की गई। इस घोषणा से पर्यटकों, पेशेवरों और छात्रों सहित भारतीय नागरिकों को राहत मिली है जिनकी वीजा अवधि समाप्त हो रही है या समाप्त हो चुकी है। वे लोग लंदन में भारतीय दूतावास से सोशल मीडिया के जरिए संपर्क कर रहे थे। कोरोना वायरस महामारी के मद्देनजर उड़ानों के रद्द हो जाने के कारण विदेशी नागरिकों की तरह कई भारतीय भी फंस गए। पटेल ने विदेशी नागरिकों को 31 मई तक राहत देते हुए कहा कि वह लोगों के मन को शांति देना चाहती है कि वर्तमान यात्रा प्रतिबंधों के कारण किसी के खिलाफ कोई प्रवर्तन कार्वाई नहीं की जाएगी। यह विस्तार उन सभी लोगों पर लागू होगा जिनकी अनुमति 24 जनवरी के बाद समाप्त हो गई लेकिन यात्रा प्रतिबंध या खुद ही पृथक रहने के कारण वापस नहीं लौट सके।

## समय से पहले बंद की जा सकती है ब्रिटेन की संसद

**लंदन।** कोरोना वायरस के खतरे को देखते हुए बुधवार को ब्रिटिश संसद को बंद किया जा सकता है और सांसदों को एक सप्ताह पहले ही ईस्टर का अवकाश दिया जा सकता है। सरकार ने संसद के निचले सदन हॉउस ऑफ कॉमन में प्रस्ताव रखा है कि बुधवार की कार्यवाही के बाद संसद को 21 अप्रैल तक के लिए बंद कर दिया जाए। आवासीय सचिव रॉबर्ट जेनरिक ने बीबीसी को बताया कि देशभर में गैर जरूरी दुकानों और सेवाओं को बंद करना और लोगों को घर में रहने का आदेश देना एक समझदारी भरा निर्णय था। उन्होंने कहा, जाहिर है कि संसद को उदाहरण प्रस्तुत करना चाहिए। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाना जरूरी है। उन्होंने कहा कि उन्हें विश्वास है कि ईस्टर की छुट्टियों के बाद संसद दोबारा शुरू होगी।

## तुर्की ने सऊदी अरब के 20 संदिग्धों पर खशोगी की हत्या का आरोप लगाया

**इस्तांबुल।** तुर्की के अभियोजकों ने बुधवार को कहा कि उन्होंने सऊदी अरब के शहजादे मोहम्मद बिन सलमान के दो पूर्व शीर्ष सहयोगियों सहित 20 संदिग्धों को रियाद के आलोचक जमाल खशोगी की 2018 में हत्या को लेकर आरोपित किया है।अभियोजकों ने सऊदी अरब के उप खुफिया प्रमुख अहमद अल असीरी और शाही अदालत के मीडिया प्रमुख सऊद अल काहतानी पर अभियान का नेतृत्व करने और सऊदी अरब की एक टीम को आदेश देने का आरोप लगाया। द वाशिंगटन पोस्ट के लिए लिखने वाले खशोगी (59) को अक्टूबर 2018 में इस्तांबुल में सऊदी वाणिज्य दूतावास में प्रवेश करने के बाद मार दिया गया था। वह तुर्की की अपनी मंगेतर हातिश सेंगिज से शादी के लिए कागजात प्राप्त करने के लिए वहां गए थे। तुर्की ने सऊदी अरब के स्पष्टीकरण से नाखुश होने के बाद इस हत्या मामले में अपनी जांच की।

## शीर्ष अमेरिकी नेता एहतियाती उपायों को दिखा रहे ठेंगा

एपी । वाशिंगटन

**अमेरिकी विदेश** विभाग दुनिया भर को अंतरराष्ट्रीय हवाई यात्राओं के खिलाफ चेतावनी दे रहा है लेकिन खुद उसके विदेश मंत्री माइक पोम्पियो इस सप्ताह अफगानिस्तान की यात्रा करके लौटे हैं।

इसी तरह राष्ट्रीय राजधानी वाशिंगटन में सारे जिम बंद हैं लेकिन सीनेटर रैंड पाल जो खुद पेशे से आंखों के डाक्टर हैं उन्होंने रविवार को सीनेट जिम में जमकर वर्कआउट किया। इस दौरान उन्हें अपने कोरोना वायरस टेस्ट की रिपोर्ट का इंतजार था। और दुर्भाग्य से रिपोर्ट पॉजिटिव आई। कोरोना को फैलने से रोकने के लिए हाथ मिलाने की भी मनाही है लेकिन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने खुद इसका पालन नहीं किया। उनके अपने प्रशासन के जन स्वास्थ्य अधिकारियों ने हाथ मिलाने से परहेज करने के दिशा निर्देश जारी किए थे लेकिन उसके बावजूद ट्रंप गर्मजोशी के साथ लोगों से हाथ मिलाते रहे। यही हाल सामाजिक दूरी बनाए रखने के निर्देश को लेकर देखा जा रहा है। लेकिन व्हाइट हाउस की नियमित ब्रीफिंग में एक भीड़भाड़ वाले मंच पर ट्रंप और अन्य वरिष्ठ अधिकारी माजूद रहते हैं। पूरे अमेरिका में बंद की स्थिति है और स्वास्थ्य विशेषज्ञों की सलाह पर लोग घरों से बाहर नहीं निकल रहे हैं लेकिन वाशिंगटन में कुछ शक्तिशाली लोग एहतियाती उपायों को ठेंगा दिखा रहे हैं।

मानवीय व्यवहार के विशेषज्ञों का कहना है , जैसा मैं कहता हूं वैसा करो, वैसा नहीं जैसा मैं करता हूं.. अमेरिकी नेता यही दिखा रहे हैं। शक्तिशाली नेताओं और अधिकारियों को लग रहा है कि आम जनता के लिए बनाए गए कानून और नियम उन पर लागू नहीं होते हैं। पेंसिलवेनिया विश्वविद्यालय में व्हार्टन स्कूल के प्रोफेसर मौरिस श्वित्जर कहते हैं, जब हमारे पास बहुत अधिक ताकत होती है तो हम अपने आप को अपवाद के रूप में देखते हैं और सोचते हैं कि नियम हम पर लागू नहीं होते। श्वित्जर व्यवहार और निर्णय लेने की क्षमता विषय के विशेषज्ञ हैं। वह कहते हैं, हम वही करना चाहते हैं जो हमें अच्छा लगता है क्योंकि हमें लगता है कि शक्तिहीन या कमजोर तबके के लिए बने नियमों से हम नहीं बंधे हैं। हालांकि कई सीनेटरों ने पाल के व्यवहार की निंदा की है। सरकार के कोरोना वायरस निगरानी टीम के डाक्टरों का कहना है कि केंटुकी के रिपब्लिकन का व्यवहार निजी जिम्मेदारी के आदर्श के प्रदर्शन के विपरीत है। गौरतलब है कि अमेरिका के दो दर्जन से अधिक सांसद 70 और 80 साल की उम्र के फेरे में हैं जो कि उनके लिए अधिक खतरा पैदा करता है। अकेले पाल ही नहीं कई अन्य सीनेटर भी सीनेट के जिम का इस्तेमाल कीपैड के जरिए कर रहे हैं। ट्रंप ने खुद भी सोमवार को स्वीकार किया था कि हाथ मिलाना उनकी एक ऐसी आदत है जिसे दूर करना बहुत मुश्किल है क्योंकि राष्ट्रपति बनने के बाद से वह एक सप्ताह में हजारों लोगों से हाथ मिलाने के आदी हो गए हैं। श्वित्जर कहते हैं, समस्या यह है कि शक्तिशाली लोगों के इस प्रकार के व्यवहार से नियमों के पालन को लेकर आम जनता के बीच भ्रम की स्थिति पैदा होती है।

## पाक में कोरोना वायरस से संक्रमितों की तादाद 1,000 के पार, घरेलू उड़ान परिचालन निलंबित

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान में कोरोना वायरस से संक्रमितों की संख्या 1,000 के पार चले जाने के बाद सभी घरेलू उड़ानों का परिचालन दो अप्रैल तक के लिए रोक दिया गया है। यह कदम संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए उठाया गया है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून ने खबर दी है कि देश में कोविड-19 से संक्रमण के मरीजों की तादाद 1,037 हो गई है। सिंध में 413 मामले हैं, बलूचिस्तान में 115, पंजाब में 296, खैबर पख्तूनख्वा में 117, गिलगित-बाल्टिस्तान में 80, इस्लामाबाद में 15 और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में एक मामला है।

बैंकाक के एक मंदिर में कोरोना वायरस को लेकर प्रार्थना करते बौद्ध भिक्षु

# 'भारतीयों को अपने पर हंसना सीखने में थोड़ा समय लग सकता है'

**स्टैंड-अप कॉमेडियन अमित टंडन नेटफ्लिक्स ऑरिजिनल स्टैंड-अप स्पेषल वर्ग में एक और शो लेकर आ रहे हैं जिसका नामकरण - अमित टंडन: फैमिली टैंडंसीज़, रखा गया है। पायनियर संवाददाता शालिनी सक्सेना के साथ एक विशेष बातचीत में उन्होंने अपने इस शो के बारे में विस्तार से बताया कि ये किस प्रकार का शो है और आधे घंटे के उन शोज़ से ये किस प्रकार से भिन्न है जो इसी प्लेटफॉर्म पर वो पहले भी करते रहे थे।**

**❒ ये शो किस बारे में है?**

– इसे 'फैमिली टैंडंसीज़' नाम दिया गया है और ये अधिकांशतया मेरे परिवार के बारे में ही है, हमारे संबंधों के विकास- फिर चाहे ये मेरी पत्नी के साथ के हों या बच्चों के बारे में, विषेष रूप से तब जबकि आपके दो बच्चे हों। एक कहावत भी है कि यदि आपके एक बच्चा हो तो आप माता-पिता होते हैं और दो हों तो आप रेफ्री बन जाते हैं। इसमें मेरे बड़े होने के दिनों और अपने भाई बहनों के साथ मेरे संबंध और मेरे बच्चों के आपसी संबंधों की ही तुलनात्मक प्रस्तुति है।

**❒ ऐसा दूसरी बार हो रहा है कि आप इस प्लेटफॉर्म पर शो प्रस्तुत कर रहे हैं। आपको इसे दुबारा क्यों लेकर आना पड़ा?**

–देखिये पहली बार जब आधा घंटे का ये शो मैं लेकर आया था उस समय ये 'कॉमेडियन्स ऑफद वर्ल्ड' सीरीज़ का ही भाग था जिसमें उन्होंने पूरी दुनिया के कॉमेडियन्स का चयन किया था। भारत से इसमें तीन लोगों ने भाग लिया था। इसका प्रारूप अलग था। उन्होंने मुझे सेट-अप और दर्षक उपलब्ध कराए थे, हमें बस जाकर वहां परफॉर्म करना था। लेकिन अभी जो मैं कर रहा हूं वो एक सोलो शो है। ये इस प्लेटफॉर्म पर पहला शो होगा जो हिंदी में है। इसमें शो का पूरा दायित्व मुझपर था जिसमें प्रोडक्शन, रचनात्मक, स्टेज की डिजाइन और निर्देशक की खोज सहित सभी कार्य मुझे ही संपन्न करने थे। इसके बाद शो के लिए लेखन और परफॉर्मेंस भी मेरे ही कार्यक्षेत्र में आते थे। ये मेरे लिए अत्यंत चुनौतीपूर्ण था। लेकिन इसके साथ ही मुझे रचनात्मक स्वतंत्रता भी दी गई थी। इसकी शैली भी भिन्न थी। इससे पहले मैं 30 मिनट का शो किया करता था लेकिन ये 70 मिनट का शो होगा। ऐसे में वास्तविक प्रस्तुति में काफी अंतर आ जाता है।

**❒ शो को पूरी तरह से बनाकर सामने प्रस्तुत करने में आपको कितना समय लगा?**

–इस शो को प्रारंभ से लेकर अंतिम रूप देने में मुझे लगभग 10 महीने का समय लगा। इसमें दो से तीन महीने तो शो के लेखन में ही लगते हैं इसके बाद आप शो की परफॉर्मेंस का अभ्यास करते हैं और सामग्री का परीक्षण, और जोक्स में थोड़ी कसावट लाने का प्रयास करते हैं। इसमें भी कुछ महीने का समय लग जाता है। इस प्रकार से तीन से पांच महीने निकल जाते हैं। इसके बाद मैं अपनी परफॉर्मेंस को एक महीने में 15 से 20 बार परीक्षण करता हूं ताकि सबकुछ मेरी उंगलियों पर आ जाए। ये मैं इसलिये करता हूं क्योंकि मैं परफॉर्मेंस के दौरान किसी प्रकार की सहायक सामग्री का प्रयोग नहीं करता। इसमें किसी प्रकार के कट आदि भी नहीं रखे जाते। मैं ये 70 मिनट पूरी तरह से अपने मस्तिष्क में रख लेता हूं ताकि मैं इसे आंख बंद करके भी कर सकने में सक्षम हो सकूं। इसके बाद प्रोडक्षन हाउस को साथ लाने, संगीत का प्रबंध करने, रचनात्मक टीम बनाने, स्टूडियो हायर करना और सबचीजों को व्यवस्थित करने में भी तीन से चार माह का समय लग ही जाता है।

**❒ आपकी इस लाइव परफॉर्मेंस और पहले के स्टेज पर होने वाले लाइव शोज़ में क्या अंतर है?**

– देखिये ये परफॉर्मेंस भी लाइव थी लेकिन इसमें दर्षक टिकट लेकर आए थे। इसमें अतिथियों को लाने का भी विकल्प था लेकिन मैं उस विकल्प को नहीं चुनना चाहती थी। मैंने पूरी तरह से टिकट आधारित शो ही किया था। हमनें दो लगातार शोज़ किये थे जिनमें पर्याप्त दर्षक होते थे। हमारे सम्मुख चुनौती मानसिक दबाव से पार पाने की थी। किसी लाइव स्टेज शो में यदि कुछ गलत हो जाता है तो मैं उन्हें दुबारा से प्रस्तुत कर सकता हूं क्योंकि दर्षकों को तो वे लाइने पता ही नहीं होती और जब मैंने शो को रिकॉर्ड किया तो लगा जैसे हमनें एक ही टेक में मूवी रिकॉर्ड की हो। चुनौती मुख्यत: परफॉर्मेंस संबंधी थी और बार बार के रीटेन हों, इसका भी ध्यान सभी को रखना था। हमारे ऊपर सबकुछ सही ढंग से संपन्न करने का दबाव तो होता ही था।

**❒ आप अपना घर का नाम 'राजू' का ही उपयोग क्यों करते हैं?**

– शो में भी मेरा जोक होता है जिसमें मैं अपने बारे में बताता हूं और कहता हूं कि सारे छोटे भाइयों का या नौकर का नाम राजू होता है और यही कारण है कि मेरा नाम राजू है।

**❒ क्या आप शो में रखे गए कुछ और जोक्स के बारे में मुझे बताएंगे?**

– मैं शो में अपनी प्रस्तुति के दौरान पत्नी से संबंधों में समय के साथ आने वाले परिवर्तनों के बारे में भी बात करता हूं। जब आप पर विवाह के पहले कुछ सालों के दौरान रोमांटिक होने का दबाव होता है और अब 17 सालों के दौरान स्थिति ये आ जाती है कि हमें चिंता ही नहीं होती कि पति या पत्नी क्या अनुभव करते हैं-अब ये कहां जाएगा या जाएगी। ऐसे में आप रोमांटिक बने रहने का जरा भी प्रयास नहीं करते। आपको ये भी लगने लगता है कि आपको हर समय साथ भी नहीं रहना चाहिये और एक दूसरे को कुछ समय अपने लिये भी दिया जाना चाहिये। आप पार्टियों में भी अपने मित्रों के साथ जाना प्रारंभ कर देते हैं। इसके बाद मैं पहले बच्चे के होने के बारे में बात करता हूं, उस समय माता-पिता का दायित्व भी होता है। फिर दूसरा बच्चा होता है और फिर एक नहीं दो बच्चों की देखभाल का भार कंधों पर आ जाता है। अब दायित्वबोध और अधिक हो जाता है।

**❒ क्या आप भी सोचते हैं कि भारतीयों को आज भी अपने ऊपर हंसना सीखना शेष है?**

– जी हां, यहां बात बात में हमारा अहम बीच में आ जाता है। ये सीखने में हमें बहुत समय लग रहा है। थोड़ा परिवर्तन तो आया है लेकिन अभी हमें हास्य की सही समझ को विकसित करने में समय लगेगा तभी हम अपने ऊपर किये गए हास्य को सहने में सक्षम हो सकेंगे।

**❒ स्टैंड-अप कॉमेडी करने का काम कितना चुनौतीपूर्ण होता है?**

– जी हां, ये चुनौतीपूर्ण होता है और यही कारण है कि मैं दर्षकों से अधिक बात नहीं करता। मैंने अनुभव किया है कि यदि मुझे जोक्स करना है तो वे जोक्स मुझे अपने ऊपर करना होगा न कि उनसे बातचीत करके ये उनपर किये जाएं और फिर किसी विवाद से सामना हो।

**❒ कॉमेडी में आज हम कहां खड़े हैं, क्या हम स्लैपस्टिक कॉमेडी में ही अटक कर रह गए हैं?**

– हम कुछ परिपक्व तो हो रहे हैं। यदि हम भारत में विकास को देखें तो पहले हास्य कवि सम्मेलन हुआ करते थे। कई मिमिक्री से जुड़े शोज़ भी हुआ करते थे। इसके बाद स्लैपस्टिक कॉमेडी आ गई। लेकिन अब दर्शकों की अपेक्षाएं बढ़ गई हैं। यदि आज आप वीडियो कंटेंट को देखें तो आपको पता चलेगा कि हमारे दर्षक कितने परिपक्व हो चले हैं। लेकिन ये प्रथम और द्वितीय श्रेणी के नगरों तक ही सीमित है। टेलिविजन पर स्लैपस्टिक कॉमेडी चल रही है क्योंकि वहां इसके लिए बाजार उपलब्ध है लेकिन अब ये बाजार उतना बड़ा नहीं रह गया है जैसा पहले होता था।

## सुनील ग्रोवर ने जीवन के मुश्किल पल साझा किए

**नई दिल्ली।** कॉमेडियन व अभिनेता सुनील ग्रोवर लंबे समय से लोगों को अपने मजाकिया अंदाज से हंसाते रहे हैं, लेकिन उन्होंने हाल ही में अपने जीवन के भावुक व मुश्किल पलों का खुलासा किया। उन्होंने कहा कि कॉमेडियन भी बाकी लोगों की तरह ही होते हैं, उनके जीवन में भी उतार-चढ़ाव के पल आते हैं। सुनील ने कहा, सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि आप प्रत्येक अनुभव से सीखें। मैंने अपने पिता को अपने सपनों को पूरा करने को लेकर हर दिन संघर्ष करते देखा है और साथ ही उन्होंने मुझे सिखाया है कि कभी भी खुद का साथ मत छोड़ना। उन्होंने आगे कहा, जब मैं इंडस्ट्री में संघर्ष कर रहा था, तो मुझे पता चला कि यहां मेरे जैसे कई लोग हैं, जो अपने शहर के सुपरस्टार थे और यहां (मुंबई में) संघर्ष कर रहे थे। लेकिन मैंने खुद को शांत रखा और खुद पर विश्वास किया। मैंने इंडस्ट्री में काम के लिए लोगों तक पहुंचने की कोशिश की। जल्द ही मुझे काम मिलना शुरू हो गया और मुझे एहसास हुआ कि मैं कितना भाग्यशाली था।

## 'असुर' को मिल रही प्रतिक्रियाओं से खुश हैं अरशद वारसी

**मुंबई।** अभिनेता अरशद वारसी इस बात से बेहद खुश हैं कि डिजिटल में उनके डेब्यू शो 'असुर' को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किया जा रहा है। उनका कहना है कि वह अपने वफादार प्रशंसकों के प्रति बेहद आभारी हैं, जिन्होंने उनके अब तक के करियर में उन्हें अपना समर्थन दिया है। अरशद ने कहा, 'मैं इस बात से बहुत ज्यादा खुश हूं कि मेरे डिजिटल डेब्यू 'असुर' को दर्शकों के साथ-साथ मेरे परिवार व दोस्तों से इतनी अच्छी प्रतिक्रियाएं मिल रही हैं।' अरशद की यह वेब सीरीज एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर है, जिसे वूट में प्रसारित किया जा रहा है। सीरीज में अच्छाई और बुराई के बीच संघर्ष को दिखाया गया है। शो में दर्शकों को दो बिल्कुल विपरीत दुनिया का सफर कराया गया है-जहां एक तरफ फॉरेंसिक साइंस है और दूसरी ओर भारतीय पौराणिक कथाओं के रहस्य हैं।

## कोरोना के बीच खुशियां फैलाइए: सिद्धार्थ निगम

**मुंबई।** टीवी शो 'अलादीन नाम तो सुना होगा' के अभिनेता सिद्धार्थ निगम का कहना है कि वह लोगों के बीच खुशियां फैलाने में यकीन रखते हैं, खासकर कोरोनावायरस के प्रकोप की इस मुश्किल घड़ी में इस एक चीज की बहुत जरूरत है। सिद्धार्थ ने कहा, खुशियां एक बहुत ही मजबूत भावना है और मेरा मानना है कि एक इंसान के तौर पर हम उन तरीकों से खुशियां फैला सकते हैं, जिनकी हम कल्पना तक नहीं कर सकते हैं। खासकर, इस मुश्किल घड़ी में अपने आसपास के लोगों के लिए कुछ करना और उनके दिन को खुशहाल बनाना बेहद जरूरी है। सिद्धार्थ के मुताबिक, खुशियां तभी आती हैं, जब आपके अपने लोग खुश रहते हैं। उन्हें अपने शो 'अलादीन नाम तो सुना होगा' होगा के माध्यम से लोगों में खुशियां फैलाना बहुत पसंद है। 'अलादीन नाम तो सुना होगा' का प्रसारण सोनी सब पर होता है।

## कोविड-19: तस्वीर के जरिए सनी लियोनी ने दिया ये खास संदेश

**मुंबई।** कोरोनावायरस को फैलने से रोकने के चलते पूरे देश में अभी लॉकडाउन की स्थिति है, ऐसे में बॉलीवुड के सितारें सोशल मीडिया के जरिए लगातार अपने प्रशंसकों से जुड़े हुए हैं और उनका उत्साहवर्धन कर रहे हैं। बॉलीवुड अभिनेत्री सनी लियोन ने हाल ही में अपनी एक तस्वीर साझा की है, जिसमें वह लाल रंग की एक ड्रेस में कमर पर हाथ दिए हुए कैमरे की ओर पोज करती हुई नजर आ रही हैं। इस तस्वीर के साथ उनके कैप्शन को खूब पसंद किया जा रहा है।

सनी ने अपने पोस्ट के साथ कैप्शन में लिखा, दिन का सामना एटीट्यूड के साथ करें। सनी के इस पोस्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मशहूर यूट्यूबर अनीसा दीक्षित ने लिखा, यहां तक कि क्वॉरेंटाइन में भी हमें एटीट्यूड की जरूरत है। सनी लियोन के इस पोस्ट को लोग खूब पसंद कर रहे हैं और इसे अब तक 222,584 लाइक मिल चुके हैं और इसका दौर अभी जारी है।

## अमिताभ ने 21 दिनों के लॉकडाउन पर बढ़ाया लोगों का हौसला

**मुंबई।** सोशल मीडिया एक ऐसा माध्यम है, जिसमें दूर रहकर भी अपने चाहने वालों के करीब रहा जा सकता है। बॉलीवुड सेलेब्रिटीज भी अपने प्रशंसकों से मुखातिब होने के लिए इसी माध्यम का उपयोग करते हैं। ऐसे कई सितारें हैं, जो सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं और उन्हीं में से एक हैं अमिताभ बच्चन। कोरोनावायरस के खिलाफ इस जंग से जीत हासिल करने के लिए पूरी दुनिया अभी प्रयासरत है।

भारत ने भी इसे फैलने से रोकने के लिए 21 दिनों तक लाकडाउन का आदेश दिया है। लोग इस वक्त काफी तनाव में हैं और इसी दौरान देशवासियों का हौसला अफजाई करने के मद्देनजर अमिताभ बच्चन ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा किया है। अमिताभ ने अपनी एक मोनोक्रॉम तस्वीर साझा की है, जिसमें वह सिर पर टोपी लगाए मुस्कुराते नजर आ रहे हैं। इस तस्वीर के साथ उनके कैप्शन को खूब पसंद किया जा रहा है।

अमिताभ ने लिखा है- समझ गया दिल ये, अब तो समझाने से लड़ी जाएगी ये लड़ाई, अब आशियाने से, मिलकर नहीं अलग अलग लड़ना है हमें, मैं लड़ता अपने तुम लड़ो अपने ठिकाने से, घर में हो तुम इसे कैद न समझो मेरे यार, कट जाएंगे दिन ये तेरे मेरे मुस्कुराने से।

अमिताभ के इस पोस्ट को मौनी रॉय, सिद्धार्थ मल्होत्रा, कृति सैनन, अर्जुन कपूर जैसे सितारों सहित 459,562 लोग लाइक कर चुके हैं।

## कोरोना वायरस के कठिन दौर में बच्चों के साथ समय बिताने के लिए ऋतिक के साथ रहने आईं सुजैन

**मुंबई (भाषा)।** अभिनेता ऋतिक रोशन ने बुधवार को कहा कि उनकी पूर्व पत्नी इंटीरियर डिजाइनर सुजैन खान कुछ समय के लिए अपना घर छोड़कर उनके साथ रहने आई हैं ताकि कोरोना वायरस महामारी के बीच अपने बच्चों की देखभाल मिलकर कर सकें। ऋतिक और सुजैन ने 2014 में तलाक ले लिया था। उनके दो बेटे ऋहान और ऋधान हैं। ऋतिक रोशन ने इंस्टाग्राम पर सुजैन की एक तस्वीर डाली है जिसके साथ लिखा है, मेरे लिए अभिभावक के रूप में अपने बच्चों से ऐसे समय में अलग रहना कल्पना से परे है जब देश में लॉकडाउन है। उन्होंने कहा, ऐसी गहरी अनिश्चितता के समय में दुनिया को एकसाथ होते देखना सुखद है जबकि कई महीने तक सामाजिक दूरियां रखनी पड़ सकती हैं और संभवत: कई सप्ताह तक बंद की स्थिति रहने वाली है। ऋतिक ने कहा, सुजैन के साथ में आने और बच्चों की मिलकर देखभाल करने के हमारे सफर को समझने के लिए शुक्रिया। हम अपने बच्चों के लिए जो कहानी लिखेंगे, वे उन्हें सुनाएंगे।

## लॉकडाउन के बीच गुड़ी पड़वा, विडंबना: सोनाली

**मुंबई।** महाराष्ट्रियन बुधवार को गुड़ी पड़वा के पर्व के साथ नए साल का जश्न मना रहे हैं। इस अवसर पर अभिनेत्री सोनाली बेंद्रे की मिलीजुली भावनाएं हैं, यह पर्व कोरोनोवायरस प्रकोप के मद्देनजर 21 दिन के लॉकडाउन की शुरुआत के साथ पड़ा है। सोनाली ने इंस्टाग्राम पर लिखा, हैप्पी गुड़ी पड़वा .. यह विडंबना है कि नया साल 21 दिनों की लॉकडाउन की शुरुआत के साथ पड़ा है.. लेकिन किसी न किसी रूप में यह एक संकेत है कि हमें क्या करने की आवश्यकता है। उन्होंने आगे लिखा, आत्मनिरीक्षण करें और भविष्य की ओर देखें। गुड़ी पड़वा चैत्र महीने का पहला दिन होता है और हिंदू कैलेंडर के अनुसार इस दिन से नए साल की शुरुआत होती है।

गंभीर स्वास्थ्य संकट के बीच लोगों के मूड को हल्का करने के लिए, सोनाली ने एक थ्रोबैक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें वह पारंपरिक महाराष्ट्रियन साड़ी पहने हुए हैं।

## अनुष्का, विराट ने लोगों से किया लॉकडाउन को गंभीरता से लेने का अनुरोध

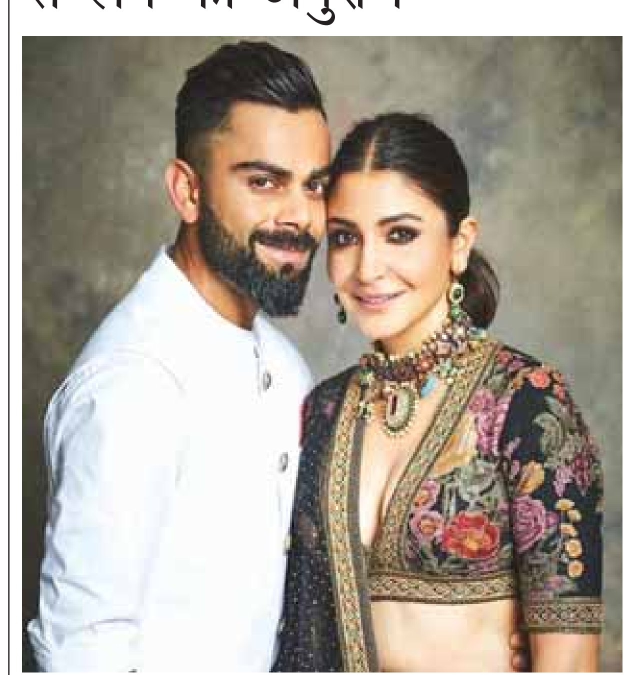

**मुंबई (भाषा)।** सेलिब्रिटी दंपत्ति अनुष्का शर्मा और विराट कोहली ने लोगों से देश भर में कोरोना वायरस के बढ़ते प्रसार से निपटने के लिए 21 दिन के देशव्यापी लॉकडाउन का गंभीरता से पालन करने का अनुरोध किया है।

उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना वायरस के संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए देश में मंगलवार आधी रात से 21 दिन के लॉकडाउन (बंद) की घोषणा की है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार तक भारत में कोरोना वायरस के 562 मामलों की पुष्टि हो चुकी है और नौ लोगों की मौत हुई है।

एक वीडियो संदेश में अनुष्का और विराट ने कहा है कि यह समय कोरोना वायरस से मुकाबला करने का है और इसके लिए साहस, असीम धैर्य तथा अगले 21 दिनों तक हममें से हर किसी की ओर से जिम्मेदारी भरे रवैए की जरूरत है।

इस जोड़े ने कहा हमें अगले 21 दिन तक कुछ महत्वपूर्ण दिशा-निर्देशों का पालन करना होगा। वायरस को अपने घर में आने और अपने करीबियों को संक्रमित करने से रोकने के लिए घर पर ही रहें। लॉकडाउन के आदेश का गंभीरता से पालन करें क्योंकि यह वायरस के प्रसार को रोकने के लिए एक जरूरी तथा महत्वपूर्ण कदम है। अनुष्का-विराट ने कहा कि मार्च-रैलियों में हिस्सा लेने, जोर से चिल्लाने या शोर से यह वायरस नहीं जाएगा।

अनुष्का ने कहा अंधविश्वास से बचें, अफवाहों पर ध्यान न दें क्योंकि इससे भारत कोविड-19 को परास्त नहीं कर पाएगा। विराट ने कहा अगर 21 दिन के लॉकडाउन के दौरान एक भी व्यक्ति गैर-जिम्मेदार रुख अपनाता है तो हम सबको, पूरे देश को इसकी भारी कीमत चुकानी होगी। दोनों ने कहा देश को बचाने के लिए पूरे भारत को 21 दिन तक घर में ही रहना होगा। आइए, हम सब जिंदगियों को बचाने के लिए और अपने देश को बचाने के लिए एकजुट हों। इससे पहले अनुष्का ने कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के मद्देनजर इन्स्टाग्राम पर लोगों से अपने पालतू जानवरों को न त्यागने की अपील की थी।